www.navpradesh.com

दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

रायपुर, सोमवार, 24 अगस्त 2026 शुक्ल पक्ष-द्वादशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 195 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

अम्बिकापुर में सड़क बदहाल, भड़के लोग

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। भारत माता चौक से दरिमा मोड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर लोगों का आक्रोश सड़क पर देखने को मिला। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और मरम्मत के नाम पर डाले गए बड़े-बड़े बोल्डरों से परेशान सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मार्ग पर बैठकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क को तत्काल सुरक्षित बनाने की मांग की। प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सूजन बिंद, त्रिभुवन सिंह, सुरेश राम बुनकर, राजमणि चौबे और अंकुर सिन्हा समेत अन्य लोग शामिल हुए। सूचना मिलने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। आंदोलनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग की, जिसके बाद विभाग के एसडीओ मौके पर पहुंचे।

तीन से चार दिन में सुधार का आश्वासन

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के एसडीओ ने प्रदर्शनकारियों को बताया कि सड़क सुधार का काम जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बोल्डरों के ऊपर छोटी गिट्टी डालकर अगले तीन से चार दिनों में सड़क का समतलीकरण कराया जाएगा। विभागीय अधिकारी के आश्वासन के बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। लोगों ने कहा कि बारिश के दौरान सड़क की स्थिति को देखते हुए केवल अस्थायी मरम्मत के बजाय स्थायी समाधान किया जाना जरूरी है।

लापरवाही: शव और कंकालों के ढेर ने खोली व्यवस्था की पोल, आरोपी गिरफ्तार

हेमाबंद में 100 से ज्यादा गायों की मौत, भूख-प्यास से तड़प रहे गोवंश

नवप्रदेश लगातार

■ **ग्रामीणों का आरोप: चारा-पानी और इलाज के अभाव में रोज 15 से 20 गायों की मौत**

बेमेतरा/दाढ़ी/नवप्रदेश। गोसेवा के नाम पर आर्थिक मदद और देखरेख की जिम्मेदारी... लेकिन जमीन पर तस्वीर ऐसी कि देखकर रूह कांप जाए। दाढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हेमाबंद में गोवंश की बदहाली और मौतों का मामला सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिन गायों की देखभाल के नाम पर राशि जुटाई और खर्च की जा रही थी, उन्हें चारा-पानी और उपचार तक पर्याप्त नहीं मिला। नतीजा 100 से ज्यादा बेजुबान पशु लगातार दम तोड़ते रहे और उनके शवों को कथित तौर पर वहां से हटाकर ठिकाने लगाया जाता रहा।

ग्रामीणों ने दिलीप राय पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार गोवंश की देखरेख के लिए करीब ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नव प्रदेश की पड़ताल में सामने आई भयावह तस्वीर

दैनिक नव प्रदेश के ब्यूरो चीफ मनोज शुक्ला को जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर पड़ताल की गई। वहां जो तस्वीर सामने आई, उसने ग्रामीणों के आरोपों को और गंभीर बना दिया। खुले स्थान पर मृत गोवंश के शव और कंकाल दिखाई दिए, जबकि आसपास जीवित गायें भी बेहद दयनीय हालत में नजर आईं। ग्रामीणों का दावा है कि पशुओं की मौत कोई एक-दो दिन की घटना नहीं थी। उनका आरोप है कि रोजाना 15 से 20 तक गायें चारा-पानी और उपचार के अभाव में मर रही थीं। मौतों की वास्तविक संख्या जुटाने आरोपी से पूछताछ जारी है।

सरपंच और कोटवार की भूमिका पर भी सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि हेमाबंद में 100 से ज्यादा गायों की मौत हो चुकी है और मृत पशुओं की खाल को बेचा जा रहा है। अगर ग्रामीणों के दावे सही हैं और लंबे समय से इतनी बड़ी संख्या में पशुओं की मौत हो रही थी, तो ग्राम पंचायत के जिम्मेदार पदाधिकारी इससे अनजान कैसे रहे? ग्रामीणों ने सरपंच और ग्राम कोटवार की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि उन्हें हालात की जानकारी थी तो पशुपालन विभाग और प्रशासन को सूचना देकर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं कराई गई?

जांच के लिए पहुंचे अफसर, ग्रामीणों के लिए बयान

जिला वेटरनरी डॉक्टर पिंगला ने कहा कि उन्हें पूर्व में इस गोशाला की जानकारी नहीं थी। शिकायत मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को बेहद गंभीर पाया। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में उचित कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों के बयान भी लिए गए।

गायों की निर्मम हत्या का दृश्य देख रूह कांप गई

गोप्रेमी आदेश सोनी ने मौके का निरीक्षण कर जिला स्तर पर प्रदर्शन की बात कही। वहीं प्राण गो सेवा, रायपुर के ओमेश बिसेन ने कहा कि उन्होंने इतनी निर्मम स्थिति पहले नहीं देखी और दृश्य देखकर रूह कांप गई।

सीएम व विस अध्यक्ष तक पहुंचा मामला

गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष संत राजीव लोचन दास ने दूरभाष पर बताया कि मामले को मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के संज्ञान में लाया गया है। शासन की ओर से बेमेतरा जिले के उच्चाधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल हेमाबंद की भयावह तस्वीर ने गोवंश की देखरेख की पूरी व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

आरोपी से पूछताछ जारी

"मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दिलीप राय को हिरासत में लिया है। ग्रामीणों को कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

– भूषण एक्का, एसडीओपी, बेमेतरा

आज बेबाक

जिसका डर था बेदर्दी वही बात हो गई। झारखंड के आंदोलित छात्रों के आगे झुककर वहां की सरकार ने पूर्व में आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाएं और नियुक्तियां रद्द कर वाहवाही लूट ली । छात्र भी खुश हो गए। इससे लाखों का चढ़ावा अर्पित कर नौकरी पाने वाले हजारों युवा खड़े पैर बेरोजगार हुए तो उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जिसने सरकार के फैसले को रद्द कर दिया। अब छात्र फिर आंदोलन की राह पर हैं। बेशक छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति है लेकिन सरकार से पार नहीं पा सकती। सरकार सांप को मारना और लाठी को टूटने से बचाना बेहतर जानती है।

गरमा-गरम

दो पेपर लीक के बाद कृषि विवि व कॉलेजों में बढ़ेंगे सीसीटीवी कैमरे

नवप्रदेश लगातार

■ **भारती कृषि कॉलेज दुर्ग और आब्जर्वरों को पेपर लीक मामले में नोटिस**

■ **प्लांट पैथोलॉजी का प्रश्न पत्र भी रद्द, दोनों पेपर अब सितंबर के पहले हफ्ते में होंगे**

"पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी सहित छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और इसमें जांच जारी है। इसमें और भी जो लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उन पर भी कार्रवाई होगी।

– विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

रायपुर/नवप्रदेश। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा पेपर लीक प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए रविवार को अवकाश के दिन डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित आपातकालीन बैठक में अनेक निर्णय लिए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रश्न पत्र अब पासवर्ड प्रोटेक्टेड ईमेल से

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा कहा गया है कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य हेतु परीक्षाओं की गोपनीयता, निष्पक्षता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं तथा परीक्षा प्रणाली को लीक प्रूफ बनाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी संबंध में 20 अगस्त के पेपर लीक प्रकरण पश्चात विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग द्वारा 22 अगस्त 2026 को आयोजित परीक्षा के प्रश्न पत्र संबंधित महाविद्यालयों को हार्ड कॉपी के स्थान पर पासवर्ड प्रोटेक्टेड ईमेल के माध्यम से भेजे गए। संबंधित महाविद्यालयों को प्रात: 10 बजे से होने वाले प्रश्न पत्र का ईमेल प्रात: 9:30 बजे उपलब्ध कराया गया जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई आशंका न रहे। सोमवार 24 अगस्त को आयोजित होने वाली परीक्षाएं भी इसी प्रक्रिया से संपन्न कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग तथा महाविद्यालयों के परीक्षा हॉल में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा भविष्य में आयोजित होने वाली परीक्षाओं की गोपनीयता एवं पारदर्शिता में बढ़ोतरी हेतु आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करने पर भी विचार किया जा रहा है।

बारिश बनी आफत: छत्तीसगढ़ में तीन बच्चों समेत 5 की मौत

■ **नदी में बहा युवक, बिजली गिरने से दंपती की गई जान, रायपुर में भी हुई तेज बारिश**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में रविवार को हुई तेज बारिश कई इलाकों में आफत बन गई। रायपुर में दोपहर से तेज बारिश के चलते दिन में ही अंधेरा छा गया। वहीं बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। रविवार को तीनों के शव बरामद कर लिए गए। बलरामपुर में कन्हर नदी पार करते समय एक युवक बह गया, जबकि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में बिजली गिरने से बैगा दंपती की मौत हो गई। रायपुर में भी भारी बारिश हुई।

बिलासपुर में नदी में बहे तीन बच्चे: बिलासपुर जिले के ग्राम समडील निवासी आशुतोष जायसवाल और विजय जायसवाल की बेटियां रिद्धी और सिद्धी (दोनों 8 वर्ष) नयापारा स्थित डीपी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कन्हर नदी में युवक लापता

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज में रविवार सुबह करीब 9 बजे एक युवक कन्हर नदी का एनीकट पार करते समय तेज बहाव में बह गया। बताया गया कि एनीकट के ऊपर से पानी बह रहा था। युवक झारखंड के गोदरमाना से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहा था। घटना के बाद उसकी तलाश जारी है।

पेंड्रा में बिजली गिरने से बैगा दंपती की मौत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कटरा ढपनीपानी गांव में तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने से बैगा दंपती मंगल सिंह और उनकी पत्नी बिरस्पतिया बाई की मौत हो गई। बताया गया कि दोनों घर पर थे। तेज गड़गड़ाहट और मूसलाधार बारिश के बीच उनके मकान पर बिजली गिरी, जिससे दोनों आंगन में ही बेहोश हो गए। परिजन और ग्रामीण उन्हें 108 संजीवनी एक्सप्रेस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना मरवाही थाना क्षेत्र की है।

केदार के काफिले का एक्सीडेंट, 6 घायल

■ **स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, कोंडागांव में जुनवानी के पास हुआ हादसा, घायलों में एक महिला समेत चार जवान**

कोंडागांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में मंत्री केदार कश्यप के काफिले का एक्सीडेंट हुआ है, हादसे में 6 लोग घायल हुए हैं। इनमें 1 महिला समेत 4 जवान शामिल हैं। वहीं, मंत्री के पीए और ड्राइवर को भी चोटें आई हैं। 4 गंभीर घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। दरअसल, आज दोपहर जुनवानी के पास एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने पहले मंत्री की कार को टक्कर मारी। इसके बाद पीछे से आ रही फॉलो अप वाहन को ठोक दिया। यह बात भी सामने आ रही है कि घटना के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

घायलों को रायपुर रेफर किया गया

इस हादसे में मंत्री के पीछे आ रही फॉलोइंग गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। वहीं, सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। स्थिति खराब होने पर 4 को रायपुर रेफर कर दिया गया है। मंत्री के पीए अनुराग शर्मा और ड्राइवर सुनील को भी रायपुर रेफर किया गया है। वहीं, मौके पर काफी भीड़ लग गई थी। पुलिस ने आसपास के माहौल को शांत कराया।

दुर्ग में स्वाइन फ्लू की दस्तक अलर्ट मोड पर स्वास्थ्य विभाग

■ **2 साल 11 माह की बच्ची में एच1एन1 की पुष्टि**

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बरसाती सीजन में स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया है। जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती 2 साल 11 माह की बच्ची में एच1एन1 वायरस की पुष्टि हुई है। इस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।

डॉक्टरो के अनुसार, बच्ची को दो दिनों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई निगरानी

रिपोर्ट मिलते ही घर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम बच्ची की जांच रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उसके घर और आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। टीम घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले रही है। बच्ची के परिवार के दूसरे सदस्यों के भी सैंपल लिए गए हैं, जिससे यह पता लगाया जा सके कि परिवार में कोई संक्रमित तो नही है। स्वास्थ्य विभाग अब बच्ची के संपर्क में आए लोगों की जानकारी भी जुटा रहा है।

प्रदेश के बच्चों के हक की एक भी सीट नहीं होगी प्रभावित: स्वास्थ्य मंत्री

■ **नीट यूजी काउंसलिंग 2026: फर्जी जानकारी देने पर निरस्त होगा प्रवेश, राज्य काउंसलिंग समिति की चेतावनी**

■ **मूल दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही मानी जाएगी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के बच्चों के हितों के साथ किसी भी तरह की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज और एमबीबीएस की सीटें बढ़ाने का उद्देश्य ही यही है कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक बच्चों को मेडिकल शिक्षा का अवसर मिले।

श्री जायसवाल ने कहा है कि डोमिसाइल को लेकर अगर कहीं कोई शंका या शिकायत सामने आती है तो उसकी पूरी गंभीरता से जांच कराई ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नीट यूजी प्रवेश वर्ष 2026 की राज्य स्तरीय काउंसलिंग

पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी काउंसलिंग, मेरिट और आवंटन की संपूर्ण प्रक्रिया प्रचलित प्रवेश नियमों के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से पारदर्शी ढंग से संपादित की जा रही है।छत्तीसगढ़ राज्य काउंसलिंग समिति ने नीट यूजी प्रवेश वर्ष 2026 की राज्य स्तरीय काउंसलिंग को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

भक्ति : भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

कांवड़ यात्रा में शामिल हुए सीएम साय और स्पीकर डॉ. रमन

■ **भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अनुपम संगम है कांवड़ यात्रा: सीएम साय**

रायपुर/नवप्रदेश। पवित्र श्रावण मास में राजधानी रायपुर रविवार को भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुढ़ियारी स्थित मारुति मंगलम परिसर में आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को पवित्र श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति का विशेष अवसर है। इस पवित्र माह में कांवड़ यात्रा हमारी आस्था, भक्ति और समर्पण की अनुपम अभिव्यक्ति है। हजारों शिवभक्त पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ के अभिषेक के लिए पैदल निकलते हैं। कठिन यात्रा के बीच शिवभक्तों का उत्साह और श्रद्धा सनातन संस्कृति में निहित आस्था की शक्ति को प्रकट करती है। मुख्यमंत्री ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार मिल रहा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इससे हमारी आस्था के केंद्रों को नई पहचान मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को भी विस्तार मिल रहा है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, निगम-मंडलों के अध्यक्ष, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सोनदादर में धूमधाम से मनाई गई गोस्वामी तुलसीदास जयंती, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

मानस गायन में गूंजी श्रीरामचरितमानस की चौपाइयां,

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम सोनदादर में गोस्वामी तुलसीदास जयंती श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भव्य मानस गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न मानस मंडलियों ने श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों का संगीतमय एवं भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु और मानस प्रेमी शामिल हुए।

मानस गायन के दौरान भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मर्यादा और भक्ति से जुड़े प्रसंगों की चौपाइयों का गायन किया गया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों और भक्ति संगीत से पूरा ग्राम सोनदादर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु देर रात तक मानस गायन का आनंद लेते रहे। आयोजन के दौरान श्रीरामचरितमानस के संदेशों के साथ सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों पर भी प्रकाश डाला गया।

जीवन को सही दिशा देता है रामचरितमानस

कार्यक्रम में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष मुकेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता छुईहा ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती एसकुमारी प्रीतम यादव ने की। अतिथियों ने मानस मंडलियों एवं श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। ग्रामीणों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्य अतिथि मुकेश यादव ने कहा कि संत गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है। इसमें आदर्श जीवन, परिवार, समाज, कर्तव्य और मानवीय मूल्यों की शिक्षा मिलती है। भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। इन आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है।

धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता का माध्यम

मुकेश यादव ने कहा कि गांवों में आयोजित धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम केवल आस्था तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज को जोड़ने का भी कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों से आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव मजबूत होता है। उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराएं जीवंत बनी रहती हैं।

उन्होंने कहा कि तुलसीदास जयंती समारोह ने धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक एकता का संदेश भी दिया। मानस गायन के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और रामायण के आदर्शों से जोड़ने का यह सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम में किशन दीवान, नेतराम दीवान, पतित यादव, नरेंद्र सेन, कांशीराम शर्मा, विनोद दीवान, रोहित ठाकुर, यशराम साहू, करन ठाकुर, देवनारायण दीवान, पवन ध्रुव, माखन दीवान, रमन यादव, किसलाल दीवान, मोहम्मद खान, हीराराम दीवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं मानस प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने मानस गायन का आनंद लिया और आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

न्यूज गैलरी

सद्भावना दिवस पर डोंगरगढ़ रेलवे परिसर में रक्त परीक्षण शिविर

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे स्काउट गाइड फैलोशिप नागपुर द्वारा सद्भावना दिवस के अवसर पर आज दिनांक 23 अगस्त 2026 को रेलवे परिसर में रक्त परीक्षण शिविर लगाया गया। शिविर में नागपुर की प्रसिद्ध मणिपाल लैब के लैब टेक्नीशियन विश्वास जी एवं उनकी टीम द्वारा 60 लोगों का रक्त परीक्षण किया गया। यह कार्यक्रम देवेंद्र कुमार सांखरे के निर्देशन में तथा श्यामलाल साहू, जसवीर सिंह बन्नोआना एवं गोपाल खेमूका के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में 70 प्रकार की जांच की जाएगी। शिविर को सफल बनाने में ए. गोविंद राव, संजय कुमार सरजारे, प्रवीण संगोडे, भूमिका मोडघरे, नलिनी राव एवं कुमारी नेहा संगोडे का महत्वपूर्ण प्रयास रहा। सभी के सहयोग से रक्त परीक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

भोथली में विकास कार्यों का भूमि पूजन, 5.30 लाख के कार्य स्वीकृत

गुरुर/नवप्रदेश। जनपद पंचायत गुरुर क्षेत्र क्रमांक 05 ग्राम पंचायत भोथली में जनपद निधि एवं 15 वे वित्त की राशि से वार्ड क्रमांक 11 और 12 में पक्की नाली निर्माण 1.20एक लाख बीस हजार की राशि सरस्वती शिशु मंदिर भोथली के पास सिंटेक्स टंकी निर्माण 60हजार राशि एवं प्राथमिक शाला में बालिका शौचालय निर्माण 4लाख 30हजार राशी स्वीकृत किया गया इन सभी कार्यो का भूमि पूजन डॉ हरिकृष्ण गंजीर सभापति संचार संकर्म एवं निर्माण समिति जनपद पंचायत गुरुर चुन्नी साहू सरपंच ग्राम पंचायत भोथली खिलेश्वर साहू उप सरपंच ग्राम पंचायत भोथली जसवंत कुमार संयोजक भाजपा शक्ति केंद्र भोथली डॉ धिरपाल अठभैया सहसंयोजक भाजपा शक्ति केंद्र भोथली धनेश राम साहू बूथ अध्यक्ष सेवाराम साहू बूथ अध्यक्ष और चंद्रहास अटभैया बूथ अध्यक्ष सुकालू राम साहू पूर्व अध्यक्ष ग्राम विकास समिति भोथली भरत साहू एवं समस्त पंचगण एवं समस्त ग्राम वासीके आतिथ्य में भूमि पूजन किया गया इस अवसर पर सभापति डॉ हरिकृष्ण गंजीर ने कहा कि मैं अपने जनपद क्षेत्र के सभी गांव में विकास करने संकल्प लिया है और विकास करेंगे ग्राम पंचायत जेवरतला में शीतला मंदिर के पास सीमेंटिकरण का भी भूमि पूजन सोमवार को किया जाना है जिसमें आप सादर आमंत्रित हैं इस अवसर पर शोभाराम साहू सेवक राम साहू हेमंत साहू आमीन कलिहारी सुमन साहू मनोरंजन साहू कौशल्या साहू ओमप्रकाश साहू मनोज साहू हेमंत साहू यशवंत साहू ग्राम पंचायत भोथली के समस्त पंचगण ग्राम विकास समिति के समस्त सदस्य गण और ग्राम के वरिष्ठ जन उपस्थित थे

ग्राम जौंदी में मॉडल शौचालय का भूमि पूजन संपन्न

नवापारा राजीम/नवप्रदेश। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में बालिकाओ के लिए 5 लाख की लागत से मॉडल शौचालय का भूमि पूजन संपन्न हुआ। जिसके मुख्य अतिथि ब्रह्मानंद साहू सभापति जनपद पंचायत अभनपुर थे अध्यक्षता कुंती साहू सरपंच ग्राम पंचायत जौंदी ने किया। इस अवसर पर शाला के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा बाउंड्री वॉल के लिए मुख्य अतिथि को मांग पत्र सोपा गया क्योंकि बाउंड्री वॉल ना होने के कारण बच्चे असुरक्षित रहते हैं व जानवर घुस जाता है इसके कारण स्कूल प्रांगण में वृक्षारोपण नहीं हो पा रहा है। इस कार्यक्रम में जानकी साहू, उषा यादव, हेमलता साहू रोजगार सहायक, शिक्षक गण सपना पांडे, मीरा सोनवानी, विद्या साहू, टोमन लाल साहू पूर्व सरपंच, गणमान्य नागरिक जागेश्वर साहू, रामकृपाल साहू, कुलेश्वर यादव, इंद्र कुमार यादव, भोराम यादव उपस्थित हुए।

शिवानी हिरवानी का राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन

भटगांव/नवप्रदेश। सेजेस भटगांव की प्रतिभावान छात्रा शिवानी हिरवानी का चयन राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 22 अगस्त से जांजगीर में किया जा रहा है, जिसमें शिवानी अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

शिवानी हिरवानी श्री लोकनाथ हिरवानी, भटगांव की पुत्री हैं। उनके राज्य स्तर पर चयन से विद्यालय, परिवार एवं भटगांव क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। विद्यालय परिवार एवं खेलप्रेमियों ने शिवानी को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

किसानों की जायज मांग पर एक तिथि तय करे प्रशासन नहीं तो होगी भूख हड़ताल : चंदेल

किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का मुख्य द्वार घेरा, दी भूख हड़ताल की चेतावनी

■ समय-सीमा तय नहीं हुई तो भूख हड़ताल की चेतावनी

दुर्ग/नवप्रदेश। किसान बंधु संगठन धमधा ब्लॉक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों एवं ग्रामीणों ने विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। किसानों ने कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट पर बैठकर अपनी मांगों के शीघ्र निराकरण की आवाज उठाई। किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने कहा कि प्रशासन अब किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए एक निश्चित तिथि तय करे, अन्यथा किसान भूख हड़ताल करने के लिए मजबूर होंगे।

IDBI ऋण माफी के लिए 54 किसानों की मांग

परसबोड़, कूटहा, खपरी, पेंड्री, खैरझिटी एवं हिरेतरा के करीब 54 किसान ढ्ढष्ठक्च्ढ्ढ बैंक से संबंधित ऋण माफी के मामले को लेकर लंबे समय से परेशान हैं। किसानों का कहना है कि आवेदन, प्रभावित किसानों की सूची और कई बैठकों के बाद भी अब तक ठोस समाधान नहीं हुआ है। और एक तरफबैंक के द्वारा किसानों को कुर्की और नोटिस दे दे के परेशान कर रहे है

ट्रांसफार्मर स्थानांतरण के लिए 76,444 की डिमांड

परसबोड़ में आबादी एवं मुख्य मार्ग के पास स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग भी किसानों ने उठाई। विद्युत विभाग द्वारा इसके लिए 76,444.62 की डिमांड जारी किए जाने की बात किसानों ने कही। ग्रामीणों ने राशि का भार उन पर नहीं डालने और जनसुरक्षा को देखते हुए ट्रांसफार्मर तत्काल हटाने की मांग की।

किसानों ने धरमपुरा गांव में शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला भी उठाया। किसानों ने आरोप लगाया कि ग्राम निवासी सुरेश यादव, जो वैशाली नगर थाना में आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं, द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। जिसकी कई बार शिकायत हर जगह और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर में भी किया जा चुका है बावजूद पुलिस विभाग और राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं किया गया।

धमधा तहसीलदार के दुर्व्यवहार का मामला उठा

किसानों ने 14 अगस्त को तिरंगा रैली की अनुमति एवं आवेदन की पावती को लेकर धमधा तहसीलदार पर कथित दुर्व्यवहार का मामला भी कलेक्टर के समक्ष उठाया।

किसानों के अनुसार अध्यक्ष आत्मा साहू द्वारा स्ष्ठरूधमधा को आवेदन दिया गया था, जिसे तहसीलदार एवं अन्य विभागों को मार्क किया गया था। किसानों का आरोप है कि तहसील कार्यालय में आवेदन की विधिवत पावती देने के बजाय अनुचित व्यवहार किया गया और रैली की अनुमति भी नहीं दी गई।

'नारी तू नारायणी' महिला समूह द्वारा पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाया गया

भटगांव/नवप्रदेश। सावन मास के पावन अवसर पर ÷नारी तू नारायणी ÷ समूह भटगांव के द्वारा ÷पर्यावरण संरक्षण जागरूकता ÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य नगर एवं समाज को पौधा रोपण द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जगरूकता प्रदान करना है

कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथियों निरुपमा केशरवानी, सुमन दुबे, प्रीति देवांगन, अंजू सिदार के द्वारा सरस्वती वंदना, गणेश पूजन, शिव स्तुति के साथ अतिथियों के स्वागत से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य विषय पौधा रोपण एवं पर्यावरण संरक्षण पर गीत, कविता एवं विशेष व्याख्यान प्रत्येक सदस्य द्वारा दिया गया। कार्यक्रम को मनोरंजक बनाने के लिए कुछ पारम्परिक खेल जैसे रस्सी कूद, अट्ठी, बित्ता नाप का आयोजन हुआ।

स्वलपाहर उपरांत कार्यक्रम के आयोजक रेखा देवांगन, सह आयोजक नीलिमा साहू एवं रीता देवांगन द्वारा मुख्य अतिथियों को उपहार स्वरूप पौधा प्रदान किया गया।

सभी सदस्यो ने एक दूसरे को बेल का पौधा प्रदान कर कार्यक्रम को विराम दिया।

आदिवासी सम्मेलन एवं सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। आज डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सहसपुर के आश्रित ग्राम जारवाही में आयोजित आदिवासी सम्मेलन एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल जी सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर विधायक जी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर चर्चा की तथा क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का आश्वासन दिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक हर्षिता स्वामी बघेल जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मूल निवासी आदिवासी समाज है। आदिवासी समाज ने प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं, जल-जंगल-जमीन और सामाजिक विरासत को संजोकर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।

विधायक जी ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित रखने और नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का भी आह्वान किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा रक्षाबंधन

भाटापारा/नवप्रदेश। भाई बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन अब चंद दिन ही शेष रह गये है 28 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा ।रक्षाबंधन त्योहार को लेकर बाजार मे राखियों की दुकान सज गई है जहां बहने अपने भाई के कलाई मे राखी बंधाने के लिए खरीददारी शुरू कर दी है अब राखी की दुकान मे ग्राहको की संख्या दिखने लगी है लेकिन जैसी भीड दिखनी चाहिए वैसी दिख नही रही है त्योहार एक दो दिन शेष बचने पर ही ग्राहकों की और भीड बढेगी जयस्तंभ चौक के समीप स्थित श्री गणेश सीजनल शाप मे राखियों की सैकडो वैरायटीयों के साथ दुकान सजी हुई है जहाँ से ग्राहक अपनी मन पसंद राखियों की खरीदी कर रहे हैं दुकान के संचालक बिहारी जोशी ने बताया कि उनकी दुकान मे सबसे बडी रेंज उपलब्ध है उनके पास कोलकाता,सूरत,दिल्ली की लेटेस्ट राखियों का कलेक्शन उपलब्ध है वहीं 1 रूपये पीस से लेकर 450 रूपये तक की राखियां उनके शाप मे उपलब्ध है वहीं मोली राखी की धूम मची हुई है जिसे ग्राहको को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है इसके अलावा सिल्वर पैटर्न की राखियां प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है ,वही राखी के बाजार मे इस साल महंगाई व कीमतो मे वृद्धि भी देखा जा रहा है पेट्रोल डीजल के दामो मे वृद्धि का असर राखियों मे भी देखने को मिल रहा है।

मनरेगा कार्यों के सामाजिक अंकेक्षण हेतु ग्राम सभा बैठक आयोजित

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बलौदा बाजार के ग्राम पंचायत सकरी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत कराए गए कार्यों के सामाजिक अंकेक्षण हेतु विशेष ग्राम सभा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, मनरेगा हितग्राहियों एवं सामाजिक अंकेक्षण से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

विशेष ग्राम सभा में मनरेगा के अंतर्गत पंचायत क्षेत्र में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान कार्यों की स्वीकृति, मजदूरी भुगतान, सामग्री व्यय, मस्टर रोल तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच एवं समीक्षा की गई। उपस्थित ग्रामीणों को कार्यों की जानकारी देते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सामाजिक अंकेक्षण के दौरान ग्रामीणों को अपने सुझाव और शिकायतें रखने का अवसर दिया गया। बैठक में मनरेगा योजना के तहत हुए कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों ने दस्तावेजों का अवलोकन कर योजना के क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

फर्जी ट्रांसफर ऑर्डर मामले में ग्रामीण चिकित्सा सहायक एवं भाजपा जिला महामंत्री सहित चार आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर से स्थानांतरण आदेश क्रमांक .एच.एम./ए.आर./2026-27/1359, दिनांक 14 अगस्त 2026 तैयार कर प्रस्तुत करने की डॉ पंकज तिवारी खंड चिकित्सा अधिकारी पलारी द्वारा दर्ज शिकायत पर पुलिस थाना पलारी द्वारा जांच करने के बाद मामले में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रोहांसी में पदस्थ ग्रामिण चिकित्सा सहायक करण कुमार देवांगन और भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी सहित कुल 4 आरोपियों को बीएनएस की धारा 318(4), 336(3),337,338,340(2), 3(5) के तहत गिरफ्तार किया गया है। प्रदत्त जानकारी के अनुसार फर्जी तरीके से तैयार स्थानांतरण आदेश के अनुसार आरोपी ग्रामीण चिकित्सा सहायक करण कुमार देवांगन का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोपर विकासखंड भाटापारा स्थानांतरण होना दर्शाया गया था। जांच में पाया गया कि राज्य संवर्ग के कर्मचारी का स्थानांतरण अधिकार क्षेत्र केवल राज्य शासन के पास है। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया था तथा आदेश पर अंकित हस्ताक्षर भी पूर्णतः फर्जी व कूटरचित पाए गए।

जिस पर शासकीय दस्तावेजों में कूटरचना, धोखाधड़ी एवं फर्जीवाड़े के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मार्गदर्शन में थाना पलारी पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर फर्जी स्थानांतरण आदेश तैयार करने वाले आरोपी ग्रामीण चिकित्सा सहायक सहित कुल 4 आरोपियों करण कुमार देवांगन पिता लहुर साय देवांगन 44 वर्ष निवासी मंगलम कालोनी बलौदाबाजार, कृष्णा उर्फ कृष्ण कुमार पिता स्व कुंजराम अवस्थी 53 वर्ष निवासी ग्राम रिसदा, पुनीराम पटेल पिता डेरहा राम पटेल 51 वर्ष निवासी ग्राम गिरौदपुरी तथा रवि कुमार सेन पिता नूतन लाल सेन 43 वर्ष निवासी कसडोल वार्ड क्र0 4 सिरपुर रोड को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

जर्जर सड़क को लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मिले मुस्ताक खान

■ गुलशन चौक से बेमचा रोड तक सड़क बदहाल, बारिश में गड्ढों में भर रहा पानी; हादसों का बढ़ा खतरा

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव से वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद एवं शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मुस्ताक खान (विक्की) ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। पटरी पार संघर्ष समिति के संयोजक के रूप में सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने नयापारा क्षेत्र की जर्जर सड़क की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए तत्काल मरम्मत एवं सड़क निर्माण की मांग की।

उन्होंने बताया कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक आवागमन करते हैं। गड्ढों के कारण कई लोग असंतुलित होकर गिरने और चोटिल होने का सामना कर रहे हैं। वहीं चारपहिया वाहनों के गुजरने से सड़क पर जमा गंदा पानी और कीचड़ राहगीरों पर उछलने से भी लोगों को परेशानी हो रही है।

गुलशन चौक से बेमचा रोड तक सड़क की हालत खराब

मुस्ताक खान ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि गुलशन चौक से एकता चौक, नयापारा पेट्रोल पंप होते हुए बेमचा रोड तक मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर और खस्ताहाल है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चलता, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है।

एंबुलेंस के आवागमन में भी परेशानी

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में एंबुलेंस को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क पर बने गड्ढों और जलभराव के कारण यातायात प्रभावित होने के साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो रहा है।

तत्काल निरीक्षण और गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण की मांग: मुस्ताक खान (विक्की) ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मांग की कि नयापारा क्षेत्र की सड़क समस्या को जनहित में प्राथमिकता देते हुए गुलशन चौक से बेमचा रोड तक सड़क का तत्काल निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत एवं निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश देने की मांग की, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन की समस्या से राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

एकलव्य विद्यालय में पढ़ेगी सोनाली कुरेटी

छुरिया/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर छुरिया के होनहार छात्रा कु.सोनाली कुरेटी का एकलव्य आवासीय विद्यालय के कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा 2026 में अच्छे अंको के साथ चयनित होने एवं द्वितीय कौंसलिंग के पश्चात अध्ययन करने हेतु एकलव्य विद्यालय पेण्ड्री राजनांदगाँव आबंटित हुआ है जहां कक्षा छठवीं से बारहवीं तक नियमित छात्रा के रूप में अध्ययन करेगी।सोनाली कुरेटी प्रारंभ से ही प्रतिभावान छात्रा रही है। कक्षा तीसरी में आयोजित गणित कौशल प्रतियोगिता में जिला स्तर पर एवं नवोदय विद्यालय माकटेस्ट परीक्षा में ब्लाक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वयं सहित अपने शाला एवं परिवार का नाम रौशन कर चुकी हो चुकी है। सोनाली कुरेटी की माता आशा कुरेटी कुशल गृहणी एवं पिता दिनेश कुरेटी दिलेर जिले के ख्यातिलब्ध शिक्षक,कवि,उदघोषक एवं आदिवासी समाज प्रमुख है।

बस्तर की नई पहचान पर्यटन से गढ़ने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

■ लेह-लद्दाख अध्ययन भ्रमण से लौटे पत्रकारों ने सीएम से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और अद्भुत जैव विविधता से भरपूर बस्तर में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की पहचान उसकी वास्तविक खूबसूरती और सांस्कृतिक समृद्धि के अनुरूप नहीं बन पाई। अब परिस्थितियां तेजी से बदली हैं और बस्तर शांति, विश्वास, विकास और पर्यटन की नई पहचान के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। बस्तर की इस बदलती तस्वीर को देश-दुनिया तक पहुंचाने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में लेह-लद्दाख के अध्ययन एवं एक्सपोजर विजिट से लौटे पत्रकारों से सौजन्य मुलाकात के दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारों से उनके अध्ययन भ्रमण के अनुभवों के संबंध में आत्मीय संवाद किया और पर्यटन के विकास में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की।उन्होंने कहा कि बस्तर प्रकृति की अनुपम देन है। यहां के घने वन, मनोरम जलप्रपात, नदियां, पहाड़ और गुफाएं जितनी आकर्षक हैं, उतनी ही विशिष्ट यहां की जनजातीय संस्कृति, परंपराएं, लोककला, हस्तशिल्प, खान-पान और जीवनशैली है। बस्तर का प्रत्येक क्षेत्र अपने भीतर प्रकृति और संस्कृति की एक अलग कहानी समेटे हुए है। आवश्यकता इस बात की है कि बस्तर की इन विशेषताओं को प्रभावी ढंग से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर प्रस्तुत किया जाए।

उन्होंने कहा कि बीते चार दशकों में बस्तर का नाम राष्ट्रीय मीडिया में अधिकांशतः नक्सलवाद और हिंसा से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में सामने आता रहा। इससे बस्तर की वास्तविक पहचान कहीं पीछे छूट गई। अब नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता और क्षेत्र में स्थापित हो रहे शांति के वातावरण ने बस्तर के विकास के लिए नए द्वार खोले हैं।

लोगों की अब बदलेगी बस्तर के प्रति धारणा

मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्रकारों से कहा कि आप सभी बस्तर की वास्तविक खूबसूरती और वहां हो रहे बदलावों से परिचित हैं। राष्ट्रीय मीडिया के माध्यम से जब बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति और पर्यटन स्थलों की सकारात्मक कहानियां देश के सामने आएंगी तो लोगों की बस्तर के प्रति धारणा भी बदलेगी। उन्होंने कहा कि बस्तर को अब नक्सलवाद नहीं, बल्कि उसकी प्रकृति, संस्कृति, पर्यटन और विकास के लिए जाना जाए - यह हम सभी का प्रयास होना चाहिए।श्री साय ने कहा कि पर्यटन केवल किसी क्षेत्र की पहचान को विस्तार देने का माध्यम नहीं है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का भी बड़ा आधार है। बस्तर में पर्यटन बढ़ने से होटल, होम-स्टे, परिवहन, स्थानीय खान-पान, हस्तशिल्प, गाइड सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। विशेष रूप से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिलेगा। बस्तर के हस्तशिल्प, वनोपज और स्थानीय उत्पादों को भी पर्यटन के माध्यम से बड़ा बाजार मिल सकेगा। श्री साय ने लेह-लद्दाख का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक एवं भौगोलिक विशिष्टताओं वाले क्षेत्रों में सुव्यवस्थित पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

न्यूज गैलरी

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ जुवेनाइल डायबिटीज पेरेंट्स एसोसिएशन ने अपनी सेवा के दस साल पूरे होने पर रविवार को श्री निरंजन धर्मशाला, वीआईपी रोड, रायपुर में एक बड़े शिक्षा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस कार्यक्रम में टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों के लिए जानकारी, सहयोग और हौसला बढ़ाने का माहौल तैयार किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल कार्यक्रम में शामिल हुए। सबसे खास पल तब आया जब मंत्री ने सभी टी1डी बच्चों के साथ एक ही जगह बैठकर भोजन किया। इस आत्मीय पहल ने बच्चों और उनके अभिभावकों का दिल जीत लिया।अपने संबोधन में श्री जायसवाल ने कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने और पारदर्शी स्वास्थ्य व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुफ्त ग्लूकोमीटर सुविधा की जानकारी दी और मौके पर ही 20 जरूरतमंद बच्चों को ग्लूकोमीटर वितरित किए। कार्यक्रम में कुल 125 बच्चों का पंजीयन हुआ और लगभग 100 परिवार शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सीजीजेडीपीए रायपुर के श्री शिबाली के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने संस्था के पिछले 10 साल के सफर की जानकारी दी। इसके बाद हुए परिचय सत्र में सभी ञ्ज1ष्ठ बच्चों ने खुद अपना परिचय दिया, जिससे कार्यक्रम में एक अपनापन और सामुदायिक भावना का माहौल बना।कार्यक्रम के एक बेहद भावुक हिस्से में ञ्ज1ष्ठ बच्चों, उनके माता-पिता और डायबिटीज के साथ जी रहे कामकाजी पेशेवरों ने अपने अनुभव साझा किए।

विधायक पुरन्दर ब्लू वाटर हादसे में मृत युवक आदिल के घर पहुंचे

रायपुर/नवप्रदेश। ब्लू वाटर हादसे में मृत युवक मोहम्मद आदिल के मौदहापारा स्थित निवास पर आज रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और इस दुख की घड़ी में गहरी संवेदना व्यक्त की। विधायक श्री मिश्रा ने परिजनों से चर्चा करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।इस अवसर पर विधायक श्री मिश्रा ने छत्तीसगढ़ शासन की ओर से मृतक के पिता मोहम्मद यूनुस को 4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की।इस दौरान रायपुर एसडीएम नंदकुमार चौबे, रायपुर तहसीलदार राममूर्ति दीवान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

घूम-घूमकर चुराते थे बाइक-स्कूटर नाबालिग समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। कमिश्नरेट पुलिस ने राजधानी रायपुर में दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले में 3 आरोपियों को पकड़ा है। इनमें एक रायपुर निवासी, एक ओडिशा निवासी और एक नाबालिग है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के 9 दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं। इनकी कुल कीमत करीब 4 लाख रुपए है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी रायपुर के अलग-अलग इलाकों से दोपहिया वाहन चोरी करते थे और बाद में इन्हें ओडिशा ले जाकर बेच देते थे। चोरी के वाहनों की पहचान छिपाने के लिए कुछ गाड़ियों में ओडिशा पासिंग की फर्जी नंबर प्लेट भी लगाई गई थी।20 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के मोतीबाग स्थित एक ऑटो डील दुकान पर एक व्यक्ति बिना दस्तावेज के एक्टिवा बेचने आया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।पूछताछ में संदिग्ध की पहचान टोपेश्वर साहू उर्फ संजू साहू के रूप में हुई। पुलिस ने एक्टिवा के दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई कागज नहीं दिखा सका। पूछताछ में पहले पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने एक्टिवा को कोतवाली क्षेत्र से चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने टोपेश्वर से अन्य वाहन चोरी की घटनाओं के बारे में पूछताछ की। उसने बताया कि रायपुर के आजाद चौक, न्यू राजेंद्र नगर, कोतवाली, सिविल लाइन, तेलीबांधा और खम्हारडीह थाना क्षेत्रों से कुल 9 दोपहिया वाहन चोरी किए हैं। उसने यह भी बताया कि चोरी की गाड़ियां ओडिशा निवासी अपने दो साथियों को देता था। इसके बाद तीनों मिलकर वाहनों को ओडिशा में बेचते थे।इस जानकारी के बाद पुलिस टीम ओडिशा रवाना हुई। भालूमुंडा में दबिश देकर सूजल मेहेर उर्फ करण और एक नाबालिग को पकड़ा गया। तीनों की निशानदेही पर चोरी के 9 दोपहिया वाहन बरामद किए गए।

योजनाः सौर ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मार्च-2027 तक छत्तीसगढ़ के 5 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य

सौर ऊर्जा के विस्तार से ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा छत्तीसगढ़

सौर ऊर्जा से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही नारी शक्ति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सौर ऊर्जा का विस्तार केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। प्रदेश में महिला स्व-सहायता समूहों की बहनें अब सोलर वेंडर के रूप में आगे आ रही हैं और हितग्राहियों के घरों में सोलर संयंत्र स्थापित करने का कार्य कर रही हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति ने हमें सूर्य के रूप में ऊर्जा का असीम स्रोत दिया है। घरों, कृषि और अन्य क्षेत्रों में सूर्य की ऊर्जा का अधिकतम उपयोग करके परंपरागत ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम की जा सकती है। कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण बढ़ता है, इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ना समय की आवश्यकता है।विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा के विकास की मजबूत नींव रखी गई है और अब मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इसे नई गति मिल रही है।

.रायपुर/नवप्रदेश। सौर ऊर्जा भविष्य की ऊर्जा है और छत्तीसगढ़ इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ भी सौर ऊर्जा की अपनी अपार संभावनाओं का उपयोग करते हुए ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को मजबूती दे रहा है। प्रदेश में मार्च 2027 तक 5 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ सोलर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'संवाद' कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों, वेंडर्स, बैंकिंग संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों और अन्य हितधारकों को एक मंच पर लाने वाला यह अपनी तरह का पहला बड़ा आयोजन है। अलग-अलग क्षेत्रों के अनुभव और सुझावों का यह सार्थक संवाद छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा के विस्तार को नई गति देगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ऊर्जा विकास की बुनियादी आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में पहले से ही मजबूत स्थिति में है और वर्तमान में प्रदेश में लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। राज्य में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग ?3 लाख 50 हजार करोड़ के एमओयू हुए हैं, जिनसे आने वाले समय में लगभग 30 हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना है।

स्वच्छ ऊर्जा से सुरक्षित होगा आने वाली पीढ़ियों का भविष्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सौर ऊर्जा के साथ ग्रीन एनर्जी के अधिकतम उपयोग पर विशेष जोर दे रहे हैं। सूर्य हमें प्रकृति से प्राप्त स्वच्छ, अक्षय और प्रचुर ऊर्जा स्रोत प्रदान करता है। सौर ऊर्जा का व्यापक उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इस राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने में छत्तीसगढ़ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश में आने वाले समय में 4 हजार मेगावाट ग्रीन एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

अब तक 95 हजार घरों में सोलर पैनल स्थापित

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने सामान्य परिवारों को ऊर्जा उपभोक्ता के साथ ऊर्जा उत्पादक बनने का भी अवसर दिया है। छत्तीसगढ़ में योजना को उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। प्रदेश में अब तक लगभग 95 हजार घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं और यह संख्या निरंतर बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि मार्च 2027 तक प्रदेश के 5 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सोलर उद्योगों, वेंडर्स, बैंकिंग संस्थाओं और नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग के लिए सभी हितधारकों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 किलोवाट क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार द्वारा 30 हजार और राज्य सरकार द्वारा ?15 हजार का अनुदान दिया जा रहा है। इसी प्रकार 3 किलोवाट क्षमता के संयंत्र पर लगभग ?1 लाख 8 हजार की सब्सिडी उपलब्ध है। डीएमएफ वाले क्षेत्रों में अनुदान की अंतर राशि डीएमएफ से उपलब्ध कराने का भी प्रावधान किया गया है। इससे अधिक से अधिक परिवारों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान होगा।

प्रदेश में अपराधी बेलगाम, कानून व्यवस्था पूरी तरह बदहाल : दीपक

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया है कि प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था अब असहनीय हो गई है। अपराधी बेलगाम हो गए हैं और कानून व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। राजधानी में महिला को रास्ते में रोक कर हत्या कर दी गई उसके बाद उसके शव के साथ दुष्कर्म हो गया। कुछ दिन पहले एक महिला के साथ एक दिन में दो बार गैंग रैप हो गया। राजनांदगांव के चिखली में एक व्यक्ति की घर में घुस कर हत्या हो गई।

रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है। प्रदेश में हर दिन 6 हत्या, 8 बलात्कार की घटना हो रही है। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को फोटोसेशन से फुर्सत नहीं है। आम आदमी की सुरक्षा की किसी को चिंता नहीं सक्ती में एक युवती को उसके घर में घुसकर गोली मार दी गयी थी। उसके पहले कोरिया के सोनहत में चार व्यक्तियों को जिंदा जला दिया गया। जैजेपुर में दो भाइयों को घर में घुसकर गोली मार दी गई। पेण्ड्रा के कोटमी बाजार में सराफा कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रदेश में कोई जिला नहीं जहां पर रोज हत्या, लूट, बलात्कार, चाकूबाजी की घटना नहीं हो रही है। राजधानी रायपुर के ही गंज थाना क्षेत्र में सरेआम चाकूबाजी हुई, एक युवक की हत्या हो गई, उनसे जेवरात लूट लिए गए। बिन्द्रानवागढ़ के देवभोग में महिला समेत परिवार के चार सदस्यों पर धारदार ब्लेड से हमला कर दिया, महिला की गर्दन पकड़ कर ब्लेड चला दिया गया जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई, मौके पर मौजूद उनके दोनों बेटे और पति गंभीर रूप से घायल हो गये थे। यह घटनाएं डरावनी है, सरकार कब मानेगी की कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गयी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद 1 दर्जन से अधिक लोगों की गोली मारकर हत्या हुई। अकेले राजधानी में 8 गोली कांड हुआ, बिलासपुर, कोटमी-पेंड्रा गौरेला, दुर्ग में, राजधानी रायपुर में, मस्तुरी, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कवर्धा में लोगों को सरेआम गोली मारकर हत्या हुई। राजधानी के हीरापुर में सरेआम बम से हमला होता है। राजधानी के बिरगांव में बम बनाया जा रहा था। पुलिस और सरकार अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रहे।

बृजमोहन की अनुशंसा पर 23 मरीजों के इलाज के लिए 69 लाख स्वीकृत

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मिली मदद, सांसद ने पीएम मोदी का जताया आभार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एक बार फिर अपने क्षेत्रवासियों के लिए संकटमोचक और सच्चे जीवन रक्षक साबित हुए हैं। श्री अग्रवाल के व्यक्तिगत प्रयासों और अनुशंसा पर प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 23 गंभीर एवं असाध्य बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के इलाज के लिए कुल 69 लाख की आर्थिक मदद स्वीकृत की गई है। इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा विधिवत पत्र जारी कर जानकारी दी गई है।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट, रीनल (किडनी) ट्रांसप्लांट, हार्ट सर्जरी, कैंसर और थैलेसीमिया मेजर जैसी जानलेवा बीमारियों का इलाज साधारण और मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक क्षमता से कोसों दूर होता है। ऐसे कठिन समय में जब पीड़ित परिवारों के सामने जीवन और मृत्यु का संकट खड़ा था, तब सांसद श्री अग्रवाल ने आगे बढ़कर इन परिवारों का हाथ थामा। श्री अग्रवाल ने प्रत्येक पीड़ित परिवार के आवेदन को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ लेते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को त्वरित अनुशंसा भेजी और लगातार फॉलोअप कर प्रत्येक पात्र मरीज के उपचार हेतु 3 लाख की सहायता राशि स्वीकृत करवाई।

देश के शीर्ष अस्पतालों में चल रहा इलाज

स्वीकृत की गई यह सहायता राशि सीधे उन प्रतिष्ठित अस्पतालों को प्रेषित की गई है जहाँ मरीजों का जीवनरक्षक उपचार चल रहा है। इनमें प्रमुख रूप से इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली,नारायण हृदयालय / हेल्थ सिटी, बेंगलुरु ,अपोलो हॉस्पिटल, जुबली हिल्स, हैदराबाद शामिल है।सांसद श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, 'रायपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता मेरा अपना परिवार है। जब परिवार का कोई सदस्य गंभीर बीमारी और आर्थिक तंगी के दोहरे संकट से जूझता है, तो उसकी पीड़ा मुझे व्यक्तिगत रूप से व्यथित करती है।

राहत : सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सबसे अधिक तो कांकेर-सुकमा में थमी बारिश की रफ्तार, खेती-किसानी के कामों में तेजी

छत्तीसगढ़ में मानसून का जलवाः औसतन 783 मिलीमीटर बारिश दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इस वर्ष मानसून की चाल खेती-किसानी और जल स्रोतों के लिहाज से बेहद राहत जनक बनी हुई है। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 23 अगस्त 2026 तक की बारिश रिपोर्ट के मुताबिक 1 जून से अब तक प्रदेश भर में औसतन 783.0 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो कि इस अवधि की 10 वर्षों की औसत बारिश (791.1 मिमी) का लगभग 99 प्रतिशत है। चालू मानसून सत्र में आज प्रदेश का औसत दैनिक वर्षा का आंकड़ा 15.6 मिमी रिकॉर्ड किया गया।

प्रदेश में बारिश का वितरण क्षेत्रवार काफी विविध रहा है। मैदानी और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में जहां बादल खुलकर बरसे हैं, वहीं बस्तर संभाग और सरगुजा के कुछ इलाकों में बारिश की रफ्तार अब भी औसत से पीछे चल रही है। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो राज्य में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला 168.3 फीसदी (1019.9 मिमी) बारिश के साथ पहले पायदान पर है, जबकि बलरामपुर 150.6 फीसदी (1028.1 मिमी) और महासमुंद 133.2 फीसदी (943.3 मिमी) के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।दूसरी ओर, दक्षिण छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में अब तक सामान्य की तुलना में सबसे कम 64.7 प्रतिशत (662.0 मिमी) बारिश हुई है। इसी तरह सुकमा में 65.8 फीसदी (726.0 मिमी) और बीजापुर में 67.0 फीसदी (973.8 मिमी) ही वर्षा दर्ज की गई है।

रायपुर में 819 मिलीमीटर बारिश

संभागवार जिलों की स्थिति पर नजर डालें तो मैदानी और मध्य क्षेत्र के रायपुर में 819.9 मिमी (127.7%), गरियाबंद में 918.1 मिमी (122.9%), बलौदाबाजार में 848.6 मिमी (116.5%), धमतरी में 783.5 मिमी (105.2%), बिलासपुर में 827.9 मिमी (108.7%), मुंगेली में 841.5 मिमी (120.3%), जांजगीर-चांपा में 936.3 मिमी (113.4%), सक्ती में 788.6 मिमी (107.1%), कोरबा में 852.4 मिमी (100.7%), गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 805.5 मिमी (106.3%), दुर्ग में 617.2 मिमी (105.8%), राजनांदगांव में 672.1 मिमी (101.7%) और बालोद में 831.9 मिमी (114.8%) बारिश दर्ज की जा चुकी है।

बस्तर संभाग के कई जिलों में कम वर्षा

उत्तरी छत्तीसगढ़ में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 863.3 मिमी (117.9%) और सूरजपुर में 885.2 मिमी (108.3%) बारिश हुई है। हालांकि रायगढ़ (801.7 मिमी - 96.9%), कोरिया (686.1 मिमी - 94.0%), खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (551.1 मिमी - 98.0%), कबीरधाम (538.3 मिमी - 88.9%), दंतेवाड़ा (901.3 मिमी - 86.6%), जशपुर (658.5 मिमी - 85.7%), बेमेतरा (462.0 मिमी - 79.9%), सरगुजा (469.8 मिमी - 77.9%), कोण्डागांव (686.4 मिमी - 76.7%), बस्तर (709.7 मिमी - 70.2%) और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (640.5 मिमी - 69.3%) में बारिश की कुल मात्रा अब भी सामान्य औसत से कम बनी हुई है। नारायणपुर में जरूर 1089.3 मिमी वर्षा के साथ 111.5 प्रतिशत का आंकड़ा हासिल हुआ है। बीते 24 घंटों के भीतर बस्तर जिले में सबसे ज्यादा 59.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा बालोद में 30.0 मिमी, गरियाबंद में 29.9 मिमी, दंतेवाड़ा में 29.6 मिमी, कोण्डागांव में 29.4 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 29.3 मिमी, राजनांदगांव में 28.0 मिमी और बीजापुर में 26.8 मिमी पानी बरसा। प्रदेश में समग्र रूप से 99 फीसदी औसत बारिश हो जाने से खरीफ फसलों की स्थिति मजबूत हुई है और प्रमुख नदी-नालों तथा बांधों में जलस्तर सुरक्षित बना हुआ है।

सुविचार

बेशक आप सब कुछ खो दें लेकिन उम्मीद का दामन न छोड़ें क्योंकि उम्मीद ही आपको सब कुछ वापस दिला सकती है।

यूजीसी के खिलाफ आंदोलन का शंखनाद

आखिरकार स्वर्ण समाज के सब्र का बांध टूट ही गया। यूजीसी के खिलाफ स्वर्णों ने आंदोलन का संखनाद कर दिया है। नई दिल्ली के जंतर मंतर पर देशभर से स्वर्ण समाज के हजारों लोग जुट गये और उन्होंने यूजीसी वापस लेने की मांग करते हुए अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिस जंतर मंतर पर कॉकरोचों को एक माह तक धरना प्रदर्शन की अनुमति चांदी की थाली में सोने का बर्क लगाकर और हिरे की लौंग खोसकर परोस दी गई थी। वहीं स्वर्ण समाज के लोगों को जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करने की अनुमति देने से न सिर्फ इंकार किया गया बल्कि दिल्ली पुलिस ने उनपर लाठियां बरसाई। यही नहीं बल्कि रेल और सड़क मार्ग से दिल्ली पहुंचने वाले स्वर्ण समाज के लोगों को दिल्ली में घुसने से भी रोका गया। इन तमाम बंदिशों के बावजूद हजारों लोगों ने जब सड़क पर ही प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। तब उन्हें जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति दी गई। इसके बाद वहां जुटे हजारों प्रदर्शनकारियों के लिए पानी की व्यवस्था भी नहीं करने दी गई। दिल्ली प्रशासन और सरकार के इस सौतेले व्यवहार के बावजूद स्वर्ण समाज के लोगों ने शांतिपूर्ण और मर्यादित आंदोलन छेड़ दिया है। वहां कोई देश विरोधी नारे नहीं लग रहे हैं न ही नाच गाना हो रहा है। वे सिर्फ एक सूत्रिय मांग पर जोर दे रहे हैं कि सरकार यूजीसी को वापस लें। क्योंकि इसके लागू होने से स्वर्ण और पिछड़े वर्ग के छात्र छात्राओं के साथ अन्याय हो सकता है। गौरतलब है कि पूर्व शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के कार्यकाल में यूजीसी लागू किया गया था उस समय भी स्वर्ण समाज में इसका प्रखर विरोध किया था और उसी समय से यूजीसी के खिलाफ सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार अभियान चलाया गया जिसकी परिणीनीति पर जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन की संवाद के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि यूजीसी के खिलाफ स्वर्ण समाज के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का धरवाजा भी खटखटाया था और सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यूजीसी लागू करने पर रोक लगा रखी है। किन्तु केन्द्र सरकार ने अभी तक स्वर्ण और पिछड़े वर्ग के हितों पर कुठारघाट करने वाले इस काले कानून को वापस नहीं दिया है। नतीजतन अब स्वर्ण समाज एकजुट होकर इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन करने पर बाध्य हो गया है। यहां पर यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि स्वर्ण समाज और पिछड़ा वर्ग भाजपा का परंपरागत वोटर माना जाता है। यदि यह समाज सरकार के इस निर्णय से नाराज होकर खिलाफत में उतर आया है तो इसका भाजपा को चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि यह आंदोलन लंबा चले और आरक्षण हटाओं आंदोलन के रूप में तब्दिल हो इसके पहले ही सरकार को यूजीसी वापस लेने पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए।

मिलावटखोरी रोकने कड़े कदम जरूरी

छत्तीसगढ़ में नकली पनीर की बिक्री पर रोक लगने के बावजूद जहं तहां नकली पनीर बरामद हो रहे हैं। जाहिर है मिलावटखोरों को सरकार द्वारा लगाये गये प्रतिबंध की कोई परवाह नहीं है। इसी तरह नकली खोवे का कारोबार भी लगातार फल फूल रहा है। छत्तीसगढ़ में हरेली पर्व के साथ ही त्यौहारी सीजन शुरू हो गया है और सामने रक्षाबंधन का पर्व है और इस दौरान मिठाईयों की मांग बढ़ जाती है और ऐसे में मिलावटी मिठाईयों का कारोबार भी धडल्ले से बढ़ता है। ऐसे नकली पनीर और मिलावटी मिठाइयां स्वास्थ के लिए बेहद घातक होती हैं। यह सीधे सीधे जनस्वास्थ के साथ खिलवाड़ है। इसलिए शासन प्रशासन को मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। सिर्फ गिने चुने प्रतिष्ठानों में छापामार कार्यवाही कर मिलावटी मिठाइयों को नष्ट करने से बात नहीं बनेगी। मिलावट खोरों के खिलाफ लगातार ऐसा अभियान जारी रखना होगा और जनस्वास्थ के साथ खिलवाड़ करने वाले मिलावट खोरों के साथ कड़ी कार्यवाही का प्रावधान करना पड़ेगा। तभी मिलावट खोरो के गोरख धंधे पर प्रभावी रूप से लगाम लग पाएगी। हाल ही में छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में खाद्य एवं नागरिक विभाग के अधिकारियों ने कुछ प्रतिष्ठानों पर छापामारा है और मिलावटी मिठाइयां बरामद की है किन्तु आज बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थ तथा खाद्य तेल भी डंके की चोट पर बेचे जा रहे हैं। मिलावट करने वाले तथा नकली खाद्य पदार्थ बेचने वालों का एक पुरा गिरोह प्रदेश में सक्रिय है और यह हो नहीं सकता कि खाद्य विभाग को इसकी जानकारी न हो जाहिर है उनके संरक्षण या मिलीभगत से ही यह कालाकारोबार बेखौफ चल रहा है। सिर्फ त्यौहारी सीजन में छिटपूट कार्यवाही करके संबंधित विभाग सिर्फ खानापूर्ति करके अपने कत्वर्य की इतिश्री कर लेता है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह मिलावटखोरी रोकने के लिए युद्ध स्तर पर लगातार ऐसे अभियान चलाये ताकि लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ बंद हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि शासन प्रशासन जनस्वास्थ से जुड़े इस मुद्दे पर गंभीरतापूर्वक विचार करके जल्द ही कारगर कदम उठाएगा।

संसद में सांसदों की संख्या के साथ चुनाव सुधार का सवाल

आलोक मेहता

अब इस बात के पूरे आसार दिख रहे हैं कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संसद में महिलाओं के 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व और सदस्य संख्या लगभग 816 से अधिक रखने के संवैधानिक प्रावधान वाले विधेयक आने वाले किसी भी सत्र में पारित करवा लेंगे। कांग्रेस और उसके सहयोगियों के विरोध के बावजूद क्षेत्रीय दलों सांसदों का समर्थन मिलना तय है। लेकिन क्या इससे अधिकाधिक योग्य समाज से जुड़ी ईमानदार महिलाएं और स्वच्छ छवि तथा गंभीर आपराधिक आरोपों से मुक्त सदस्य चुनावों के बल पर संसद में आ सकेंगें ? इस तरह का एक सवाल राजनीति में सक्रिय एक सुसंस्कृत परिवार की शिक्षित प्रवक्ता ने पिछले दिनों एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान मुझसे किया। सचमुच तत्काल इसका उत्तर मेरे पास नहीं है। इसलिए मैंने अपने इस बार अपने कालम में इस मुद्दे से जुड़ी बातें रखना उचित समझा।

यदि संसद लोकसभा की सीटों का परिसीमन करके संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करती है और महिलाओं के लिए लगभग 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करती है, तो भारतीय लोकतंत्र की चुनावी तस्वीर काफी बदल जाएगी। 816 सीटों के मॉडल में लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इसका मतलब है कि नई लोकसभा में कम-से-कम 273 महिलाएँ आरक्षित सीटों के माध्यम से पहुँचेंगी। नई व्यवस्था में लोकसभा का बहुमत भी बदल जाएगा। 543 सदस्यीय वर्तमान लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 272 है, जबकि 816 सदस्य होने पर बहुमत के लिए 409 सांसदों का समर्थन आवश्यक होगा।परिसीमन का दूसरा बड़ा असर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आरक्षित सीटों पर पड़ेगा। अभी लोकसभा में 84 सीटें अनुसूचित जाति और 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। नई जनसंख्या-आधारित परिसीमन व्यवस्था में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति लगभग 126 से 136 और करीब 70 तक पहुँचने का अनुमान है। अंतिम संख्या परिसीमन आयोग ही तय करेगा।

महिला आरक्षण का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आरक्षित सीटों में भी लगभग एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। करीब 45 करीब 23 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। इस प्रकार 273 महिला आरक्षित सीटों में अनुसूचित जाति जनजाति महिलाओं का भी संवैधानिक प्रतिनिधित्व रहेगा।परिसीमन का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रभाव राज्यों के बीच लोकसभा सीटों के पुनर्वितरण पर पड़ेगा। आबादी के आधार पर सीटें बढ़ने से उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे बड़े और अपेक्षाकृत अधिक जनसंख्या वाले राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। उदाहरण के तौर पर प्रस्तावित मॉडल में उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर लगभग 120 और बिहार की 40 से लगभग 60 हो सकती हैं। महाराष्ट्र लगभग 72, पश्चिम बंगाल 63, तमिलनाडु 59, मध्य प्रदेश लगभग 44 और कर्नाटक लगभग 42 सीटों तक जा सकते हैं। ये अभी संभावित आंकड़े हैं, अंतिम परिसीमन में बदलाव संभव है।वास्तविक संख्या अंतिम रुप से सरकार द्वारा रखे गए प्रस्ताव और परिसीमन आयोग की संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही तय होगी।

दक्षिण भारत की चिंता भी महत्वपूर्ण है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। उनका तर्क है कि यदि केवल वर्तमान आबादी को आधार बनाकर सीटें बाँटी गईं तो जिन राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित की, उनका लोकसभा में सापेक्ष राजनीतिक वजन घट सकता है। दूसरी ओर 816 सीटों का प्रस्तावित मॉडल इस नुकसान को कम करने के लिए कुल सीटों को ही काफी बढ़ाने का रास्ता अपनाता है।इसलिए 816 सीटों का मॉडल केवल महिला आरक्षण का मामला नहीं, बल्कि भारत के संघीय राजनीतिक संतुलन का भी बड़ा प्रश्न है। एक तरफ उत्तर भारत के बड़े राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, दूसरी तरफदक्षिणी राज्यों को भी मौजूदा सीटों की तुलना में अधिक सीटें मिलेंगी। अंतिम संख्या संसद के कानून और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया से तय होगी।

इसी तरह चुनाव लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन चुनावी राजनीति के सामने दो गंभीर चुनौतियाँ लगातार बनी हुई हैं–राजनीति का अपराधीकरण और चुनाव में बढ़ता धनबल। पिछले कई दशकों में निर्वाचन आयोग, सुप्रीम कोर्ट, विधि आयोग और विभिन्न सरकारी समितियों ने इन समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए अनेक सुझाव दिए हैं। कुछ सुझाव कानून बने, कुछ पर न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसले दिए और कई आज भी संसद तथा सरकार के सामने लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसी महीने एक फैसले में कुछ महत्वपूर्ण अनिवार्य कही जा सकने वाली सिफारिशें भी की हैं।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि केवल आरोप लगने से किसी व्यक्ति को चुनाव लड़ने से रोकने की व्यवस्था नहीं है। मौजूदा कानून में मुख्यतः दोषसिद्धि के बाद अयोग्यता होती है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को मतदाताओं के सामने अनिवार्य रूप से रखने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी गंभीर आपराधिक मामलों में आरोप तय हो चुके उम्मीदवारों को चुनाव से बाहर रखने का प्रस्ताव दिया है। लेकिन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए संसद को कानून बनाना होगा। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण कदम उठाया था 7इसके बाद किसी सांसद या विधायक को ऐसे अपराध में दोषी ठहराया जाता है जिसमें कानून के अनुसार दो वर्ष या उससे अधिक की सजा होती है, तो दोषसिद्धि के प्रभाव से सदस्यता समाप्त हो सकती है।

इंटरनेट का विस्फोट? अब मासूम कहां रहा बचपन, खंडित सामाजिक रिश्ते

संजीव ठाकुर

इंटरनेट और सोशल मीडिया आधुनिक सभ्यता की ऐसी उपलब्धियाँ हैं, जिन्होंने मनुष्य के जीवन को अभूतपूर्व गति, सुविधा और संचार की शक्ति प्रदान की है। ज्ञान, शिक्षा, सूचना, मनोरंजन और संवाद के असंख्य साधन आज हमारी उँगलियों पर उपलब्ध हैं। संसार की दूरियाँ सिमट गई हैं और दुनिया मानो एक छोटे-से गाँव में बदल गई है। लेकिन हर सुविधा का एक दूसरा पक्ष भी होता है। इंटरनेट और सोशल मीडिया का अनियंत्रित तथा असंतुलित उपयोग आज बच्चों के बचपन, पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक संवेदनाओं के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है।

आज तीन-चार वर्ष का मासूम बच्चा भी मोबाइल चलाना जानता है। माता-पिता अपनी व्यस्त दिनचर्या में बच्चे को शांत कराने के लिए मोबाइल उसके हाथ में थमा देते हैं। शुरुआत में यह सुविधा लगती है, लेकिन धीरे-धीरे मोबाइल बच्चे का सबसे प्रिय साथी बन जाता है। वह माता-पिता की गोद से अधिक मोबाइल की स्क्रीन में सुरक्षा और मनोरंजन तलाशने लगता है। बाहर खेलने, मिट्टी में उतरने, दोस्तों के साथ दौड़ने या प्रकृति को देखने की अपेक्षा उसे कार्टून, वीडियो और ऑनलाइन गेम अधिक आकर्षित करने लगते हैं। यहीं से बचपन के बदलने की कहानी शुरू होती है।

एक समय था जब बच्चों की पहचान उनकी खिलखिलाती हँसी, मिट्टी से सने कपड़ों, मैदानों की दौड़, पेड़ों पर चढ़ने की जिद और दोस्तों के साथ खेली जाने वाली गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी से होती थी। शाम होते ही गलियाँ बच्चों की चहचहाहट से भर जाती थीं। घरों के आँगन में कैरम, लूडो और शतरंज की बिसात सजती थी। हारने वाला रूठता था और जीतने वाला मुस्कुराता था, लेकिन थोड़ी देर बाद दोनों फिर दोस्त बन जाते थे।

आज अनेक शहरों और कस्बों की गलियाँ अपेक्षाकृत शांत हैं और बच्चों की दुनिया मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन में सिमटती जा रही है।

खेल के मैदान से स्क्रीन तक : खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं थे। वे जीवन जीने की पहली पाठशाला थे। कबड्डी बच्चों को साहस और सामूहिकता सिखाती थी, खो-खो सहयोग और अनुशासन सिखाता था, क्रिकेट धैर्य और रणनीति का अभ्यास कराता था। गुल्ली-डंडा और गिल्ली जैसे पारंपरिक खेल संसाधनों की कमी के बावजूद बच्चों को आनंद देना जानते थे।

आज ऑनलाइन गेमिंग ने इन खेलों की जगह काफी हद तक ले ली है। स्क्रीन पर जीतने की खुशी वास्तविक मैदान की खुशी जैसी नहीं होती। वास्तविक खेल में बच्चा धूप, हवा, मिट्टी, पसीने और मित्रता के बीच बड़ा होता है। वहाँ वह हारना सीखता है, फिर उठकर प्रयास करना सीखता है। डिजिटल खेलों में अक्सर प्रतिस्पर्धा अधिक तीव्र, आभासी और कई बार आक्रामक होती है।

बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ कम होने से मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, नींद की समस्याएँ, आँखों पर दबाव और गर्दन-पीठ से जुड़ी परेशानियों जैसी चिंताएँ बढ़ रही हैं। अत्यधिक स्क्रीन समय एकाग्रता और दिनचर्या को भी प्रभावित कर सकता है। इसलिए समस्या मोबाइल या इंटरनेट का अस्तित्व नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित उपयोग है।

मासूमियत पर आभासी दुनिया का प्रभाव : सोशल मीडिया ने बच्चों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को भी प्रभावित किया है। आभासी दुनिया में दिखाई देने वाली चमक-दमक, दिखावा, लोकप्रियता और त्वरित प्रसिद्धि बच्चों के मन में कम उम्र से ही तुलना और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा कर सकती है।

अब बच्चा यह सोचने लगा है कि उसके कितने लाइक्स हैं, कितने फॉलोअर्स हैं और उसकी तस्वीर को कितने लोगों ने पसंद किया। बचपन की सहज मुस्कान कभी-कभी कैमरे के सामने बनाई गई कृत्रिम मुस्कान में बदलने लगती है।

वह जीवन को जीने से अधिक उसे रिकॉर्ड करने लगता है।

भोजन सामने है, लेकिन पहले तस्वीर खींची जाती है। परिवार साथ बैठा है, लेकिन बातचीत के बजाय हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन पर है। घूमने गए हैं, लेकिन प्रकृति को देखने से अधिक उसे कैमरे में कैद करने की चिंता है। धीरे-धीरे अनुभव की जगह प्रदर्शन लेने लगता है।

एक छत के नीचे, फिर भी दूर : सोशल मीडिया का सबसे गंभीर प्रभाव केवल बच्चों पर नहीं, परिवार पर भी दिखाई देता है। एक ही घर में माता-पिता, बच्चे और बुजुर्ग रहते हैं, लेकिन मानसिक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं।

पहले भोजन का समय परिवार के संवाद का समय होता था। दिनभर की बातें होती थीं। दादा-दादी कहानियाँ सुनाते थे। बच्चे अपने विद्यालय और मित्रों की बातें बताते थे। माता-पिता बच्चों की भावनाओं को समझते थे।

आज भोजन की मेज पर भी मोबाइल उपस्थित है।

कभी घर में घंटी बजने पर पूरा परिवार उत्सुकता से उठता था कि कौन आया है। अब संदेश की सूचना आते ही व्यक्ति सामने बैठे व्यक्ति को छोड़कर दूर बैठे किसी आभासी व्यक्ति से जुड़ जाता है। रिश्ते समाप्त नहीं हुए हैं, लेकिन उनकी आत्मीयता का स्वरूप बदल रहा है। कभी चिट्ठी आने में कई दिन लगते थे, लेकिन उसमें भावनाएँ होती थीं। आज संदेश कुछ सेकंड में पहुँच जाता है, लेकिन कई बार उसमें वह आत्मीयता नहीं होती।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1456 - गुटेनबर्ग बाइबिल की छपाई का कार्य पूरा किया गया। 1600 - ईस्ट इंडिया कम्पनी का पहला जहाज 'हेक्टर' सूरत के तट पर पहुंचा। 1690 - जॉब चारनॉक कलकत्ता में आकर बसे। 1690- कलकत्ता शहर का स्थापना दिवस। 1914 - प्रथम विश्व युद्ध : जर्मन सेना ने नैमूर पर क़ब्ज़ा किया। 1969- वाराहगिरि वेंकट गिरि भारत के चौथे राष्ट्रपति बने 1974- फखरुद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति बने 1991 - यूक्रेन सोवियत संघ से अलग होकर स्वतंत्र देश बना। 1995 - उत्तरी अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट विन्डोज 95 की आम जनता के लिए शुरूआत। 1999 - पाकिस्तान ने कारगिल ऑपरेशन के दौरान भारत द्वारा पकड़े गये 8 युद्धबंदियों को युद्धबंदी मानने से इंकार किया। 2000 - बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मद इरशाद को 5 वर्ष की सज़ा। 2002 - संयुक्त राज्य अमेरिका के उप-विदेशमंत्री रिचर्ड आर्मिटेज ने भारत-पाकिस्तान से बातचीत शुरू करने का अनुरोध किया। 2004 - फ़िलिस्तीनियों को अहिंसा का पाठ पढ़ाने अरुण गांधी रामल्ला पहुँचे। 2006 - अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ ने प्लूटो (यम) का ग्रह का दर्जा समाप्त किया।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मतलब हद्द ही है ये तो गजब बेज्जती है भाई 40 लाख का पैकेज भी नहीं बचा पाया रिश्ता! कर्नाटक की एक लड़की ने कथित तौर पर ?40 लाख सालाना कमाने वाले लड़के को रिजेक्ट कर दिया। वजह सैलरी, नौकरी या परिवार नहीं बताया गया... मामला अटक गया उसके Instagram Bio पर, जहां Rahul Gandhi को "Role Model" लिखा था। पैकेज भारी था... लेकिन Bio में लिखा Role Model उससे भी भारी पड़ गया! - **सीमा राय**

मैंने रक्खा था जिसे प्यार से फूलों की तरह। ज़ख़्म देता है वही अब मुझे काँटों की तरह।। उसने ताउम्र मुझे घर में सजा कर रक्खा। चंद बेजान से मिट्टी के खिलौनों की तरह।। गर्दिश-ए-वक़्त ने जो ख़ूवाब मेरे तोड़ दिए। अब वो चुभते हैं मुझे काँच के टुकड़ों की तरह।। यूँ तो हम साथ ही चलते रहे ताउम्र कमल मगर। मिल न पाए कभी दरिया के किनारों की तरह।। - **कमलकांत डोंगरे**

मेरे क़िरदार को हल्का करोगे मुझे मालूम था ऐसा करोगे बदल जाएंगे सब किस्से कहानी कहानी को अगर जिंदा करोगे पता चल जाएगा खुशबू का घर भी गुलों के साथ गर बैठा करोगे कहां जी पाओगे फिर चैन से तुम किसी के साथ गर धोखा करोगे न सिर पर आसमां भी बच सकेगा सितारों से अगर झगड़ा करोगे भला क्यों ये सितारे टूटते है अभी ये जानकर तुम क्या करोगे!! - **नीरू श्रीवास्तव**

ऐसी कमरे में बैठकर भाषण देना बंद करो भाजपाइयों... तुम्हें पता है राहुल गांधी कोई नियम-कानून नहीं मानता.... संसद मार्ग पुलिस स्टेशन को घेरना... बिना अनुमति के रास्ता रोक कर धरना देना... तुमसे अच्छी तो राजस्थान की जनता है... जो अराजकता फैलाने वाले आशुतोष रांका और उनके चेलों को दौड़ा-दौड़ाकर भगा दिया.... तुम्हारे पास तो पुलिस है, फोर्स है, दिमाग का नहीं सही कम से कम सिस्टम का उपयोग तो कर लिया करो..! - **कुमार संतोष**

मैं अपने ज़रूरत की ज़रूरत हूं ... अब जीवन में और कुछ भी जरूरी नहीं कम-से-कम सफ़र में तुम्हारे साथ रहूं क्या फ़र्क़ पड़ता है मंजिल मिले ना मिल... जब तुम हम सफ़र हो तो अब तो मंजिल भी हमारे लिए जरूरी नहीं। - **कुमुद अनुन्जया**

मेरे दिल को भाए न सूरत किसी की, कहीं मार डाले न चाहत किसी की। रफ़ू क्यों करूँ अपने दिल की दरारें, मेरा चाक दिल है इनायत किसी की। मैं पत्थर सा ठहरी, मगर टूट जाऊँ, अगर छू के गुज़रे मुरव्वत किसी की। मुझे चैन आये सलासिल में रहकर, नहीं चाहिये अब ज़मानत किसी की । - **रूबी झा 'कमल'**

चाँद कहाँ से लाऊँ मैं दिल को क्या समझाऊँ मैं टूटे सभी खिलौने हैं माँ को क्या बतलाऊँ मैं दिल के घाव हरे अब भी कैसे दर्द छुपाऊँ मैं नींद नहीं जब आँखों में ख़ूवाब कहाँ से लाऊँ मैं चाँद नहीं आता छत पर कैसे चाँद बुलाऊँ मैं गंगा बहे मुहब्बत की नफ़रत चलो मिटाऊँ मैं ज़ख़्मी आज सभी का दिल कैसे आज हँसाऊँ मैं 'ऐनुल' ज़ीस्त भँवर में है कैसे पार लगाऊँ मैं। - **'ऐनुल' बरौलवी**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः *आज का दिन काफी उठा पटक वाला रहेगा। व्यावसायिक योजनाओं में अचानक बदलाव करना पड़ेगा। दिन के आरंभ में कार्यो की गति धीमी रहेगी ।

वृषः आज का दिन आशाओं के विपरीत रहने वाला है। सोची हुई योजनाए आरम्भ में सफल होती नजर आएंगी परन्तु मध्यान तक इनसे निराशा ही मिलेगी। आज आप जिससे भी सहायता मांगेंगे वो भ्रम की स्थिति में रखेगा।

मिथुनः आज का दिन भी आशानुकूल रहेगा। सेहत उत्तम रहने से कार्यो को मन लगाकर करेंगे लेकिन किसी के हस्तक्षेप करने से मन विक्षिप्त हो सकता है। किसी के ऊपर ध्यान ना दें।

कर्कः आज के दिन आप सम्भल कर ही कार्य करेंगे फिर भी सफलता में संशय बना रहेगा। व्यवहारिकता की कमी के कारण जितना लाभ मिलना चाहिए उतना नही मिल सकेगा।

सिंहः आज के दिन आप बुद्धि विवेक से कार्य करेंगे परन्तु परिस्थिति हर तरह से कार्यो में बाधा डालेगी। कार्य व्यवसाय से मन ऊबने लगेगा धैर्य से कार्य करते रहें।

कन्याः आज के दिन अनैतिक कार्यो से बच कर रहें मन भ्रमित रहने के कारण निषेधात्मक कार्यो में भटकेगा। लोग आपसे भावनात्मक संबंध बनाएंगे।

तुलाः आज का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से उन्नति वाला रहेगा। धन संबंधित समस्याएं काफी हद तक सुलझने पर दिन भर प्रसन्नता रहेगी। कार्य व्यवसाय से प्रारंभिक परिश्रम के बाद दोपहर के समय से धन की आमद शुरू हो जाएगी जो संध्या तक रुक रुक कर चलती रहेगी।

वृश्चिकः आज के दिन आप किसी भी कार्य को लेकर ज्यादा भाग-दौड़ करने के पक्ष में नही रहेंगे। आसानी से जितना मिल जाये उसी में संतोष कर लेंगे।

धनुः आज के दिन मानसिक चंचलता के कारण बनते कार्यो को दुविधा के कारण आप स्वयं बिगाड़ लेंगे। सरकारी कार्य आज सावधानी से करें अन्यथा लंबित रखें हानि निश्चित रहेगी।

मकरः आपको आज के दिन प्रत्येक कार्यो में सावधान रहने की आवश्यकता है। धन के पीछे भागने की प्रवृति पर आज लगाम लगाकर रखे अन्यथा धन के साथ-साथ मान हानि भी होगी।

कुंभः आज के दिन लाभ के अवसर आपकी तलाश में रहेंगे। दिन में जिस किसी के भी संपर्क में रहेंगे उससे कुछ ना कुछ लाभ अवश्य होगा। कार्य क्षेत्र पर भी एक से अधिक साधनो से आय होगी। व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़ी महिलाओ को पदोन्नति के साथ प्रोत्साहन के रूप में आर्थिक सहायता भी मिल सकती है।

मीनः आज का दिन कार्य सफलता वाला रहेगा। प्रातः काल जल्दी कार्यो में जुटने का फल शीघ्र ही धन लाभ के रूप में मिलेगा। अधिकांश कार्य थोड़े से परिश्रम से पूर्ण हो जाएंगे।

QUIZ TIME

1. रोटी फूलने पर उसके अंदर मुख्य रूप से कौन-सी गैस/वाष्प भरती है?
2. किस देश द्वारा दुनियां का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग चुंबक बनाया गया है?
3. किस राज्य के पारंपरिक पिथौरा चित्रकला को हाल ही में जीआई टैग प्रदान किया गया है?
4. भारत में रेयर पृथ्वी तत्व के लिए एक्सप्लोरेशन लाइसेंस देने वाला देश का पहला राज्य कौन सा बना है?
5. किस राज्य में स्थित ग्लॉ झील को रामसर स्थल की सूची में शामिल किया गया है?

उत्तरमाला- (1) जल वाष्प और कार्बन डाइऑक्साइड (2) चीन (3) गुजरात (4) राजस्थान (5) अरूणाचल प्रदेश

RamaQuiz

पहेली

शब्द सामर्थ्य -138

बाएं से दाएं : [illegible]

ऊपर से नीचे : [illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 137 का हल

नक्शे के खिलाफ अतिरिक्त निर्माण पर निगम की कार्रवाई, तोड़ा अवैध हिस्सा

रायपुर/नवप्रदेश। नगर निगम जोन-7 के नगर निवेश विभाग ने वार्ड-36 तात्यापारा में स्वीकृत नक्शे के विपरीत किए गए अतिरिक्त निर्माण पर कार्रवाई करते हुए अवैध हिस्से को तोड़ दिया। निगम की टीम ने कार्रवाई से पहले निर्माणकर्ता को नोटिस जारी कर स्वीकृत नक्शे के अनुसार निर्माण करने और अतिरिक्त निर्माण हटाने के निर्देश दिए थे।

जांच में नियमों के विपरीत मिला निर्माण : नगर निगम के अनुसार तात्यापारा वार्ड-36 के मुख्य मार्ग पर जोन-7 कार्यालय के पास निर्माणकर्ता राजेंद्र सिंह परिहार द्वारा स्वीकृत नक्शे के विपरीत अतिरिक्त निर्माण किया गया था। नगर निवेश विभाग की जांच में निर्माण नियमों के अनुरूप नहीं पाया गया।

इसके बाद निगम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत निर्माणकर्ता को नोटिस जारी किया। नोटिस के माध्यम से स्वीकृत नक्शे के अनुसार निर्माण करने तथा अवैध हिस्से को हटाने के निर्देश दिए गए।

टीम ने मौके पर पहुंचकर तोड़ा अतिरिक्त निर्माण

निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और नक्शे के विपरीत किए गए अतिरिक्त निर्माण को तोड़कर हटा दिया। कार्रवाई के दौरान निगम के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

आयुक्त के निर्देश पर हुई कार्रवाई

निगम अधिकारियों के मुताबिक कार्रवाई नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर की गई। जोन-7 के नगर निवेश विभाग की टीम ने जोन कमिश्नर डॉ. तृप्ति पाणीग्रही के मार्गदर्शन में कार्रवाई को अंजाम दिया। निगम ने स्पष्ट किया कि शहर में भवन निर्माण के दौरान स्वीकृत नक्शे और निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य है। नक्शे के विपरीत किए गए अतिरिक्त निर्माण की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जशपुर में 200 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को मिला निःशुल्क फॉस्टेक प्रशिक्षण

रायपुर/नवप्रदेश। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला जशपुर द्वारा जिला पंचायत के संवाद सभागार में 200 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को निःशुल्क फॉस्टेक (खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन) प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेस्ले इंडिया एवं नासवी (नेशनल एसोसिएशन ऑफस्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया) के सहयोग से किया गया।

खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के प्रावधानों के तहत खाद्य कारोबारियों के लिए फॉस्टेक प्रशिक्षण आवश्यक है। प्रशिक्षण में चाय-नाश्ता, भोजन ठेला, टपरी, खोमचा, जलेबी-पकौड़ा-भजिया, चाट-गुपचुप, डोसा-इडली-डोसा, भुंजा-फ्लीदाना, जूस-लस्सी-शेक, फास्ट फूड, मोमोज, चाइनीज फूड तथा आइसक्रीम-फ्लूदा सहित विभिन्न खाद्य व्यवसायों से जुड़े विक्रेता शामिल हुए।

प्रशिक्षण के दौरान विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों की स्वच्छ एवं सुरक्षित तैयारी, उचित तरीके से परोसने तथा व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक स्वच्छता के निर्धारित मानकों की जानकारी दी गई। साथ ही खाद्य सुरक्षा के प्रति ग्राहकों को जागरूक करने के लिए आवश्यक सावधानियों से भी अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी 200 विक्रेताओं को फॉस्टेक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, स्ट्रीट फूड विक्रेता प्रमाण पत्र तथा हाईजीन किट निःशुल्क प्रदान की गई। हाईजीन किट में एप्रन, टोपी, हेड कवर, हाथ के दस्ताने, किचन तौलिया, हाथ धोने का साबुन और गोल्डन रूल चार्ट शामिल हैं।

पीएम आवास को लेकर भूपेश फैला रहे भ्रम, सरकार बनने के बाद 11 लाख आवास पूर्ण: डिप्टी सीएम

- प्रथम कैबिनेट में 18 लाख से अधिक पीएम आवास निर्माण का लिया गया था संकल्प

रायपुर/नवप्रदेश। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण का कार्य निरंतर गति से जारी है। संसद में छत्तीसगढ़ से सांसद बृजमोहन अग्रवाल के 5 वर्षों के प्रधानमंत्री आवास निर्माण के सवाल पर केंद्र सरकार ने फिर से हमारे दावों पर मुहर लगाने का कार्य किया है परंतु पूर्व सीएम इसमें भी आंकड़ों का भ्रम फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं उन्होंने कहा कि श्री बघेल अपने कार्यकाल में भ्रम फैलाने की जगह अगर कार्य करते तो गरीबों को अपने आवासों से वंचित नहीं होना पड़ता। अब भी यदि श्री बघेल चर्चा से भागना छोड़ किसी भी मंच पर आकर प्रधानमंत्री आवास के संबंध में बात करना चाहते हैं तो हम तैयार हैं।

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने रविवार को अपने निवास में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि नई सरकार के गठन के बाद से अब तक 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के मकान पूर्ण किए जा चुके हैं। राज्य सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ लगातार कार्य कर रहे हैं।

2011 और 2018 की पात्रता सूची के सभी पात्र आवास मंजूर

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2011 एवं 2018 की पात्रता सूची के अंतर्गत पात्र पाए गए सभी आवासों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। कुल स्वीकृत आवासों में से अब तक 20 लाख 40 हजार मकानों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वहीं, वर्तमान में लगभग 4 लाख आवासों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आवास स्वीकृत करना नहीं, बल्कि पात्र परिवारों को शीघ्रता से उनके पक्के मकान का लाभ दिलाना है। इसी उद्देश्य से निर्माणाधीन आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के लिए विभागीय स्तर पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

पुराने वित्तीय वर्षों के आवास भी वर्तमान सरकार में हुए पूर्णः उप मुख्यमंत्री

श्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पूर्ण किए गए 11 लाख से अधिक आवासों में पिछले वित्तीय वर्षों में स्वीकृत आवास भी शामिल हैं। पुराने समय में स्वीकृत ऐसे आवास, जो विभिन्न कारणों से लंबित थे, उन्हें भी आवश्यक राशि उपलब्ध कराकर वर्तमान सरकार द्वारा पूर्ण कराया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पुराने लंबित आवासों को भी प्राथमिकता देते हुए हितग्राहियों को आवास का लाभ दिलाने का कार्य किया है। इस प्रकार पिछले ढाई वर्षों के अल्प समय में पुराने एवं नए वित्तीय वर्षों के आवासों को मिलाकर 11 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं।

छग पर्यटन बोर्ड ने बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े से किया सावधान

- पर्यटन बोर्ड की पर्यटकों से अपील-फर्जी वेबसाइट, बुकिंग लिंक, मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया से रहें सतर्क

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और पर्यटन सुविधाओं की बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े की शिकायतों को देखते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। बोर्ड को ऐसी अनधिकृत वेबसाइटों और माध्यमों की जानकारी मिली है, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम पर फर्जी बुकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रहे हैं। ऐसे माध्यमों के जरिए पर्यटकों से ऑनलाइन भुगतान कराकर ठगी किए जाने की आशंका है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पर्यटक पर्यटन स्थलों, आवासीय सुविधाओं तथा अन्य पर्यटन सेवाओं की बुकिंग के लिए केवल छत्तीसगढ़ पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट tourism.cgstate.gov.in का ही उपयोग करें। किसी अन्य वेबसाइट, अनधिकृत बुकिंग लिंक, संदिग्ध मोबाइल नंबर, विज्ञापन अथवा सोशल मीडिया के ऐसे पेज पर भरोसा नहीं करें, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन की बुकिंग उपलब्ध कराने का दावा करते हों।

बोर्ड के अनुसार, साइबर ठगी करने वाले तत्व छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम, प्रतीक चिन्ह, पर्यटन स्थलों की तस्वीरों और अन्य प्रचार सामग्री का दुरुपयोग कर पर्यटकों को भ्रमित कर सकते हैं।

सियाराम गैस एजेंसी पर खाद्य विभाग का छापा, 471 सिलेंडर जब्त

- स्टॉक बोर्ड और रेट लिस्ट भी नहीं मिली

रायपुर/गौरेला-पेंड्रा-मरवाही/नवप्रदेश। गौरेला की सियाराम गैस एजेंसी में लंबे समय से भंडारण और वितरण में अनियमितता की शिकायतों के बाद खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर पालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे की शिकायत के बाद विभाग की टीम ने अचानक एजेंसी की जांच की। कार्रवाई के दौरान कुल 471 गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

433 घरेलू और 38 व्यावसायिक सिलेंडर जब्त

खाद्य विभाग के अनुसार कार्रवाई द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश, 2000 के तहत की गई। जांच के दौरान 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले 433 घरेलू गैस सिलेंडर मिले। इनमें 346 भरे हुए और करीब 87 खाली सिलेंडर शामिल हैं।

इसके अलावा 19-19 किलोग्राम क्षमता वाले 38 व्यावसायिक सिलेंडर भी जब्त किए गए। विभाग ने सिलेंडरों के भंडारण और वितरण से संबंधित नियमों में अनियमितता पाए जाने पर यह कार्रवाई की है।

स्टॉक बोर्ड और रेट लिस्ट भी नहीं मिली

जांच के दौरान एजेंसी में कई अन्य कमियां भी सामने आईं। अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी परिसर में मुख्य रूप से स्टॉक बोर्ड नहीं लगाया गया था। उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए रेट लिस्ट भी प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित नहीं की गई थी। इसके अलावा गैस सिलेंडरों की आवक-जावक का रिकॉर्ड भी निर्धारित तरीके से दर्ज नहीं किया जा रहा था। अचानक हुई विभागीय कार्रवाई से गैस एजेंसी में हड़कंप मच गया। विभाग ने जब्त सिलेंडरों और सामने आई अनियमितताओं के संबंध में आगे की नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहले भी लग चुका है जुर्माना

विभाग के अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी के खिलाफ पहले भी अनियमितताओं की शिकायतें मिलती रही हैं। पूर्व में जांच के दौरान गड़बड़ी पाए जाने पर एजेंसी पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया जा चुका है। इसके बावजूद शिकायतें मिलने के बाद विभाग ने दोबारा जांच की।

महतारी वंदन योजना से उर्मिला यादव के परिवार को मिला आर्थिक सहारा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना परिवारों के लिए मजबूत आर्थिक सहारे का माध्यम बन रही है। योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी घरेलू जरूरतों के साथ बच्चों के पोषण, शिक्षा और बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए भी आर्थिक प्रबंधन कर रही हैं।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम जमगवां की श्रीमती उर्मिला यादव महतारी वंदन योजना से लाभान्वित होकर इस आर्थिक संबल का उपयोग अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। उर्मिला यादव बताती हैं कि योजना के तहत उनके बैंक खाते में प्रतिमाह राशि प्राप्त होती है। इस राशि से वे बच्चों के खान-पान और परिवार की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग लेती हैं। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से घरेलू खर्चों को व्यवस्थित करने में उन्हें काफी सहूलियत मिली है।

'राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ - विष्णु भैया संग विकास की बात'

- कम लागत में राखियां बनाकर आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहीं बिहान की महिलाएं

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं समूह के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों को अपनाते हुए आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत किशुन नगर की जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी बिहान से मिले इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। समूह की महिलाएं मौसम और त्योहारों के अनुरूप सीजनल गतिविधियों का चयन कर अपनी आय के नए अवसर तैयार कर रही हैं।

रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए इन दिनों समूह की महिलाएं घर में उपलब्ध सामग्री और स्थानीय संसाधनों से आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। चावल, गेहूं, मक्का और कोहड़े के बीज सहित अन्य सामग्री को रंगकर और सजाकर सुंदर राखियां बनाई जा रही हैं। वहीं रेशमी धागे, ऊन और अन्य सजावटी सामग्री आवश्यकतानुसार बाजार से खरीदी जाती है। इससे राखियों की उत्पादन लागत कम रहती है और महिलाओं को बेहतर आय अर्जित करने का अवसर मिलता है।

12 महिलाओं ने मिलकर संवारी आजीविका

समूह की सदस्य सुश्री सोनाली सिंह ने बताया कि जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह में कुल 12 महिलाएं हैं। सभी सदस्य मिलकर अलग-अलग मौसम और त्योहारों के अनुरूप आजीविका गतिविधियों का संचालन करती हैं। वर्तमान में राखी निर्माण का कार्य किया जा रहा है। तैयार राखियों को विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाकर तथा घर से भी बेचा जा रहा है।

77 घंटे बाद ब्लू वाटर खदान से मिला आदिल का शव

रायपुर/नवप्रदेश। नकटी गांव स्थित ब्लू वाटर खदान में डूबे आदिल का शव करीब 77 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। पिछले तीन दिनों से एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार युवक की तलाश में जुटी थीं। शनिवार देर रात आदिल का शव पानी की सतह पर दिखाई दिया, जिसके बाद उसे बरामद कर लिया गया।

पानी की सतह पर मिला शव : आदिल की तलाश के लिए प्रशासन ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को लगाया था। लगातार तीन दिनों तक अभियान चलाने के बाद भी जब सफलता नहीं मिली तो प्रशासन ने भारतीय नौसेना से भी मदद मांगी थी। भारतीय नौसेना की ईस्टर्न कमांड की विशेष टीम के रविवार को रायपुर पहुंचने की तैयारी थी। इससे पहले ही आदिल का शव पानी की सतह पर आ गया। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिवार को पिछले तीन दिनों से आदिल के मिलने की उम्मीद थी, लेकिन शव मिलने से इलाके में मातम का माहौल है।

दोस्तों के साथ तैरने के दौरान हुआ हादसा : जानकारी के मुताबिक 19 अगस्त की शाम आदिल अपने तीन दोस्तों के साथ ब्लू वाटर खदान घूमने गया था। इसी दौरान दोस्तों के बीच पानी के एक छोर से दूसरे छोर तक तैरकर जाने की शर्त लगी। आदिल और उसका एक दोस्त पानी में उतर गए। तैरते हुए आदिल पानी के गहरे हिस्से में चला गया और अचानक डूब गया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था। इसके बाद से ही उसकी तलाश की जा रही थी।

पहले भी हो चुके हैं हादसे : ब्लू वाटर खदान में इस तरह का हादसा पहली बार नहीं हुआ है। यहां पहले भी कई लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले करीब नौ वर्षों में 10 लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने ब्लू वाटर क्षेत्र को प्रतिबंधित करने और खदान के चारों ओर सुरक्षा के लिए फेंसिंग कराने की जानकारी दी है। प्रशासन अब क्षेत्र में लोगों की आवाजाही रोकने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में कार्रवाई कर रहा है।

जिला प्रशासन कोरिया की अभिनव पहल : विजनरी-15' से विद्यार्थियों को मिली नई दिशा

रायपुर/नवप्रदेश। कोरिया जिले के आकांक्षी विकासखण्ड बैकुंठपुर के स्वामी आत्मानंद विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए रविवार का दिन यादगार बन गया। जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'विजनरी-15 : जहां सपने मिलते हैं नेतृत्व से' के दूसरे सत्र में विद्यार्थियों को प्रशासन के साथ सीधे संवाद, अपने सपनों को साझा करने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। 'विजनरी-15' की अवधारणा पर आयोजित इस विशेष संवाद में विद्यार्थियों ने अपने लक्ष्य, रुचियों और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा की। जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि बड़े सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और समय प्रबंधन आवश्यक है। 'उठो, पढ़ो और बढ़ो' के मंत्र के साथ बच्चों को हर गलती से सीखते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की सबसे खास बात आत्मीय और पारिवारिक वातावरण रहा। बच्चों ने झूला झूला, वॉलीबाल और शतरंज खेला तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने फूल लगाए तो विद्यार्थियों ने बांस से सुंदर फूल बनाकर स्थानीय कला और हुनर की झलक प्रस्तुत की। बच्चों ने कविता और पेंटिंग भी भेंट की। विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने पर बच्चों ने अपने विचार रखे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी।

विद्यार्थियों के साथ भोजन और अनौपचारिक बातचीत ने इस आयोजन को और खास बना दिया। जिला प्रशासन की यह पहल बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। 'सशक्त युवा, समृद्ध कोरिया' के संकल्प को साकार करने वाली यह पहल विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान दे रही है।

बिहान से जुड़कर शुरू किया कुम्हारी का कारोबार, दीये-मटके और गमले बनाकर हर माह कमा रहीं 8 से 9 हजार रुपये

आत्मनिर्भरता की कहानी, लखपति दीदी बनने तक सावित्री का सफर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। बचत, ऋण, कौशल विकास और स्वरोजगार से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं अपने पारंपरिक हुनर को आय के साधन में बदल रही हैं। रायगढ़ जिले की ग्राम पंचायत सियारपाली की श्रीमती सावित्री राणा की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

गृहणी से बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी: बिहान योजना से जुड़ने से पहले सावित्री राणा एक सामान्य गृहणी थीं। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनके पास अपनी आय का कोई स्वतंत्र साधन नहीं था। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत शुरू की और समूह के माध्यम से मिले वित्तीय सहयोग तथा बैंक ऋण का उपयोग अपनी आजीविका शुरू करने में किया। सावित्री ने अपने पारंपरिक हुनर को पहचानते हुए मिट्टी के दीये, मटके, गमले, गुल्लक सहित विभिन्न उपयोगी एवं सजावटी वस्तुओं का निर्माण शुरू किया। मेहनत और लगन से उन्होंने कुम्हारी के पारंपरिक कार्य को व्यवस्थित व्यवसाय का रूप दिया। आज उनकी मासिक आय लगभग 8 से 9 हजार रुपये तक पहुंच गई है और वे परिवार की आर्थिक जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

समूह का सहारा, ऋण से मजबूत हुआ कारोबार

सावित्री राणा कृष्णा स्वयं सहायता समूह और जागृति ग्राम संगठन से जुड़ी हैं। बिहान योजना के माध्यम से उन्हें नियमित बचत के साथ आंतरिक वित्तीय सहयोग और ऋण की सुविधा मिली। आजीविका गतिविधि शुरू करने के लिए उन्होंने आरएफ से 4 हजार रुपये और सीआईएफ से 8 हजार रुपये का सहयोग प्राप्त किया।

इसके बाद उन्होंने बैंक से पहली बार 30 हजार रुपये और दूसरी बार 20 हजार रुपये का ऋण लेकर अपने कुम्हारी व्यवसाय को विस्तार दिया। वर्तमान में उन्होंने बैंक से 1 लाख रुपये का ऋण लिया है, जिसमें से अब केवल 30 हजार रुपये की राशि शेष है। अपने व्यवसाय से प्राप्त आय के माध्यम से वे ऋण की नियमित रूप से अदायगी भी कर रही हैं।

मिट्टी से गढ़ रहीं खुशहाली: सावित्री बताती हैं कि कुम्हारी का काम अब उनके लिए केवल पारंपरिक व्यवसाय नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का माध्यम बन गया है। वे मांग और मौसम के अनुसार अलग-अलग उत्पाद तैयार करती हैं। त्योहारों के समय दीयों की मांग बढ़ने पर वे अधिक संख्या में दीये तैयार करती हैं, वहीं सामान्य दिनों में मटके, गमले, गुल्लक और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं का निर्माण करती हैं। तैयार उत्पादों की बिक्री से होने वाली आय परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग देती है। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनमें आर्थिक निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। जो सावित्री पहले परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं, आज वही अपने हुनर के बल पर परिवार की आय बढ़ाने में सहभागी बन चुकी हैं।

जैविक खेती के नाम पर धमतरी जिले में बड़ा खेल? निष्पक्ष जांच हुई तो खुल सकते हैं करोड़ों के राज

बेलरगांव में 30 टन संदिग्ध खाद जब्ती के बाद पूरे जिले में मचा हड़कंप, कृषि केंद्रों और गोदामों की व्यापक जांच की मांग

नगरी/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार आह्वान कर रहे हैं। किसानों को रसायन मुक्त खेती की ओर प्रेरित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं। लेकिन धमतरी जिले में सामने आए संदिग्ध खाद भंडारण और गुणवत्ता संबंधी मामलों ने जैविक खेती की पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बेलरगांव क्षेत्र में कृषि विभाग द्वारा की गई कार्रवाई और लगभग 30 टन खाद की जब्ती के बाद अब यह मामला केवल एक गांव या एक व्यापारी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पूरे धमतरी जिले में जैविक खाद और कृषि आदानों की गुणवत्ता को लेकर बहस छिड़ गई है। कृषि विभाग की प्रारंभिक जांच के दौरान कुछ खाद बोरियों में बैच नंबर, एमआरपी और अन्य अनिवार्य विवरण अंकित नहीं पाए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि पूरे जिले में निष्पक्ष और व्यापक जांच कराई जाए तो जैविक खाद के नाम पर चल रहे बड़े कारोबार और संभावित अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है।

किसानों की मेहनत और भविष्य दोनों खतरे में

धमतरी जिला कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहां हजारों किसान जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में यदि किसानों को जैविक खाद के नाम पर निम्न गुणवत्ता या मानकविहीन सामग्री बेची जाती है तो इसका सीधा असर उत्पादन, मिट्टी की उर्वरता और किसानों की आय पर पड़ेगा। किसान अपनी मेहनत की कमाई लगाकर खेती करता है, लेकिन घटिया गुणवत्ता के उत्पाद उसकी पूरी मेहनत पर पानी फेर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसानों को लगातार खराब परिणाम मिलते रहे तो वे जैविक खेती से विश्वास खो सकते हैं, जिसका नुकसान आने वाले वर्षों में पूरे कृषि क्षेत्र को उठाना पड़ सकता है।

सरकार की करोड़ों की योजनाओं पर भी सवाल सरकार

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और विभिन्न योजनाओं पर हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। लेकिन यदि बाजार में संदिग्ध और मानकविहीन जैविक उत्पाद बिक रहे हैं तो यह न केवल किसानों के साथ धोखा है बल्कि सरकारी योजनाओं की सफलता पर भी सीधा प्रहार है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो जैविक खेती को लेकर किसानों में नकारात्मक संदेश जाएगा।धमतरी जिला पंचायत अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कृषक अरुण सार्वा ने कहा कि यदि जैविक खाद या कृषि उत्पादों के नाम पर किसानों को निम्न गुणवत्ता अथवा मानकविहीन सामग्री बेची जा रही है, तो यह किसानों की मेहनत, उनकी पूंजी और भविष्य के साथ सीधा अन्याय है। उन्होंने कहा कि बेलरगांव में हुई कार्रवाई के बाद पूरे जिले में जैविक खाद एवं कृषि आदानों की गुणवत्ता की व्यापक जांच की जानी चाहिए। संदिग्ध उत्पादों के नमूने लेकर मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराया जाए तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी जैविक खाद, जैविक उत्पाद या कृषि आदान का उपयोग करने से पहले उसकी गुणवत्ता, निर्माता और प्रमाणिकता की पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

वैज्ञानिकों ने गुणवत्ता परीक्षण को बताया जरूरी

इस संबंध में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. गजेंद्र चंद्राकर ने कहा कि जैविक खाद और जैविक उत्पादों की गुणवत्ता कृषि उत्पादन का मूल आधार है। यदि उत्पाद निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैं तो किसानों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे और उत्पादन प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि बाजार में उपलब्ध जैविक खाद और उत्पादों का नियमित सैंपल संग्रह कर उनकी वैज्ञानिक जांच कराई जानी चाहिए। गुणवत्ता नियंत्रण, प्रमाणिकता सत्यापन और निगरानी व्यवस्था मजबूत किए बिना जैविक खेती की सफलता सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

न्यूज गैलरी

सांकरा व सिहावा विद्यालय में व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों एवं नेतृत्व क्षमता के विकास के उद्देश्य से रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द आश्रम, रायपुर द्वारा जिला धमतरी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसियाँ, सांकरा एवं सिहावा में व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। तीनों विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों से लगभग 814 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वामी प्रपत्त्यानन्द जी, संपादक विवेक ज्योति मासिक पत्रिका एवं डॉ. विनित कुमार साहू रहे। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व निर्माण, चरित्र विकास, जीवन में लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, आत्मअनुशासन तथा राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों के संबंध में प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. विनित कुमार साहू ने विद्यार्थियों के जीवन में सही संगति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अच्छी संगति व्यक्ति के विचार, व्यवहार और व्यक्तित्व को सकारात्मक दिशा देती है, इसलिए विद्यार्थियों को सदैव प्रेरणादायी एवं सकारात्मक लोगों की संगति का चयन करना चाहिए।

बिहान योजना से रोहिणी ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी

महासमुंद/नवप्रदेश। सरकार की योजनाओं का प्रभाव तब सार्थक नजर आता है, जब इनके जरिए महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी होकर

आत्मनिर्भर बनती हैं। महासमुंद जिले के मामा-भांचा गांव की श्रीमती रोहिणी साहू ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने बिहान योजना से जुड़कर स्वरोजगार की राह चुनी और आज अपना व्यवसाय संचालित कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दे रही हैं। रोहिणी साहू ने बिहान योजना से जुड़ने के बाद गांव में 'श्रीराम होटल' की शुरुआत की। छोटे स्तर से शुरू किए गए इस व्यवसाय ने उन्हें न केवल आय का साधन उपलब्ध कराया, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाया। रोहिणी के अनुसार, होटल व्यवसाय से उन्हें प्रतिमाह करीब 10 से 15 हजार रुपए की शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इस अतिरिक्त आमदनी से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

योजनाओं का लाभ लेकर बढ़ा आत्मविश्वास : रोहिणी साहू ने बताया कि प्रदेश सरकार की योजनाओं से उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद स्वरोजगार शुरू करने की प्रेरणा मिली और आज वे स्वयं अपने व्यवसाय का संचालन कर रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में भी आर्थिक सहयोग मिल रहा है।

संतोष ठाकुर बने छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक संघ गरियाबंद के जिला अध्यक्ष

राजिम/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के शिक्षक संवर्ग हेतु 30 वर्षों से

संघर्षरत एवं सफल परिणाम दिलाने वाले सशक्त संगठन छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक संघ के द्वारा गरियाबंद जिले में संगठन का विस्तार करते हुए गरियाबंद जिला अध्यक्ष के रूप में संतोष ठाकुर को मनोनीत किया गया है। ज्ञात हो कि आगामी 25 अगस्त को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय में टीईटी मुक्ति रैली निकालकर शासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा जिसके लिए प्रांत के तीन बड़े संगठनों ने मिलकर एक संघर्ष मोर्चा का गठन किया है। जिसके संयुक्त नेतृत्व में शिक्षकों के पांच सूत्रीय मांग - टेट की अनिवार्यता समाप्त करने, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करने, सभी शिक्षकों को केंद्रीय वेतनमान देने तथा फरवरी 2026 के पदोन्नति नियम की विसंगति दूर करने एवं बी एड की अनिवार्यता हेतु ब्रिज कोर्स का विकल्प प्रदान करने को लेकर एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस कड़ी में गरियाबंद जिला मुख्यालय में भी संघर्ष मोर्चा के द्वारा टीईटी मुक्ति रैली निकाल कर ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम निर्धारित है। संतोष ठाकुर के जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर संयुक्त शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री सुभाष शर्मा, जिला सचिव नरेश साहू, ज्ञानेन्द्र शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष संजय महाड़िक, अरुण प्रजापति, फिंगेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष नेतराम साहू, छुरा विकासखंड अध्यक्ष हेमंत विश्वकर्मा, कन्हैया मंडल, रेखु साहू आदि ने बधाई दी।

पार्षद और पालिका प्रशासन की भूमिका संदेह के घेरे में—क्या मिलीभगत से चल रहा है खेल?

नगर पालिका के वार्ड 1 में बेखौफअवैध निर्माण

■ बगैर भवन अनुज्ञा / अनुमति के निर्माण पर उठे गंभीर सवाल

जीवन एस साहू

गरियाबंद/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद गरियाबंद के वार्ड क्रमांक-01 में कथित तौर पर बिना अनुमति किये जा रहे निर्माण कार्य ने नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। स्थानीय स्तर पर यह आरोप सामने आ रहा है कि निर्माणकर्ता द्वारा आवश्यक अनुमति और नियमों की अनदेखी की जा रही है और निर्माण कार्य लगातार जारी है।

स्थानीय निवासियों का सवाल है कि यदि निर्माण वास्तव में बिना वैध अनुमति के हो रहा है, तो नगर पालिका का अमला अब तक कार्रवाई क्यों नहीं कर पाया ? क्या जिम्मेदार अधिकारियों और वार्ड पार्षद को इसकी जानकारी नहीं है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई हैं ?

पालिका प्रशासन की चुप्पी बनी चर्चा का विषय : नगर पालिका प्रशासन भवन निर्माण की अनुमति, नक्शा स्वीकृति और निर्माण संबंधी नियमों के पालन के लिये जिम्मेदार है। इसके बावजूद यदि बिना अनुमति निर्माण कार्य खुलेआम चलता रहा, तो यह नगर पालिका की निगरानी व्यवस्था पर सीधा सवाल है।

बताया जाता है कि यदि नियमानुसार जांच और कार्यवाही की जाये तो इस तरह के अवैध निर्माण में केवल भवन मालिक जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यदि नगरपालिका के अधिकारी को अवैध निर्माण की जानकारी है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई का प्रश्न उठता है। विशेष रूप से यदि अधिकारी जानबूझकर अवैध निर्माण की रिपोर्ट करने या उसके विरुद्ध कार्रवाई करने में लापरवाही करता है, तो संबंधित कानून में अधिकारियों/कर्मचारियों के लिये भी दंडात्मक प्रावधान मौजूद हैं।

पार्षद की भूमिका पर भी उठे सवाल

वार्ड के निर्वाचित जनप्रतिनिधि होने के नाते वार्ड पार्षद की जिम्मेदारी केवल समस्यायें सुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर के नियम-कायदों और सार्वजनिक व्यवस्था के पालन को लेकर प्रशासन के साथ समन्वय करना भी उनकी जिम्मेदारी है। ऐसे में वार्ड में कथित अवैध निर्माण की जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर पार्षद की भूमिका को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आम नागरिकों से निर्माण के दौरान तमाम नियमों और दस्तावेजों की मांग की जाती है, लेकिन प्रभावशाली लोगों के मामलों में यदि नियम अलग-अलग तरीके से लागू होते हैं तो यह नगर प्रशासन की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

अब जांच और दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग

मामले में यह स्पष्ट होना चाहिये कि संबंधित निर्माण के लिये भवन अनुज्ञा/नक्शा स्वीकृति ली गई है या नहीं, निर्माण किस भूमि पर हो रहा है, स्वीकृत नक्शे के अनुरूप निर्माण है या नहीं और यदि अनुमति नहीं है तो अब तक नगर पालिका ने क्या कार्रवाई की है। यदि जांच में निर्माण बिना अनुमति अथवा स्वीकृत नियमों के विपरीत पाया जाता है, तो जिम्मेदार निर्माणकर्ता के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिये।

मैनपुर में 7.72 लाख का गांजा जब्त महाराष्ट्र के दो तस्कर गिरफ्तार

15.44 किलो गांजा के साथ तस्करी में इस्तेमाल बाइक भी जब्त

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ गरियाबंद पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मैनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15.44 किलो अवैध गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 7 लाख 72 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामले में महाराष्ट्र के नासिक निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

पुलिस के मुताबिक, 22 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति महाराष्ट्र पासिंग वाली पल्सर मोटरसाइकिल से ओडिशा से अवैध गांजा लेकर महाराष्ट्र की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर मैनपुर पुलिस टीम ने झरियाबहरा चेक पोस्ट के पास संदिग्ध वाहनों की सघन जांच शुरू की। इसी दौरान पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों को रोककर पूछताछ की

गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास रखे बैग से 15.44 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा और घटना में प्रयुक्त बजाज पल्सर बाइक को जब्त किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित दत्त साल्वे (26) निवासी पंचवटी, नासिक और आनंद रामदास लौंधे (22) निवासी कुंभारवाड़ा, नासिक, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। मैनपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गौरतलब है कि गरियाबंद पुलिस ने चार दिन पहले भी गांजा तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा किया था। पुलिस ने 'पुष्पा' स्टाइल में टायरों के अंदर छिपाकर ले जाए जा रहे करीब 75 लाख रुपये के गांजे को बरामद किया था।

पड़ोसी निकला नकबजनी का मास्टरमाइंड दो साथियों संग रची थी चोरी की साजिश

सूने मकान से 78,300 रुपए नकद और मोबाइल चोरी का मामला सुलझा, तीन आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पैकिन में सूने मकान से 78 हजार रुपए से अधिक की नकबजनी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। वारदात में किसी बाहरी गिरोह का हाथ नहीं, बल्कि पीड़ित का पड़ोसी ही मास्टरमाइंड निकला। आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर घर की रेकी की और मौका मिलते ही नकदी व मोबाइल पार कर दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम पैकिन निवासी मिनकेतन मिश्रा (60) ने 20 अगस्त को सिंघोड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त को वह मजदूरों के साथ कृषि कार्य के लिए खेत गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके सूने मकान का ताला/दरवाजा खोलकर कमरे में रखे 78,300 रुपए नकद और करीब 2,000 रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

संदेह के आधार पर पड़ोसी से पूछताछ

प्रार्थी ने अपने पड़ोसी लक्ष्यपाल उर्फविजय झाकर (22) पर संदेह जताया था। बताया गया कि वारदात से दो दिन पहले लक्ष्यपाल ने अपना मोबाइल प्रार्थी के पास बंधक रखकर उनसे 1,500 रुपए उधार लिए थे। पुलिस ने संदेह के आधार पर लक्ष्यपाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ में उसने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार कर ली।

दो साथियों के साथ मिलकर बनाया था प्लान

पूछताछ में सामने आया कि लक्ष्यपाल ने गांव के ही जितेन्द्र यादव (26) और दशरथ मुण्डा (45) के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। 19 अगस्त को जैसे ही मिनकेतन मिश्रा घर से खेत के लिए निकले, तीनों ने योजना के मुताबिक वारदात को अंजाम दिया।

लक्ष्यपाल मुख्य गेट से कूदकर मकान के अंदर पहुंचा और खुले कमरे से नकदी व मोबाइल लेकर बाहर निकल गया। वहीं जितेन्द्र और दशरथ सड़क पर आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखते हुए निगरानी करते रहे। वारदात के बाद तीनों बाइक से छुईपाली स्थित शराब भट्ठी पहुंचे और शराब पी। इसके बाद सागरपाली की विकास कपड़ा दुकान से चोरी के पैसों से नए कपड़े खरीदे।

बीएसएनएल सेवा बदहाल, दो माह से नेटवर्क ठप: कार्यालय में लंबे समय से लटका ताला

कार्यालय बंद रहने से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ी, शिकायत सुनने वाला कोई नहीं

छुरा/नवप्रदेश। नगर मुख्यालय छुरा में भारतीय दूरसंचार सेवा (क्स्हरु) की स्थिति इन दिनों बदहाल नजर आ रही है। स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार छुरा मुख्यालय क्षेत्र में पिछले करीब दो महीनों से क्स्हरु का मोबाइल नेटवर्क लगातार प्रभावित है। नेटवर्क नहीं मिलने के कारण क्स्हरु उपभोक्ताओं को फोन कॉल, इंटरनेट सहित अन्य दूरसंचार सुविधाओं के उपयोग में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उपभोक्ताओं का कहना है कि समस्या केवल कभी-कभार नेटवर्क कमजोर होने तक सीमित नहीं है। बल्कि लंबे समय से मुख्यालय क्षेत्र में क्स्हरु की मोबाइल सेवा ठीक ढंग से संचालित नहीं हो रही है। इसके चलते क्स्हरु के उपभोक्ताओं को जरूरी फोन कॉल करने और इंटरनेट सेवा का उपयोग करने के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

कार्यालय में लटका रहता है ताला

सबसे गंभीर बात यह है कि छुरा स्थित क्स्हरु कार्यालय में लंबे समय से ताला बंद रहने की शिकायत सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्यालय में नियमित रूप से कर्मचारी मौजूद नहीं रहते, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अपनी शिकायत दर्ज कराने और समस्या का समाधान कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी से संपर्क करने में कठिनाई होती है।

उपभोक्ताओं का सवाल है कि जब स्थानीय कार्यालय में ही कर्मचारी उपलब्ध नहीं होंगे तो नेटवर्क एवं दूरसंचार संबंधी शिकायतों का निराकरण आखिर कौन करेगा। कार्यालय के लंबे समय तक बंद रहने से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क, मुख्यालय में परेशानी

स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार छुरा अंचल के कई ग्रामीण क्षेत्रों में क्स्हरु का नेटवर्क संचालित हो रहा है, लेकिन छुरा मुख्यालय में ही नेटवर्क की समस्या बनी हुई है। इससे उपभोक्ताओं के बीच सवाल उठ रहे हैं कि आखिर मुख्यालय क्षेत्र में ही सेवा व्यवस्था क्यों चरमरा गई है। बीएसएनएल उपभोक्ताओं का कहना है कि वे नियमित रूप से कंपनी की सेवाओं का उपयोग करते हैं और इसके लिए शुल्क भी चुकाते हैं। इसके बावजूद यदि लंबे समय तक मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं रहता है तो उन्हें दूसरी कंपनियों की सेवाओं पर निर्भर होना पड़ता है।

जिम्मेदार अधिकारियों से कार्रवाई की मांग : स्थानीय उपभोक्ताओं ने क्स्हरु के उच्च अधिकारियों से छुरा मुख्यालय में नेटवर्क की समस्या की तत्काल जांच कराने, तकनीकी खामी को दूर करने तथा स्थानीय कार्यालय में नियमित कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिक्षकों ने निकाली न्याय पदयात्रा, मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद/नवप्रदेश। शिक्षक साझा मंच के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन द्वारा आज गरियाबंद में न्याय पदयात्रा एवं रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

न्याय पदयात्रा के पश्चात शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली का नेतृत्व छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के कार्यकारी जिला अध्यक्ष लोकेश्वर सोनवानी ने किया।

इस अवसर पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष लोकेश्वर सोनवानी ने कहा कि शिक्षकों को सेवा सुरक्षा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के बीच भयमुक्त वातावरण बनाया जाना चाहिए, ताकि वे बिना किसी दबाव के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। वहीं गरियाबंद ब्लॉक अध्यक्ष तिलक यादव ने कहा कि बाद में बनाए गए कानून को पूर्व से सेवा में कार्यरत शिक्षकों पर लागू करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों में इस कानून को लेकर नाराजगी है और आज की रैली के माध्यम से शिक्षकों ने अपना आक्रोश एवं विरोध दर्ज कराया है।

रक्षाबंधन: स्थानीय सामग्री से तैयार आकर्षक राखियां बनीं आय का जरिया

रक्षाबंधन पर बिहान की दीदियों ने थामा स्वावलंबन का धागा

आकांक्षा हाट में 21 से 28 अगस्त तक विशेष राखी विक्रय स्टॉल

गरियाबंद/नवप्रदेश। रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष जिले की बिहान से जुड़ी ग्रामीण दीदियों के लिए भाई-बहन के स्नेह के साथ स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर भी लेकर आया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रखर चंद्राकर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय एवं पारंपरिक सामग्री से आकर्षक राखियों का निर्माण कर रही हैं। राखियों के विक्रय से महिलाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है और वे स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मैनपुर विकासखंड में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा राखी निर्माण एवं विक्रय की गतिविधि संचालित कर रही है। समूह द्वारा 5 हजार 340 रुपये की लागत से राखियां तैयार कर अब तक 11 हजार 258 रुपये की बिक्री कर चुकी है।

इसी प्रकार विकासखंड गरियाबंद में संजीवनी संकुल संगठन जोबा से संबद्ध गायत्री स्व-सहायता समूह सढ़ौली की चार महिला सदस्य विभिन्न प्रकार की आकर्षक राखियों का निर्माण कर रही हैं। समूह द्वारा धान चावल, मूंगा, मटर, झरगा, सेमी,

अरहर सहित अन्य स्थानीय सामग्री से राखियों की विभिन्न वैरायटी तैयार की गई है। इन राखियों की कीमत 5 रुपये से 60 रुपये तक निर्धारित की गई है। विकासखंड छुरा के ग्राम जामली स्थित जय भवानी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भी बांस से निर्मित राखियों को बाजार तक पहुंचाने की पहल की है। समूह की महिलाओं द्वारा पूर्व वर्षों में भी राखियों का निर्माण किया गया था। वर्ष 2026 में इस गतिविधि को बढ़ाते हुए वर्तमान में लगभग 1 हजार राखियों का स्टॉक तैयार किया गया है, जिन्हें रक्षाबंधन पर्व पर विक्रय किया जाएगा।

विकासखंड फिंगेश्वर के ग्राम पंचायत रोहिना अंतर्गत जय मां घटारानी स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती कोयल साहू, विजय विकास महिला संकुल संगठन कौंदकेरा से जुड़कर आकर्षक एवं गुणवत्तापूर्ण राखियों का निर्माण कर रही हैं। उन्होंने इस वर्ष लगभग 5 हजार राखियां तैयार की हैं। इनमें 5 रुपये से 40 रुपये तक की विभिन्न डिजाइनों वाली राखियां शामिल हैं। समूह द्वारा 10 हजार रुपये की लागत से राखियां तैयार कर अब तक 12 हजार रुपये की बिक्री दर्ज की गई है। वर्तमान में लगभग 4 हजार राखियां उपलब्ध हैं, जिनके विक्रय से अनुमानित रूप से 16 हजार रुपये तक लाभ अर्जित कर सकते है।

एफएलएन और जेईई-नीट तैयारी पर विशेष जोर उत्कृष्ट शिक्षकों व विद्यालयों को मिला सम्मान

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिला कलेक्टर जितेन्द्र यादव एवं जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल के नेतृत्व में ओपन लिंक्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से विनोबा प्रोग्राम अंतर्गत शिक्षण उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, विद्यालयों एवं शैक्षणिक इकाइयों को सम्मानित करना रहा।

कार्यक्रम में प्राचार्य, संकुल समन्वयक, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत ष्टश्वह्र दुर्गा प्रसाद

अधिकारी ने 10वीं-12वीं के बेहतर परिणामों के लिए शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि उपलब्धियों पर संतोष करने के बजाय उत्कृष्टता का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने (बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान) पर विशेष ध्यान देने तथा विद्यालयों में शिक्षक उपस्थिति, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण को मजबूत करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक राष्ट्रनिर्माता हैं। उन्होंने शिक्षकों से पूरी निष्ठा के साथ विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कलेक्टर ने जिले में विद्यार्थियों के लिए जेईई-नीट की विशेष कोचिंग व्यवस्था शुरू करने की योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण और शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के समान अवसर मिलना चाहिए। लाइफस्किल कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में डीईओ प्रवास सिंह बघेल, जिला मिशन समन्वयक सतीश ब्यौहारे, ओपन लिंक्स फ़ाउंडेशन के विश्वजीत पवार, जितेन्द्र सिंह सहित विनोबा टीम, शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्राचार्य मौजूद थे।

उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान

कार्यक्रम में समग्र शिक्षा विभाग की रश्मि सिंह, मनोज मरकाम, पी.आर. झाड़े, के.पी. विश्वकर्मा, प्रणीता शर्मा, कामनी साहू एवं सृष्टि महोबिया को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। वर्षभर बेहतर प्रदर्शन करने वाले ब्लॉक, क्लस्टर, विद्यालय एवं शिक्षकों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। टॉप परफॉर्मिंग ब्लॉक का पुरस्कार डोंगरगढ़ को मिला। टॉप क्लस्टर में डोंगरगढ़-2, चरभाठा एवं अजनोरा को सम्मानित किया गया। 10वीं, 12वीं, जेईई-नीट, एनएमएमएसई, जेएनवी, एफएलएन एवं एफएलएन++ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को भी सम्मान मिला।

आत्मिक उत्साह और सकारात्मक चिंतन के साथ रक्तदान

भिलाई/नवप्रदेश। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के समाज सेवा प्रभाग द्वारा पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 19वें पुण्य स्मृति दिवस एवं विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पांच दिवसीय रक्तदान महाअभियान के तहत सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम एवं राजयोग भवन में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। अभियान का संदेश मानवता का करें कल्याण, आओ मिलकर करें रक्तदान रहा। शिविर में कुल 192 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदान से पहले करीब पांच मिनट परमात्मा की याद में मेडिटेशन और आध्यात्मिक चिंतन कराया गया। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. अरुण अरोरा ने इस

पहल की सराहना करते हुए कहा कि आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक चिंतन के साथ रक्तदान का यह तरीका अनूठा है। कृष्णा पब्लिक स्कूल के चेयरमैन आनंद त्रिपाठी ने भी संस्था की पहल की सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान पं. जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय सेक्टर-9, जिला ब्लड सेंटर दुर्ग सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के अधिकारी एवं चिकित्सक मौजूद रहे। सांसद विजय बघेल सहित अन्य अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। रक्तदाताओं के लिए सेल्फी जोन की व्यवस्था भी की गई। रक्तदान के बाद सेवाकेंद्र की ओर से उन्हें ईश्वरीय पत्र, सौगात एवं फ्लाहार प्रदान किया गया। भिलाई सेवाकेंद्रों निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

न्यूज गैलरी

14 बच्चों के बने आधार कार्ड, शिविर का वार्डवासियों ने उठाया लाभ

राजनांदगांव/नवप्रदेश। महावीर वार्ड 37 में तीन वर्ष या उससे कम आयु के बच्चों का आधार कार्ड बनाने के लिए शनिवार को गंज चौक स्थित पार्षद कार्यालय में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वार्डवासियों ने उत्साह के साथ पहुंचकर अपने बच्चों के आधार कार्ड बनवाए। शिविर में कुल 14 बच्चों के आधार कार्ड बनाए गए। भाजपा पार्षद जैनम बैद ने कहा कि छोटे बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए अभिभावकों को अलग-अलग स्थानों पर जाने से होने वाली परेशानी को देखते हुए वार्ड में यह शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य वार्ड के अधिक से अधिक बच्चों को आधार पहचान से जोड़ना है, ताकि भविष्य में उन्हें शासकीय योजनाओं, विद्यालय में प्रवेश तथा अन्य आवश्यक कार्यों में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों की आवश्यकता के अनुसार इस तरह के उपयोगी शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे। जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए वार्ड में लोगों को आवश्यक सेवाएं उनके आसपास ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। जैनम बैद ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

दुर्ग जिले में अब तक 617.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

भिलाई/नवप्रदेश। जिले में 1 जून 2026 से 23 अगस्त 2026 तक 617.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 768.3 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 445.8 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 719.3 मिमी, तहसील बोरी में 599.6 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 672.5 मिमी और तहसील अहिवारा में 497.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 23 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 15.7 मिमी, तहसील धमधा में 4.3 मिमी, तहसील पाटन में 13.5 मिमी, तहसील बोरी में 6.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 13.9 मिमी और तहसील अहिवारा में 13.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

डाइट करा रहा शैक्षिक गतिविधि आधारित प्रतियोगिताएं, शिक्षक जुटे तैयारियों में

भिलाई/नवप्रदेश। जिले में शैक्षिक गुणवत्ता को लेकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) प्राचार्य पीसी मरकले के मार्गदर्शन में स्कूल, संकुल, जोन, ब्लॉक और जिला स्तर पर शैक्षिक गतिविधि प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। जिसमें सभी शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने स्कूल स्तर पर सभी शिक्षक निर्धारित विषयों को लेकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जिसमें सभी बच्चों को हिंदी- अंग्रेजी भाषा धारा प्रवाह लिखना-पढ़ना भी सिखा रहे हैं। वहीं गणितीय क्षमता बढ़ाने के लिए नई नई तकनीकों और विधियों अभ्यास कराए जा रहे हैं। इन सभी गतिविधियों को मूर्त रूप देने के लिए संकुल स्तर पर शैक्षिक समन्वयक, विकासखंड स्तर पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी और जिलास्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सहायक संचालक, जिला मिशन समन्वयक कार्यालय से सहायक परियोजना समन्वयक, सहायक परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा दुर्ग एवं डाइट के समस्त संकाय सदस्य नियमित रूप से अवलोकन कर रहे है। नोडल प्रतिनिधि सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधान जिला न्यायाधीश दास ने जिला प्रशासन व न्यायिक अफसरों की बैठक लेकर की चर्चा

■ **नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक राजस्व एवं अन्य प्रकरणों के निराकरण के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर**

बेमेतरा/नवप्रदेश। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार आगामी नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण को लेकर न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण बेमेतरा सरोज नंद दास ने की। बैठक में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहित सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्वर्णलता ओम यादव एवं एडीएम प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नेशनल लोक अदालत में निराकरण योग्य विभिन्न प्रकरणों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण, चेक बाउंस के मामले, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, सिविल वाद, बिजली एवं पानी बिल से संबंधित विवाद तथा आपदा प्रबंधन क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों का आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से निराकरण किया जा सकता है। राजस्व विभाग से संबंधित अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में प्रस्तुत करने पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा में प्रस्तुतिकरण एवं पंजीयन करने तथा पक्षकारों को नोटिस की तामिली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पक्षकारों के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में संवाद कर आपसी सहमति एवं राजीनामे के माध्यम से विवादों का समाधान करने के लिए आवश्यक पहल करने पर चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों को अपने-अपने विभागों से संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा।

शक्कर की बढ़ती कीमतों पर 'चंपू' ने मोदी सरकार को घेरा

■ **कहा- शक्कर के दामों में लगातार बढ़ोतरी महंगाई रोकने में सरकार की नाकामी का प्रमाण**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। देश में शक्कर की बढ़ती कीमतों को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एआईसीसी बिहार आब्जर्वर राजेश कुमार 'चंपू' ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आम जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है और अब शक्कर के दामों में बढ़ोतरी ने घरेलू बजट को और प्रभावित किया है।

राजेश कुमार 'चंपू' ने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन बाजार में आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। शक्कर जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तु महंगी होने से इसका सीधा असर गरीब, मध्यमवर्गीय और आम परिवारों की रसोई पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को आम जनता को राहत देने के लिए शक्कर की कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण के ठोस कदम उठाने चाहिए। केवल महंगाई पर बयान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि आवश्यक वस्तुएं आम नागरिकों की पहुंच में बनी रहें। राजेश 'चंपू' ने आरोप लगाया कि शक्कर के दामों में बढ़ोतरी केंद्र सरकार की महंगाई रोकने की नीति की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने केंद्र सरकार से शक्कर सहित सभी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर तत्काल नियंत्रण करने और आम जनता को राहत देने की मांग की।

विकास को नई दिशा देने सीईओ से सार्थक चर्चा

नंदिनी अहिवारा/नवप्रदेश। जनपद पंचायत धमधा के नवपदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अजय पटेल से ग्राम बिरेभाट निवासी गैंदलाल जोशी ने मुलाकात कर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान श्री जोशी ने गांवों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, रोजगार के अवसर बढ़ाने, सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा एवं विकास कार्यों में पारदर्शिता जैसे विषयों को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास ही क्षेत्र की वास्तविक प्रगति का आधार है। ग्रामीणों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। सीईओ ने ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए आवश्यक कार्यवाही एवं सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ग्रापं सरपंच ज्ञान दास नारंगे, रोजगार सहायक देवेंद्र ठाकुर सहित अन्य उपस्थित रहे।

युवाओं को नशे से बचाने मीडिया अपनी पहुंच का प्रभावी उपयोग करें

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में नशे की समस्या से निपटने के लिए नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ जनजागरूकता को भी समान महत्व देना जरूरी है। खासकर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और मीडिया की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है।

यह बात नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार ने पत्र सूचना कार्यालय रायपुर की ओर से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प' अभियान के तहत आयोजित वार्तालाप कार्यक्रम में कही।

एनसीबी अधीक्षक ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई तक सीमित नहीं हो सकती। नशीले पदार्थों की अवैध आपूर्ति पर नियंत्रण के साथ उनकी मांग को कम करना भी जरूरी है। इसके लिए विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के समन्वय से प्रवर्तन के साथ जागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने में मीडिया की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

समाचार पत्र, टेलीविजन, डिजिटल माध्यम और सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का उपयोग नशे से होने वाले स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक नुकसान को सरल एवं तथ्यपरक तरीके से लोगों तक पहुंचाने में किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में स्कूलों, महाविद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में पत्रकार प्रियंका कौशल ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई को प्रभावी जनआंदोलन बनाने के लिए पत्रकारिता को सामाजिक सरोकार और जनजागरण से जोड़ना होगा।

यातायात पुलिस के 'सशक्त एप' सघन वाहन चेकिंग अभियान जारी

बेमेतरा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव सहित एसडीओपी के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों और अड्डेबाजी स्थलों पर लगातार चेकिंग, पेट्रोलिंग एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस ने 'सशक्त एप' के माध्यम से गुम या चोरी हुए वाहनों की पहचान के लिए चौक-चौराहों एवं पेट्रोलिंग के दौरान 45 वाहनों की जांच की। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 6 वाहन चालकों के खिलाफचालानी कार्रवाई करते हुए कुल 2 हजार रुपए समन शुल्क वसूला गया।

पुलिस द्वारा तेज गति, तीन सवारी, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, मॉडिफाइड साइलेंसर और शराब पीकर वाहन चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन पर विशेष नजर रखी जा रही है। यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि जहीर खान सहित यातायात पुलिस टीम कार्रवाई में शामिल रही। बेमेतरा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करें, मोबाइल का इस्तेमाल न करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और नाबालिग बच्चों को वाहन न दें। पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का पालन स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा के लिए जरूरी है। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अगेन कुमार साहू आ. कालूराम साहू निवासी विनायपुर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा पत्नि भारती की जन्म/मृत्यु दिनांक 15.11.2011 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14.08.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202607104400034
/अ-74/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आवेदक दुर्गाराम पिता स्व. केजुराम एवं अन्य 03 जाति लोधी निवासी ग्राम देउरकोना तहसील बोरी स्थित भूमिस्वामी हक में दर्ज भूमि अनावेदक कमांक हिन्छाराम तिपा स्व. चुरामन के नाम पर खसरा नंबर 598 रकबा 0.34 हे. अनावेदक कामंक-06 बिसाल पिता स्व. चुरामन के नामपर खसरा नंबर 609/2 रकबा 0.32 हे. वर्तमान भू-अधिकार वर्तमान भू-अधिकार अभिलेख में दर्ज हैं माननीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी धमधा के न्यायालय क्रमांक-05 एवं अनावेदक में पारित निर्णय दिनांक 02.06.2018 के अनुसार अनावेदक क्रमांक-06 के नाम पर दर्ज किये जाने बाबत् बाबत् इस नयायायल में पेश किया प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतः डिकी के आधार पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति/ दावा हो तो वे नियत समय में स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ सुनवाई दिनांक 18.09.2026 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मै दीपक गाड़ा (DEEPAK GANDA) पिता स्व. पुरन तांडी पता-जे-136, रिसाली भाठा भिलाई, जिला दुर्ग छ.ग. ने अपना नाम दीपक गाड़ा (DEEPAK GANDA) (पुराना नाम) से बदल कर दीपक तांडी (DEEPAK TANDI) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
दीपक गाड़ा पिता स्व. पुरन तांडी
पता-जे-136, रिसालीभाठा
भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.)

राजीव गांधी जयंती पर शहर में विचारगोष्ठी और वृक्षारोपण का किया आयोजन

सद्भावना दौड़ पुरुष वर्ग में युधिष्ठिर साहू प्रथम

खैरागढ़/नवप्रदेश। भारत रत्न, पूर्व पीएम स्व. राजीव गांधी की जयंती पर शहर में जिला कांग्रेस द्वारा सद्भावना दौड़ , विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। शीतला मंदिर, इतवारी बाजार से सुबह शुरू हुई सद्भावना दौड़ में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों और कांग्रेसजनों ने हिस्सा लिया। दौड़ के समापन के बाद विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और सिविल अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कोमल दास साहू ने स्व. राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते

हुए कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने तकनीकी विकास, संचार क्रांति और युवाओं की भागीदारी को नई दिशा दी। उनकी जयंती पर आयोजित सद्भावना दौड़ एवं विचारगोष्ठी का उद्देश्य उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ देश की एकता, अखंडता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का सपना ऐसा भारत बनाना था जहां युवा शक्ति, विज्ञान और तकनीक देश की प्रगति का आधार बने। आज उनकी जयंती पर कांग्रेसजनों को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाज और देशहित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। 21वीं सदी के भारत को लेकर राजीव गांधी की दूरदर्शी सोच आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। सिविल अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

सद्भावना दौड़ के पुरुष वर्ग में युधिष्ठिर साहू भिलाई ने प्रथम, हकीश्वर साहू भिलाई ने द्वितीय और द्वारकाधीश वर्मा राजनांदगांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चतुर्थ स्थान पर दीपक निषाद मुढ़ीपार, पंचम मनीष साहू भिलाई, षष्ठम प्रकाश यादव साल्हेवारा, सप्तम उमेश यादव भिलाई, अष्टम कृष वर्मा डोलापहरी, नवम दानेश्वर निषाद अतरिया और दशम स्थान पर भूपेंद्र पटेल मुढ़ीपार रहे। महिला वर्ग में भावना साहू डोलापहरी ने प्रथम, सरस्वती वर्मा बोरी ने द्वितीय और यामिनी नेताम उमरवाही ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में गिरवर जंघेल, देवराज किशोर दास निषाद, सुशीलकांत पांडे, भीखमचंद छाजेड़, जितेंद्र सिंह गौर, दीपक वैष्णव, संदीप सिरमौर, रिंकू गुप्ता, चंदेश यादव, उत्तम जंघेल, रविंद्र शरदिया, नदीम आदि मौजूद थे।

कुलनाम/परिवर्तन

में (MU. SOHEB/ MUHAMMA SHUAIB) (मु. सोहेब / मुहम्मद शुआइब) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता (TUFAIL AHMAD) (तुफैल अहमद) निवासी वार्ड नं. 41, नई मस्जिद के पास, केलाबाडी, तह. व जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) ने अपना नया नाम (MOHAMMAD SHOAIB) (मोहम्मद शोएब) रख लिया है कृपया समस्त संबंध पक्ष या व्यक्ति यत्रपश्चात समस्त समयों पर मेरे पक्षकार को इसी नाम से ही जाने व संबोधित करे।

मोहम्मद एहसान
अधिवक्ता- जिला न्यायालय दुर्ग
तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

कुलनाम/परिवर्तन

मेरे पुत्र (MOHD AYAN KHAN/ MOHAMMED AYAN KHAN) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता (MOHD UMAR AHMED KHAN/UMAR AHMAD KHAN) माता (SAIMA KHAN) निवासी 26/95, राजा तालाब, शिव मंदिर रोड पाँडरी, तह. व जिला - रायपुर (छत्तीसगढ़) पिनकोड 492004 ने अपना नया नाम (MOHAMMED AYAN KHAN) पिता (UMAR AHMED) माता (SAYMA KHAN) रख लिया है कृपया समस्त संबंध पक्ष या व्यक्ति यत्रपश्चात समस्त समयों पर मेरे पक्षकार को इसी नाम से ही जाने व संबोधित करे।

मोहम्मद एहसान
अधिवक्ता- जिला न्यायालय दुर्ग
तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं गोपी पटेल पिता द्वारिका प्रसाद पटेल (GOPI PATEL S/O DWARIKA PRASAD PATEL) उम्र-35 वर्ष (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) निवासी-म.नं.-133, बासीन, पोस्ट कसहीकला, बासीन (कुटरी), तहसील गुण्डरदेही, जिला-बालोद (छ.ग.) 491223 ने अपना नाम गोपी पटेल पिता द्वारिका प्रसाद पटेल (GOPI PATEL S/O DWARIKA PRASAD PATEL) (पुराना नाम) से बदलकर गोपीराम पटेल पिता द्वारिका प्रसाद पटेल जन्म तिथि 01/01/1991 (GOPI-RAM PATEL S/O DWARIKA PRASAD PATEL) जन्म तिथि 01/01/1990 (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
गोपी पटेल
पिता द्वारिका प्रसाद पटेल
निवासी-म.नं.-133, बासीन, पोस्ट
कसहीकला, बासीन (कुटरी), तहसील
गुण्डरदेही, जिला-बालोद (छ.ग.)

शासकीय विद्यालय में बालिकाओं को कॅरियर मार्गदर्शन, ली गई 'बाल विवाह मुक्त भारत' की शपथ

जंगलपुर/छुईखदान/नवप्रदेश। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री पी. आर. खुंटेल के निर्देशन एवं परियोजना अधिकारी श्री सुनील बंजारे के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जंगलपुर में बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं अधिकारों को लेकर विशेष करियर काउंसलिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को उनके करियर के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ बाल विवाह एवं बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देना रहा।

छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित करने, नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, विषय की बेहतर समझ एवं निरंतर प्रयास के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही शासकीय सेवाओं सहित विभिन्न व्यावसायिक एवं रोजगारपरक क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देकर बालिकाओं को अपने भविष्य के लिए

स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया गया।

पॉक्सो एक्ट एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों की दी जानकारी

कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक श्रीमती वृंदा हनवंत एवं ढ्ष्ट्क्र खैरागढ़ की काउंसलर श्रीमती पूर्णिमा साहू द्वारा छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

छात्राओं को पॉक्सो एक्ट (क्ष्ह्रष्टस्ह्र ,ष्ह्ल), बाल विवाह के दुष्परिणाम, बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनी प्रावधानों तथा किसी भी प्रकार की समस्या या संकट की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

ली गई 'बाल विवाह मुक्त भारत' की शपथ

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं, शिक्षकों एवं विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा 'बाल विवाह मुक्त भारत' बनाने की शपथ ली गई। सभी ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोकने, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बालिकाओं के अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

करियर निर्माण के लिए छात्राओं को दिया मार्गदर्शन : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पर्यवेक्षकों द्वारा छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने एवं रोजगार के अवसरों के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। छात्राओं को बताया गया कि अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार विषयों का चयन किस प्रकार किया जाए तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए किस प्रकार की रणनीति अपनाई जाए।

न्यूज गैलरी

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 04 वाहन चालकों को अर्थदंड

भाटापारा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम एवं शराबी वाहन चालको पर सख्त कार्यवाही करने हेतु पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भाटापारा शहर पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों की चेकिंग ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से करते हुए 04 वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस द्वारा इन सभी 04 प्रकरणों में वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए, इनके वाहन विधिवत जप्त कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहा न्यायालय द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 04 प्रकरण में वाहन चालकों को पृथक-पृथक ?10,000-10,000 अर्थदंड का आदेश* दिया गया है। इस प्रकार बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस की संपूर्ण कार्यवाही में न्यायालय द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 04 वाहन चालकों को कुल ?40,000 का अर्थदण्ड से दंडित किया* गया है। पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाते हुए, पकड़े गए इन सभी चालकों के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन की भी कार्यवाही की जाएगी।

भाटापारा में सबजूनियर कुराश ट्रायल सम्पन्न

भाटापारा/नवप्रदेश। पंजाब (लुधियाना) में 3 से 7 सितंबर तक आयोजित होने वाली नेशनल सबजूनियर कुराश चैंपियनशिप 2026 के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट सबजूनियर कुराश सलेक्शन ट्रायल का आयोजन भाटापारा में मयूर शिशु मंदिर में किया गया जिसमें प्रदेश भर से सबजूनियर वर्ग के 100 खिलाडियो ने भाग लिया ।चयनित खिलाड़ियों एवम विजेता खिलाडियो को रविन्द्र जैन , श्रवण अग्रवाल , नन्दलाल बाजपई, आदित्य सिंह , बैजनाथ गुप्ता , निलेश यादव , पूनम अहीर , वर्षा मिरी , जगदीश चौधरी ,गोपी देवांगन , सुकलाल यदु , गौतम मिरी , समीर घृतेश ,अवन्तिका कामरी,ने शुभकामनाये देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पंचकोशी धाम के पटेश्वरनाथ पटेवा में जल अभिषेक आज

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। ग्राम पटेवा में स्थित भगवान श्री पटेश्वर महादेव मंदिर में सर्व मंदिर विकास समिति एवं समस्त ग्रामवासी के सहयोग से सोमवार 24 अगस्त को विशाल जल अभिषेक, भव्य भोजन भंडारा एवं शिव कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष होने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। इस भव्य जलाभिषेक आयोजन में गांव एवं मंदिर परिसर भक्तिमय नजर आएगा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल होकर भगवान पटेश्वर नाथ की प्रति अपनी आस्था प्रकट करेंगे। आयोजक समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सरपंच राजू पाल ने बताया कि सोमवार सुबह 7 से 9 बजे तक जल अभिषेक किया जाएगा इसके बाद 10 बजे से भंडारा एवं शिव कीर्तन का शुभारंभ होगा। शिव कीर्तन में मां बेटा मानस परिवार पटेवा, श्री शिवाय भजन संध्या खुरसेंगा अभनपुर, जय भोलेनाथ मानस मंडली केंद्री एवं जय पटेश्वर मानस मंडली पटेवा द्वारा प्रस्तुति हौगी। आयोजको ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं आसपास के ग्रामवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान पटेश्वर नाथ जी का जल अभिषेक करने तथा कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

प्रिंटिंग प्रेस एसोसिएशन का सावन उत्सव संपन्न

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी रविवार 23 अगस्त को प्रिंटिंग एसोसिएशन नवापारा राजिम अंचल के द्वारा सावन उत्सव मनाया गया जिसके तहत पंडित श्यामा चरण शुक्ल चौक पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें आज जितने भी भक्त दर्शन हेतु आए उन सबके लिए भंडारे की व्यवस्था रखी गई। आज प्रातः 8:00 बजे से पंडित श्यामाचरण शुक्ल चौक पर एक विशाल पंडाल में सर्वप्रथम श्री कुलेश्वर महादेव की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया। प्रातः से ही आज भक्तों की भीड़ देखते बनी रही। एसोसिएशन के सभी सदस्यों का सहयोग भरपूर प्राप्त हुआ। सभी ने प्रभार लेकर पूरी जिम्मेदारी से निभाया चारों दिशाओं से पधारे भक्तों ने इस भंडारे का भरपूर लाभ उठाया है। इस आयोजन में प्रिंटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष टुकेश सिन्हा, सचिव त्रिलोक साहू, उपाध्यक्ष महीतोष शर्मा, संरक्षक डी के साहू, धनेश्वर साहू सहित सुशील सिंघई, प्रेम साधवानी, आकाश जैन, निक्कू निर्मलकर, जयंत साहू, प्रभात जैन, रेवानंद पटेल, रोशन साहू, प्रदीप वर्मा, पुरुषोत्तम साहू, शेखर साहू, विशाल साहू जीतू साहू, भूपेन्द्र साहू, अनिल यादव, दिलीप निषाद, चंद्रहास पटेल, सोहन चक्रधारी, सुंदर साहू, सुदामा राम साहू आदि उपस्थित रहे।

शराब पीने के दौरान मामूली विवाद के बाद वारदात

ससुर ने सरई की लकड़ी से दामाद पर किया हमला, इलाज के दौरान मौत

चश्मदीद के बयान और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी मंगल सिंह धुर्वे गिरफ्तार

9 अगस्त को ससुराल आया था मृतक

विवेचना में सामने आया कि 9 अगस्त 2026 को मृतक वैशाखु सिंह मरावी अपनी पत्नी सुषमा बाई और दो बच्चों के साथ मध्यप्रदेश के मंडला जिले से अपने ससुराल ग्राम कोयलारी आया था। इस दौरान मृतक और उसके ससुर मंगल सिंह धुर्वे के बीच शराब पीने के दौरान किसी मामूली बात को लेकर विवाद हो गया।

कबीरधाम/नवप्रदेश। तरेगांव जंगल थाना क्षेत्र के ग्राम कोयलारी में ससुर और दामाद के बीच हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब पीने के दौरान मामूली बात को लेकर हुए विवाद में ससुर ने अपने दामाद पर सरई की लकड़ी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल दामाद की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी ससुर मंगल सिंह धुर्वे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, कबीरधाम पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव के निर्देश पर गंभीर अपराधों के त्वरित निराकरण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोडला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में तरेगांव जंगल थाना प्रभारी निरीक्षक संग्राम सिंह और उनकी टीम ने मामले का खुलासा किया। विवाद बढ़ने पर मंगल सिंह ने अपने दामाद वैशाखु सिंह पर सरई की लकड़ी से हमला कर दिया। हमले में उसके सिर, दाहिने हाथ की कलाई, पीठ और सीने में गंभीर चोटें आईं।

इलाज के दौरान 13 अगस्त को मौत :

घटना के बाद परिजन घायल वैशाखु सिंह को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल बोडला लेकर पहुंचे। यहां इलाज के दौरान 13 अगस्त 2026 को उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक कार्रवाई थाना मोतीनाला, जिला मंडला (मध्यप्रदेश) में देहाती नालसी के आधार पर की गई। बाद में घटना का क्षेत्र तरेगांव जंगल थाना अंतर्गत होने के कारण डायरी प्राप्त होने पर पुलिस ने मूल अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की।

आरोपी की निशानदेही पर लकड़ी जब्त : विवेचना के दौरान पुलिस ने चश्मदीदों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी मंगल सिंह धुर्वे पिता स्व. हीरालाल उर्फहीरासिंह धुर्वे, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम कोयलारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने शराब पीने के दौरान विवाद होने पर सरई की लकड़ी से दामाद पर हमला करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त सरई की लकड़ी भी पुलिस ने बरामद कर जब्त की। मामले में अपराध क्रमांक 16/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी मंगल सिंह धुर्वे को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

ईद मिलादुन्नबी पर इमदाद फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

नवापारा-राजिम/नवप्रदेश। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर इमदाद फाउंडेशन द्वारा पांच दिवसीय सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। दूसरे दिन आज 23 अगस्त, रविवार को सुबह 10 बजे से सर्व समाज के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रथमेश हॉस्पिटल के सहयोग से लगाया गया था।

शिविर में नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और स्वास्थ्य लाभ लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में सैकड़ों लोगों ने पंजीयन कराकर अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा बीपी, शुगर, सामान्य जांच सहित अन्य स्वास्थ्य परामर्श निःशुल्क दिया गया। इमदाद फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि पैगंबर साहब का जीवन मानवता, प्रेम और सेवा का संदेश देता है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से फाउंडेशन हर साल ईद मिलादुन्नबी पर सेवा कार्यों का आयोजन करता है। पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में आगे भी रक्तदान शिविर, शिक्षा सामग्री वितरण, गरीबों को राशन वितरण और धार्मिक तकरीर जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वहीं आगामी आयोजन 24 अगस्त, सोमवार को सुबह 10 बजे सभी अस्पतालों के मरीजों को फल वितरण किया जाएगा। दोपहर 3 बजे महिलाओं के लिए मिलाद प्रोग्राम रखा गया है। 25 अगस्त, मंगलवार को शाम 6 बजे सभी समाज प्रमुखों, विधायक, अध्यक्ष, डॉक्टर, पत्रकार, शिक्षक, पार्षद आदि के सम्मान समारोह का आयोजन होगा। रात 8 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

गीतों से साइबर जागरूकता, पर्यटकों को दिए सुरक्षा मंत्र

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ को साइबर अपराध मुक्त बनाने के संकल्प के साथ राज्य पुलिस द्वारा एक विशेष साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। 23 अगस्त से 29 अगस्त तक दूसरा सप्ताह वित्तीय धोखाधड़ी और यूपीआई सुरक्षा के संबंध में पुलिस अधीक्षक गरियाबंद वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन में प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर आने वाले सैलानियों की सुरक्षा और उन्हें डिजिटल ठगी से बचाने के लिए एक विशेष साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिले के सुप्रसिद्ध

धार्मिक पर्यटन स्थल भूतेश्वरनाथ एवं चिंगरापगार जलप्रपात में गरियाबंद पुलिस द्वारा एक अनूठा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डीएसपी गोपाल वैश्य ने उपस्थित हजारों के संख्या में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को बेहद अनोखे और मनोरंजक तरीके से साइबर अपराधों से बचने के गुण सिखाए। उन्होंने अपने गीतों एवं आम बोलचाल की भाषा और रोचक उदाहरणों का प्रयोग करते हुए लोगों को वर्तमान में चल रहे विभिन्न प्रकार के डिजिटल फ्रॉड के प्रति सचेत किया।

शिक्षक की मेहनत से खिल उठा स्कूल गार्डन

राजिम/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला सहिस पारा, राजिम, विकासखंड फिंगेश्वर, जिला गरियाबंद के शिक्षक जितेंद्र कुमार साहू इन दिनों चर्चा में हैं। वायरल हो रही एक तस्वीर में वे पीठ पर स्प्रेयर टांगकर विद्यालय के किचन गार्डन में दवा का छिड़काव करते नजर आ रहे हैं। पहली नजर में लगता है जैसे कोई किसान अपने खेत में काम कर रहा हो, लेकिन असल में ये एक शिक्षक की अपने विद्यालय के प्रति निष्ठा है।

विद्यालय की प्रधान पाठक रेवती देशमुख के मार्गदर्शन में विद्यालय परिसर में सुंदर किचन गार्डन और फूलवाड़ी विकसित की गई है। इस कार्य में शिक्षक नेमीचंद साहू और पुष्पा शुक्ला सहित पूरे स्टाफ का सहयोग मिल रहा है। योजना है कि बच्चों को मध्यान्ह भोजन में ताजी सब्जियां मिल सकें और वे प्रकृति से जुड़ सकें। पौधों में कीट लगने पर बिना किसी कर्मचारी का इंतजार किए शिक्षक जितेंद्र साहू ने स्वयं ही माली की भूमिका निभाते हुए स्प्रेयर से दवा छिड़काव का कार्य किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का हुआ आयोजन

गंड़ई पंडरिया/नवप्रदेश। जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता समिति के तत्वावधान में 7 वां जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन पुरे केसीजी जिले में किया गया। जिसमें जिले के 12 स्थानों में परीक्षा सेंटर बनाया गया था। जिले के खैरागढ़, पांडादाह, ठेलकाडीह, जालबांधा, बाजार अतरिया, कामठा, छुईखदान, बुंदेली, रोड अतरिया, गंडई, साल्हेवारा व ठाकुरटोला को सेंटर बनाया गया था। परीक्षा का आयोजन तीन स्तरों पर किया गया था जिसमें पुरे जिले से प्राथमिक स्तर में 952 , माध्यमिक स्तर में 2371 व हाई/हायय सेकेंडरी स्तर में1406 बच्चों ने पंजीयन किया था जिसमें सर्वाधिक पंजीयन स्वामी आत्मानंद स्कूल गंडई में 764 बच्चों ने किया था जिसमें से 720 बच्चें उपस्थित रहे। जिला से पन्नालाल जंघेल, कौशल राजपूत, संतोष नेताम, सियाराम साहू जी के द्वारा परीक्षा का निरीक्षण किया गया।

20 मवेशियों को महाराष्ट्र ले जाते पकड़ाया

गौसेवा समिति की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

छुईखदान/नवप्रदेश। महाराष्ट्र की ओर मवेशियों को कत्लखाने ले जाने की सूचना पर श्रीराम गौसेवा समिति छुईखदान के सदस्यों ने सक्रियता दिखाते हुए 20 मवेशियों को ले जा रहे तीन लोगों को पकड़ लिया। समिति के सदस्यों ने मामले की सूचना तत्काल छुईखदान पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार कुछ लोग जंगल के रास्ते मवेशियों को रस्सी से बांधकर तथा डंडों से मारते-पीटते हुए बिना चारा-पानी के महाराष्ट्र की ओर ले जा रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर श्रीराम गौसेवा समिति के सदस्यों ने मौके पर पहुंचकर मवेशियों को रोक लिया और तीनों लोगों को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद छुईखदान पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को हिरासत में लिया। आरोपियों की पहचान पीरज उईके (26), संदीप देहारे (32) और राधेलाल गोड़ (50), निवासी चीसटोला, पोस्ट पिपरिया, थाना साल्हेकसा, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से कुल 20 भैंस बरामद की गईं। पुलिस ने बरामद सभी 20 मवेशियों को श्रीराम गौसेवा समिति छुईखदान के सुपुर्द किया है। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 306/2026 दर्ज करते हुए छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत कार्रवाई की है।

पेज 1 का शेष...

हेमाबंद में 100 से ज्यादा...

1.44 लाख रुपए का ठेका लिया गया था। इसके बावजूद मौके पर जीवित पशु बदहाल और मृत पशुओं के शव व कंकाल दिखाई देना पूरी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। शिकायत सामने आने के बाद एसडीओपी भूषण एक्का, जिला वेटरनरी डॉक्टर पिंगला और पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। आरोपी को हिरासत में लिया गया है। बेमेतरा कलेक्टर के आदेश पर मवेशियों को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है। झालम गौ अभ्यारण - 50 नग, राम जानकी गौशाला सैगोना- 10 नग, करपात्री गौशाला पंडरभट्ठा- 10, नया पंजीकृत गौशाला तिवरैया- 15 , श्री राम गौशाला जीव रक्षा केंद्र आन्दु- 15, राम कृष्ण गौशाला थान खम्हरिया - 6 नग।

दो पेपर लीक के बाद कृषि...

गए। बैठक में 20 अगस्त की परीक्षा के पेपर लीक मामले में रायपुर पुलिस द्वारा की गई जांच में विश्वविद्यालय द्वारा 7 अगस्त 2026 को आयोजित बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी विषय के प्रश्न पत्र को भी अभियुक्त द्वारा लीक किए जाने की जानकारी मिलने पर उस प्रश्न पत्र को भी निरस्त करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग पर पेपर लीक प्रकरण में परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित न कर पाने हेतु नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने का फैसला लिया गया तथा उन्हें इस संबंध में नोटिस जारी किया गया।

दोषी पाए गए छात्रों पर भी होगी कड़ी कार्रवाई

20 अगस्त के पेपर लीक प्रकरण में रायपुर पुलिस द्वारा भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग के जिन दोषी पाए गए छात्रों को हिरासत में लिए गया है उनके ऊपर भी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही 20 अगस्त को आयोजित बी.एस.सी. कृषि द्वितीय वर्ष के एंटोमोलॉजी प्रश्न पत्र तथा 07 अगस्त को आयोजित प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी प्रश्न पत्र की गोपनीयता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वरों को भी कारण बताओ नोटिस देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में तय किया गया कि दोनों रद्द परीक्षाएं सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में पुनः आयोजित की जाएंगी।

बारिश बनी आफतः छत्तीसगढ़...

विप्र स्कूल में पढ़ती थीं। शनिवार को स्कूल की छुट्टी के बाद उन्हें लेने के लिए उनका बड़ा भाई अनमोल जायसवाल (7) साइकिल से पहुंचा था। घर लौटते समय तीनों बच्चे पुल की बजाय घोंघा नदी के रास्ते से जाने लगे। नदी के बीच पहुंचते ही तेज बहाव में अनमोल साइकिल नहीं संभाल सका और तीनों पानी में बह गए। रविवार को तलाशी अभियान में तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए।

केदार के काफिले का...

वक्त मंत्री भी कार में मौजूद थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि काफिले की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

दुर्ग में स्वाइन फ्लू की दस्तक...

तक तेज बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरो की जांच और टेस्ट रिपोर्ट में बच्ची एच वन एनवन से संक्रमित पाई गई। फिलहाल निजी अस्पताल में बच्चे का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में किया जा रहा है।

प्रदेश के बच्चों के हक की...

जाएगी। व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और पुख्ता बनाया गया है। जिनके दस्तावेज सही हैं, उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कहीं नियमों का उल्लंघन या फर्जीवाड़ा पाया गया तो उसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों ने मेहनत की है, उनके भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। मेडिकल कॉलेज और सीटें बढ़ाना हमारी उपलब्धि है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है कि इसका लाभ पात्र विद्यार्थियों को ही मिले। इस मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं होगी।

नियम 7 के तहत होगा सत्यापन

छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) स्नातक प्रवेश नियम, 2025 के नियम 7 के अनुसार ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में पंजीयन, प्राथमिकता क्रम का निर्धारण, आवंटन, मूल दस्तावेजों की संवीक्षा एवं प्रवेश की प्रक्रिया शामिल है।

कांवड़ यात्रा में शामिल हुए...

कहा कि गुढ़ियारी के मारुति मंगलम परिसर से हजारों कांवड़िए पवित्र जल लेकर महादेव घाट स्थित भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए रवाना हुए हैं। शिवभक्तों के जयघोष और भक्ति से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा है। यह आयोजन केवल धार्मिक यात्रा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का उत्सव भी है।मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मंदिर छत्तीसगढ़ की प्राचीन शिव आराधना परंपरा का प्रमुख केंद्र है।

बिना टॉवर और केबल के दौड़ेगा सुपरफास्ट इंटरनेट, भारत में 'स्टारलिंक' लॉन्च करने की तैयारी में एलन मस्क

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क भारत के टेलीकॉम और इंटरनेट सेक्टर में बड़ा धमाका करने की पूरी तैयारी में हैं।

मस्क अपनी बहुचर्चित सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस 'स्टारलिंक' को भारत में उतारने के लिए लगातार जमीन तैयार कर रहे हैं। इसी बीच उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने भारत के उन सुदूर और ग्रामीण इलाकों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का बड़ा विजन साझा किया है, जहां आज भी पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क या 4त्र कनेक्टिविटी दम तोड़ देती है।

बिना मोबाइल टॉवर के कैसे काम करती है यह जादुई तकनीक?

स्टारलिंक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे काम करने के लिए जमीन पर किसी भी तरह के भारी-भरकम मोबाइल टॉवर या ऑप्टिकल फाइबर केबल के जाल की जरूरत नहीं होती। यह पूरी तरह से लो अर्थ ऑर्बिट (स्व्ह) सैटेलाइट्स पर आधारित इंटरनेट प्रणाली है।

इस सर्विस का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ता को केवल अपने घर या इमारत की छत पर एक छोटा सा डिश एंटीना (रिसीवर) लगाना होता है, जो सीधे अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स से सिग्नल पकड़कर यूजर को बिजली जैसी तेज इंटरनेट स्पीड मुहैया कराता है। हालांकि, भारत में स्टारलिंक की एंट्री का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है और कंपनी को कई जरूरी सरकारी मंजूरियों का इंतजार है। इससे पहले गृह मंत्रालय ने सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के चलते स्टारलिंक को हरी झंडी देने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। लेकिन मस्क हार मानने के मूड में नहीं हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने अपने अत्याधुनिक 'त्रद्दठ 2' सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन की मंजूरी के लिए भारतीय अंतरिक्ष नियामक में

दोबारा आवेदन किया है। इन नई पीढ़ी के सैटेलाइट्स की खासियत यह है कि ये सीधे मोबाइल डिवाइस से कनेक्ट होने (डायरेक्ट-टू-डिवाइस) की क्षमता भी रखते हैं।

ग्रामीण भारत में कनेक्टिविटी की खाई पाटने पर नजर

एलन मस्क ने हाल ही में एक पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए साफ किया कि स्टारलिंक का मुख्य फोकस भारत के उन इलाकों तक पहुंचना है, जहां इंटरनेट की पहुंच बेहद सीमित है। उन्होंने जिस रिपोर्ट का हवाला दिया, उसमें बताया गया है कि देश के तमाम गांवों में अब भी स्थिर 4त्र नेटवर्क का अभाव है और शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट डेंसिटी काफी कम है। मस्क का मानना है कि स्टारलिंक सीधे अंतरिक्ष से सिग्नल भेजकर इन दुर्गम इलाकों के डिजिटल अंधेरे को हमेशा के लिए दूर कर सकती है।

न्यूज गैलरी

क्रेडिट कार्ड को सक्रिय न करने पर भी न करें नजरअंदाज, शुल्क और बकाया से हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली। बैंक या वित्तीय कंपनी से क्रेडिट कार्ड घर पहुंचने के बाद यदि उसे सक्रिय नहीं किया जाता है, तो आमतौर पर उससे खरीदारी या भुगतान नहीं किया जा सकता। हालांकि, ऐसे कार्ड को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी उचित नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, कार्ड जारी करने वाली संस्था को कार्ड सक्रिय करने से पहले ग्राहक की स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है। ग्राहक की मंजूरी नहीं मिलने पर कार्ड को बंद करना जरूरी है। इसलिए क्रेडिट कार्ड मिलने के बाद उसकी सक्रियता की स्थिति, शुल्क, नियम और अन्य शर्तों की समय-समय पर जांच करते रहना चाहिए। यदि क्रेडिट कार्ड को सक्रिय नहीं किया गया है, तो सामान्य तौर पर उसका इस्तेमाल खरीदारी या किसी भुगतान के लिए नहीं किया जा सकता। हालांकि, कार्ड को केवल इसलिए अनदेखा कर देना सही नहीं है। ग्राहक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्ड की स्थिति क्या है और उस पर किसी प्रकार का शुल्क तो नहीं लगाया जा रहा है।यदि ग्राहक ने कार्ड को सक्रिय कर दिया है और इसके बाद उसका इस्तेमाल नहीं किया, तो स्थिति अलग हो सकती है। ऐसे कार्ड पर वार्षिक शुल्क या नवीनीकरण शुल्क लगाया जा सकता है। इसलिए कार्ड लेते समय शुल्क और उससे जुड़ी सभी शर्तों को ध्यान से पढ़ना जरूरी है।कई ग्राहक यह मान लेते हैं कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करने पर उससे जुड़े सभी शुल्क अपने आप समाप्त हो जाएंगे। ऐसा जरूरी नहीं है। कार्ड की शर्तों के अनुसार शुल्क लगाया जा सकता है और भुगतान नहीं करने पर बकाया राशि बन सकती है।यदि सक्रिय किए गए कार्ड पर कोई शुल्क या अन्य राशि बकाया है और ग्राहक उसका समय पर भुगतान नहीं करता, तो इसका असर उसकी वित्तीय स्थिति पर पड़ सकता है।क्रेडिट कार्ड की बकाया राशि समय पर नहीं चुकाने पर इसकी जानकारी ग्राहक की क्रेडिट रिपोर्ट में दर्ज हो सकती है। इससे साख अंक यानी क्रेडिट स्कोर प्रभावित होने की आशंका रहती है। भविष्य में ऋण या अन्य वित्तीय सुविधाएं लेने के दौरान इसका असर पड़ सकता है। इसलिए यदि कार्ड की आवश्यकता नहीं है, तो उसे केवल काटकर या फेंककर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। कार्ड जारी करने वाली बैंक या वित्तीय संस्था से संपर्क करके खाता बंद कराने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।

अमेज़न पर जुर्माना: राम मंदिर का प्रसाद बोलकर बेच रहे थे साधारण मिठाई

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की विक्रेता सेवा इकाई पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने यह कार्रवाई साधारण मिठाइयों को 'श्रीराम मंदिर अयोध्या प्रसाद' के नाम से बेचने और उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले विज्ञापन दिखाने के मामले में की है। उपभोक्ता नियामक की जांच में सामने आया कि अमेजन के मंच पर ऐसे उत्पादों की बिक्री की अनुमति दी गई, जिनके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की ओर से कोई आधिकारिक मंजूरी या प्रामाणिकता प्रमाण उपलब्ध नहीं था।केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अपने 19 पन्नों के आदेश में कहा कि 'श्रीराम मंदिर अयोध्या प्रसाद' शब्द देश के करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक और भावनात्मक महत्व रखता है। प्राधिकरण के अनुसार, बिना आधिकारिक अनुमति के सामान्य मिठाइयों को इस नाम से बेचकर व्यावसायिक लाभ कमाना उपभोक्ताओं को गुमराह करने के साथ-साथ उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है।प्राधिकरण ने कहा कि अमेजन जैसे बड़े ऑनलाइन मंच की व्यापक पहुंच के कारण उपभोक्ता ऐसे विज्ञापनों को वास्तविक और प्रमाणिक मान सकते हैं। इससे भ्रामक प्रचार के प्रभाव और संभावित नुकसान में वृद्धि होती है। यह मामला जनवरी 2024 में सामने आया था। अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ ने 19 जनवरी 2024 को अमेजन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अमेजन पर चार प्रकार की मिठाइयों को अयोध्या में श्रीराम मंदिर का प्रसाद बताकर 299 से 385 रुपये के बीच बेचा जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से तीन दिन पहले, 19 जनवरी को ही अमेजन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

विदेशी मुद्रा से लबालब होगी देश की तिजोरी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के मोर्चे से देशवासियों के लिए एक बेहद राहत और उत्साह बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। दुनिया भर में चल रही आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत का खजाना विदेशी मुद्रा से भरने जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आने वाले समय में देश के पास विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी।

इस सकारात्मक बदलाव से न केवल देश की आर्थिक सेहत मजबूत होगी, बल्कि लंबे समय में महंगाई पर लगाम कसने में भी बड़ी मदद मिलेगी, जिसका सीधा फायदा आम जनता की जेब तक पहुंचेगा। विदेशी मुद्रा भंडार में इस शानदार इजाफे के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक की एक अहम रणनीति ने काम किया है। आरबीआई ने विदेशी

50 अरब डॉलर की भारी बचत का अनुमान

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत का 'बैलेंस ऑफ पेमेंट्स' 50 अरब डॉलर के शानदार सरप्लस में रहने की उम्मीद है। सरप्लस का सीधा अर्थ यह है कि देश से जितना पैसा बाहर जा रहा है, उसके मुकाबले कहीं ज्यादा विदेशी मुद्रा भारत आ रही है। इस मजबूत स्थिति का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि देश का चालू खाता घाटा जीडीपी के महज 1 प्रतिशत तक ही सीमित रह जाएगा, जो किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए एक बेहतरीन संकेत है।

मुद्रा जुटाने के लिए एफसीएनआर डिपॉजिट स्कीम पेश की थी, जो पूरी तरह से सफल साबित हुई है। इस योजना के जरिए अब तक देश में 57 अरब डॉलर की भारी-भरकम रकम आ चुकी है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि अगस्त के बचे हुए दिनों में 25 से 30 अरब डॉलर का निवेश और आ सकता है, जिससे यह आंकड़ा 85 अरब डॉलर के करीब पहुंच जाएगा। विदेशी निवेश के इस मजबूत प्रवाह से भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति काफी बेहतर हुई है।

अक्सर जब इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी पैसा देश में आता है, तो उसके प्रबंधन को लेकर कई तरह की चिंताएं पैदा होती हैं। बाजार में भी आरबीआई की स्वैप सुविधा की लागत को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन एसबीआई रिसर्च ने इन सभी चिंताओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि पांच साल की कुल हेजिंग लागत लगभग 10.5 अरब डॉलर होगी। भारत के 700 अरब डॉलर के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार को देखते हुए यह खर्च मात्र 1.45 प्रतिशत है, जो इस बंपर खजाने के फायदों के आगे नाममात्र है।

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग दवाइयां बनाने की तैयारी

■ पीएम मोदी से मुलाकात में स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान

नई दिल्ली/नवप्रदेश। अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की। पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

फ्यूल स्टेशन, सफाई रोबोट और दवा बनाने वाली सैटेलाइट्स

भारतीय स्टार्टअप्स कई नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं:

स्पेस पेट्रोल पंप: एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।

कचरा हटाना: एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और 'डेड' सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

स्पेस फार्मा: एक स्टार्टअप ऐसे सैटेलाइट्स तैयार कर रहा है जो अंतरिक्ष की जीरो-ग्रेविटी में दवाइयां बनाएंगे और धरती पर लाएंगे।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

प्रतियोगिता: ट्रीसा-गायत्री ने रचा इतिहास

क्वार्टर फाइनल जीतकर पक्का किया पदक

नईदिल्ली। भारत की गैर-वरीयता प्राप्त युवा महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अपनी चमत्कारी फॉर्म जारी रखते हुए बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 में भारत का पहला पदक सुनिश्चित कर दिया है। इस जोड़ी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर एरिना में खेले गए क्वार्टर फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी जिया यिफान और झांग शुक्सियन को 16-21, 21-15, 21-13 से

हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ऐसे में अब उनका पदक जीतना पक्का है।ट्रीसा और गायत्री की भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी के खिलाफ अपने 0-3 के रिकॉर्ड के बावजूद हार नहीं मानी और शानदार खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की।चीनी जोड़ी ने पहला सेट 16-21 से अपने नाम कर ट्रीसा-गायत्री पर दबाव बनाया था।हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में दमदार प्रदर्शन करते हुए 21-15 से जीत हासिल कर ली।इसके बाद निर्णायक सेट में भारतीय जोड़ी ने विरोधियों को कोई मौका नहीं दिया और 21-13 जीत दर्ज कर ली।भारतीय बैडमिंटन इतिहास में महिला युगल को हमेशा से एक कठिन श्रेणी माना जाता रहा है। साल 2011 में जब ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, उसके बाद से कोई भी भारतीय महिला जोड़ी पदक के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी।

लद्दाख में बनेगा दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम

***11,800 फीट की ऊंचाई पर गूंजेगा क्रिकेट का रोमांच**

नई दिल्ली। भारत के नाम एक और बड़ी खेल उपलब्धि जुड़ने जा रही है। लद्दाख में समुद्र तल से करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की योजना तैयार की गई है। लेह के पास थिक्से इलाके में प्रस्तावित इस स्टेडियम के निर्माण पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

लद्दाख में क्रिकेट की बुनियाद मजबूत करने और स्थानीय युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह परियोजना तैयार की गई है। प्रस्तावित स्टेडियम का नाम 'रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम' रखा जा सकता है।

लद्दाख प्रशासन का लक्ष्य क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देना और स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। स्टेडियम बनने के बाद घरेलू स्तर के मुकाबलों के आयोजन के साथ-साथ खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास का बेहतर विकल्प मिलेगा।

अमृतसर सूरमाज की कप्तानी मेरे लिए गर्व की बात : अभिषेक शर्मा

अमृतसर। भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शेर ए पंजाब टी20 लीग में अमृतसर सूरमाज की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि अपने गृहनगर की टीम की कप्तानी करना बेहद खास है। मैं अमृतसर सूरमाज की कप्तानी करने और पंजाब की अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को आगे बढ़ाने को लेकर उत्साहित हूं। अभिषेक शर्मा ने कहा, इस टीम की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है और साथ ही एक भावनात्मक जिम्मेदारी भी है। पंजाब ने मेरे क्रिकेट सफर में मुझे सब कुछ दिया है। अब सिर्फ खिलाड़ी के रूप में नहीं, बल्कि अपने गृह राज्य की टी20 लीग में एक फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा, मेरी व्यक्तिगत सोच हमेशा पहली गेंद से ही विपक्ष पर दबाव बनाने की रही है और मैं चाहता हूं कि यही मानसिकता पूरी प्लेइंग इलेवन में दिखाई दे। बल्लेबाजी, गेंदबाजी या फील्डिंग—किसी भी विभाग में हमें असफलता के डर के साथ नहीं खेलना चाहिए।

कोको गॉफ सेमीफाइनल में पहुंची, सारा बेजलेक से होगी फाइनल में पहुंचने की जंग

सिनसिनाटी। कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले कई सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। जीत के बाद गॉफ ने कहा, यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। हम पक्का एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा। बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

पूर्व क्रिकेटर जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने मामले में बड़ी राहत, सभी आरोपों से बरी

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी और वडोदरा निवासी जैकब मार्टिन को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने 22 साल पुराने आपराधिक मामले में बड़ी राहत दी है। अदालत ने वर्ष 2004 में दर्ज प्राथमिकी से जुड़े मामले में मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अदालत के फैसले के बाद भावुक हुए मार्टिन ने कहा कि उन्हें बड़े क्रिकेटर होने की वजह से इस मामले में घसीटा गया और पिछले 22 वर्षों के दौरान उन्हें काफी मानसिक और व्यक्तिगत परेशानियों का सामना करना पड़ा। जैकब मार्टिन के खिलाफ वर्ष 2004 में धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेज का इस्तेमाल, आपराधिक साजिश और पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर ब्रिटेन के फर्जी आव्रजन मुहर लगाने और अवैध यात्रा की व्यवस्था कराने जैसे आरोप लगाए गए थे। मामले की जांच के दौरान उनका नाम भी सामने आया और उन्हें आरोपी बनाया गया।

यश की टॉक्सिक का अंग्रेजी ट्रेलर आया सामने, 11 सेकंड कम पर एक्शन से भरपूर

यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा। ट्रेलर 9 अगस्त को एक शानदार इवेंट में रिलीज किया गया जिसके बाद से फैंस के मन में इसको लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

एक तरफ जहां कुछ फैन्स ने ट्रेलर के विजुअल्स और स्केल की तारीफ की, वहीं दूसरों ने इसके डायलॉग्स और इसे पेश करने के कुछ तरीकों की आलोचना की। अब मेकर्स ने ट्रेलर का इंग्लिश वर्जन भी रिलीज कर दिया है।

अब इसको लेकर एक अलग बहस छिड़ गई है। इंटरनेट का मानना है कि यह हिंदी वर्जन से बेहतर है। तो वहीं कुछ लोग तो

इसे आलोचना का सही जवाब भी बता रहे।

इंग्लिश ट्रेलर ने कई दर्शकों को आकर्षित किया। वहीं कुछ ने इसे सिर्फ हिंदी वर्जन की डबिंग करने के बजाय इंग्लिश में शूट करने के मेकर्स के फैसले की तारीफ की। फैंस ने कियारा आडवाणी के इंग्लिश डायलॉग बोलने के अंदाज और आवाज के उतार-चढ़ाव की भी तारीफ की है। कुछ लोगों ने तो ट्रेलर को सीधे हॉलीवुड फिल्म जैसा भी बताया है।फैंस ने यश और कियारा की अंग्रेजी में डायलॉग डिलीवरी की तारीफ की। एक ने लिखा,टॉक्सिक के इंग्लिश ट्रेलर में कियारा आडवाणी की आवाज का उतार-चढ़ाव और डायलॉग बोलने का अंदाज जबरदस्त है। वह सच में बहुत टैलेंटेड हैं। एक अन्य कमेंट था,परफेक्ट एक्सेंट और डायलॉग डिलीवरी, यश ने इंग्लिश ट्रेलर में कमाल कर दिया।तीसरे ने लिखा-अभी-अभी टॉक्सिक का इंग्लिश ट्रेलर देखा। इसकी डबिंग हॉलीवुड लेवल की है। स्केल,साउंड और इंटेंसिटी बेहतरीन हैं।गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश डबल रोल में नजर आएंगे। उनके साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी होंगी। यह फिल्म छह भाषाओं हिंदी,तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और अंग्रेजी में रिलीज होगी।

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, वह इमोशनली समझदार और मेंटली

मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है। अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं।हर्षिता गौर ने कहा, असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है।

जनसेवा ही भावना

जनसेवा का संकल्प, विकास की नई पहचान

विधायक भावना बोहरा की कार्यशैली से बदली पंडरिया विधानसभा की तस्वीर

जनता की सेवा को बनाया लक्ष्य, समृद्ध पंडरिया की ओर बढ़ते कदम, विधायक भावना बोहरा की संवेदनशीलता और कार्यशैली

हिंदुत्व की ध्वज वाहक, पंडरिया विधानसभा के विकास हेतु समर्पित, लोकप्रिय एवं उत्कृष्ट विधायक **भावना दीदी** को

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं...

जनता के बीच रहकर उनकी जरूरतों को समझना, समस्याओं को अपनी जिम्मेदारी मानना और समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना है। इसी सोच के साथ पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनसेवा को अपने कार्य का आधार बनाया है। उनकी कार्यशैली में संवेदनशीलता भी है, सक्रियता भी और क्षेत्र के विकास के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता भी। विधायक के रूप में भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा की उन बहुप्रतीक्षित मांगों को प्राथमिकता दी है, जिनका इंतजार क्षेत्र की जनता लंबे समय से कर रही थी। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, युवाओं के लिए अवसर, महिलाओं का सशक्तिकरण, ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार, हर क्षेत्र में आवश्यकताओं को चिन्हित कर उन्हें विकास की प्राथमिकताओं से जोड़ने का प्रयास निरंतर जारी है।

उनकी कार्यशैली की एक विशेष पहचान उनकी विधानसभा में सक्रियता और जनहित के विषयों को मजबूती से उठाना है। क्षेत्र की समस्याओं को सदन तक पहुंचाने से लेकर संबंधित विभागों और शासन-प्रशासन के स्तर पर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना उनकी कार्यप्रणाली का हिस्सा रहा है। जनता से जुड़े मुद्दों पर उनकी सक्रिय भागीदारी और सार्थक प्रयासों को वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा उत्कृष्ट विधायक के सम्मान से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुविधाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के प्रयास हों, शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर देने की पहल हो, युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने की योजनाएं हों या महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास, इन पहलों के पीछे एक ही सोच दिखाई देती है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। पंडरिया विधानसभा के वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जरूरतों को समझना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। आज पंडरिया की जनता के बीच यह विश्वास मजबूत हो रहा है कि उनकी आवाज को सुनने वाली, उनके सुख-दुःख में साथ खड़े रहने वाली और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास करने वाली नेतृत्व उनके बीच मौजूद है।

1200 करोड़ से अधिक के विकास कार्य, पंडरिया विधानसभा एवं वनांचल क्षेत्रों में बिछ रहा सड़कों का जाल

महाविद्यालयीन छात्राओं हेतु 10 निःशुल्क बस सेवा का संचालन, 2000 से अधिक छात्राओं को मिला लाभ

आपातकालीन परिस्थिति में 08 निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा बनी संजीवनी, 25000 से अधिक लोगों को आपातकालीन समय में मिली त्वरित सहायता

निःशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब का संचालन, गाँव-गाँव पहुंची स्वास्थ्य सेवा, 14000 से अधिक लोगों को मिला लाभ

लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग: उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते युवाओं के कदम, 250 युवाओं को IIT-JEE,CGPSC और NEET जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग सुविधा

जनता से संवाद-त्वरित समाधान : पंडरिया विधानसभा के 7 प्रमुख स्थानों में जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र की स्थापना

ग्राम सेमरहा के 24 बच्चों के लिए बनीं "विधायक माँ" : बच्चों की शिक्षा, विवाह व रोजगार की जिम्मेदारी निभा रहीं

छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना : लगातार 2 वर्षों से माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव तक 151 किलोमीटर कांवड़ पदयात्रा

हिंदुत्व की नई पहचान : 700 से अधिक लोगों की घर वापसी

5 वर्षों से निरंतर कबीरधाम जिले के कावंड़ यात्रियों हेतु अमरकंटक में निःशुल्क विश्राम व भोजन की सुविधा

पंडरिया सेवा सदन – रायपुर में पंडरिया विधानसभा की जनता का आशियाना

भावना दीदी की साइंस पाठशाला : सरकारी स्कूल के छात्र-छात्राएं उड़ाएंगे ड्रोन और सीखेंगे रोबोटिक्स

विनीत : समस्त भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी, पंडरिया विधानसभा

छत्तीसगढ़ में भगवान महादेव की कृपा से खुशहाली और समृद्धि है : मुख्यमंत्री साय

■ शिव महापुराण कथा श्रवण करने मुख्यमंत्री साय सपत्नीक कथा स्थल पहुँचे

■ व्यास पीठ का पूजा अर्चना कर प्रदेश के जनता की खुशहाली की कामना की

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले के भिलाई नगर स्थित जयंती स्टेडियम के समीप आयोजित शिव महापुराण कथा के आज अंतिम दिवस मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशिल्या देवी साय के साथ कथा श्रवण करने पहुंचे। उन्होंने व्यास पीठ का पूजा अर्चना कर प्रदेश के जनता की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विशाल शिवभक्तों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि माता कौशिल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्री राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ प्रदेश के इस्पात नगरी भिलाई की पावन भूमि में बीते सात दिनों से शिव भक्ति की अविरल धारा बह रही है। यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को अध्यात्म से सीधे जुड़ने का अवसर मिला है। आज मैं भी सपत्नीक कथा श्रवण करने पहुंचा हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान भोलेनाथ हमारे प्रदेश के चारों दिशाओं में विराजमान है। रायपुर में हटकेश्वर महादेव और कवर्धा में वे भोरमदेव कहे जाते हैं। राजीम में कुलेश्वर महादेव, चम्पारण में चम्पेश्वर महोदव, गरियाबंद में भुतेश्वर महोदव, सिरपुर में गंधेश्वर महोदव, जशपुर में मधेश्वर महोदव के रूप में पूजे जाते हैं। इस तरह छत्तीसगढ़ के चप्पे-चप्पे पर देवाधिदेव भगवान महोदव की कृपा है। उनके आशीर्वाद से सभी ओर खुशहाली और समृद्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा परम सौभाग्य है कि भगवान शिव के साथ-साथ माँ शक्ति भी छत्तीसगढ़ में जगह-जगह विराजमान है। प्रदेश सरकार ने पांच शक्तिपीठों सुरजपुर की कुदरगढ़ी माता, चन्द्रपुर की माँ चन्द्रहासिनी, रतनपुर की माँ महामाया, डोंगरगढ़ की माँ बम्लेश्वरी और दन्तेवाड़ा की माँ दन्तेश्वरी शक्तिपीठों के लिए विकास की योजना बनायी है। इन्हें चारधाम तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। यहां के धार्मिक तीर्थों के विकास के साथ प्रदेश सरकार श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित कर रही है। इस योजना से अब तक 50 हजार से अधिक लोग अयोध्या जाकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन कर चुके हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को एक बार फिर से शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी देश-दुनिया में शिव महापुराण कथा सुनाकर सनातन धर्म को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। इस्पात नगरी भिलाई में शिव महापुराण कथा का लगातार तीसरी बार आयोजन है। प्रदेश वासियों की तरफ से कथा वाचक पंडित मिश्रा जी का स्वागत किया तथा शिव महापुराण कथा आयोजन समिति को उनके सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधायक रिकेश सेन, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल तथा आयोजन समिति के दया सिंह एवं अन्य पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में शिव भक्त कथा श्रवण करने उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की कल बैठक

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला पंचायत दुर्ग की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 25 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। यह बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में पूर्वान्ह 11:30 बजे से शुरू होगी। इस संबंध में जिला पंचायत प्रशासन द्वारा समिति के सभी सदस्यों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। बैठक में सभापति की अनुमति से अन्य विविध एवं विकास कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

आईटीआई में नवप्रवेशित के लिए 'नव कौशल पथ' कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग/नवप्रदेश। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) भिलाई में विगत दिवस नव प्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों के लिए दो दिवसीय 'नव कौशल पथ-नई राह, नया हुनर' इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान के नियम-अनुशासन, प्लेसमेंट, अप्रेंटिसशिप, डिप्लोमा में लेटरल एंट्री, ओजेटी एवं सीबीटी परीक्षा प्रक्रिया की जानकारी दी गई। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई से प्राप्त जानकारी अनुसार करियर गाइडेंस एवं जॉब मार्केट ओरिएंटेशन के दौरान विशेषज्ञों ने बदलते रोजगार बाजार, प्रभावी बायोडाटा-सीवी, संचार एवं साक्षात्कार कौशल तथा आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स पर मार्गदर्शन दिया। पूर्व सफल प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर सोनल डेविड सहित रोजगार विभाग, उद्योग एवं एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्राचार्य टी.एस. तवर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तीज मिलन समारोह में महिलाओं ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय महिला समाज, दुर्ग नगर इकाई द्वारा शंकर नगर स्थित सामाजिक भवन में तीज मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साहित्यकार सुधा वर्मा, अध्यक्ष विद्या वर्मा एवं विशेष अतिथि श्रीमती चमेली वर्मा उपस्थित रहीं। सावन महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम में सामूहिक हाऊजी, विभिन्न गेम्स और सामूहिक नृत्य सहित कई मनोरंजक गतिविधियां हुईं। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं ने उम्र की सीमाओं से परे जिस उत्साह के साथ नृत्य एवं अन्य गतिविधियों में हिस्सा लिया, वह प्रेरणादायी है। इस वर्ष तीज मिलन समारोह में करीब 80 महिलाओं ने सहभागिता की, जिसमें पहली बार युवा महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम में अध्यक्ष कांति चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष सविता वर्मा, सचिव पुष्पा मंडरिक सहित सुमन, नलिनी, मीना, अन्नपूर्णा, किरण वर्मा, पुष्पा बघेल, जानकी वर्मा, शशि बघेल, नीता वर्मा, सपना वर्मा, अरुणा, तुलसी, लता, हेमलता, शशि, शांति, नेता, मीना सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

कथा से लौट रहे युवक की मौत

भिलाई/नवप्रदेश। सेक्टर-6 में सतनाम भवन के पास सड़क हादसे में रामनगर निवासी दुष्यंत सिन्हा (20) की मौत हो गई। दुष्यंत अपने दोस्त के साथ पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा से लौट रहा था। इसी दौरान उनकी गाड़ी की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई, जो कि नगर निगम के बताई जा रही है। टक्कर इतनी तेज थी कि दुष्यंत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद टक्कर ड्राइवर मौके से भाग निकला, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। घटना भिलाई नगर थाना क्षेत्र की है।

हाथ में स्किल और जीवन में संस्कार सबसे जरूरी : शिक्षा मंत्री गजेंद्र

भिलाई/नवप्रदेश। सिर्फ पढ़ाई से पूरी योग्यता नहीं आती, बच्चों के हाथ में स्किल और जीवन में अच्छे संस्कार होना भी जरूरी है। स्कूलों में पढ़ाई के साथ संस्कारों को भी शामिल किया जा रहा है, ताकि बच्चे ज्ञान के साथ जिम्मेदारी और अच्छे व्यवहार को भी समझें। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने रुंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय 'उन्नयन' के समापन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने, सवाल करने और अपनी बात रखने के अवसर मिलने चाहिए। ऐसे मंच उन्हें आगे की जिंदगी के लिए तैयार करते हैं। उन्नयन के समापन के साथ जेन-जी लोकसभा का सत्र भी पूरा हुआ। इसमें स्कूली विद्यार्थियों ने सांसद, मंत्री और विपक्ष की भूमिका निभाते हुए साइबर सुरक्षा से जुड़े बिल पर बहस की। डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरे, साइबर अपराध, गलत सूचना, डेटा की सुरक्षा और एआई के गलत इस्तेमाल जैसे मुद्दों पर पक्ष-विपक्ष ने तर्क रखे। सवाल-जवाब और बहस के बाद बिल पर मतदान कराया गया, जिसे बहुमत से पारित कर दिया। बच्चों ने सदन की प्रक्रिया को करीब से समझा और जाना कि किसी प्रस्ताव को कानून का रूप देने से पहले किस तरह चर्चा और तर्क जरूरी होते हैं।

प्रतिभा को मिला मंच

दो दिवसीय आयोजन में खेल और रचनात्मक गतिविधियों को भी बराबर जगह दी गई। शतरंज में रणनीति, गली क्रिकेट में टीम भावना, ई-स्पोर्ट्स में तेजी और निर्णय क्षमता, क्विज में सामान्य ज्ञान और त्वरित सोच की परीक्षा हुई। एस्केप रूम और ट्रेजर हंट में बच्चों को सुरागों के जरिए समस्या हल करने की चुनौती मिली। ओपन माइक और सुर चेक में गायन के जरिए प्रतिभा सामने आई। दूसरे दिन नृत्य, नुक्कड़ नाटक, पिचिंग और मार्केटिंग स्ट्रेटजी जैसी गतिविधियों में भी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इन खेलों में विजेता रहे बच्चों को मंत्री गजेंद्र ने पुरस्कृत किया।

बच्चों ने जीते नकद पुरस्कार

रुंगटा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति संतोष रुंगटा ने उन्नयन को बच्चों के लिए अपनी रुचि और क्षमता पहचानने का मंच बताते हुए कहा कि आज के समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। बच्चों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक कौशल, रचनात्मकता और टीम के साथ काम करने की क्षमता भी विकसित करनी होगी। वहीं कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी ने कहा कि विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर सीखने के जितने अधिक अवसर मिलेंगे। उन्नयन का प्रयास इसी सोच के साथ बच्चों को अलग-अलग अनुभव देने का रहा। विजेता बच्चों को नकद पुरस्कार दिए गए।

शतरंज दिमागी कौशल बढ़ाने का सशक्त माध्यम : त्रिलोक सिंग

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जीएच रायसोनी स्मृति संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा का शुभारंभ खालसा पब्लिक स्कूल में हुआ। मुख्य अतिथि खालसा एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन त्रिलोक सिंग ढिल्लन ने शतरंज की चाल चलकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। अध्यक्षता समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने की। ढिल्लन ने कहा कि शतरंज दिमागी कौशल बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। मोबाइल से दूर होकर बच्चों का इस खेल से जुड़ना खुशी की बात है। कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों की छिपी प्रतिभा सामने आती है। प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग के 164 स्कूली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

विजेताओं को कुल 50 हजार नगद पुरस्कार, 56 ट्रॉफी व मोमेंटो तथा सभी प्रतिभागियों को मेडल और ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलवीर सिंग सलूजा, सुरेंद्र सिंग कबरवाल, बलबीर सिंग अरोरा, रॉकी देवांगन सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन तुलसी सोनी एवं आभार ईश्वर सिंह राजपूत ने व्यक्त किया।

बीएसपी के 4 कर्मियों को मिला शिरोमणि पुरस्कार

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए चार कर्मियों को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार कार्यक्षेत्र में नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति तथा सुरक्षा मानकों के अनुरूप उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है।

समारोह में जूनियर इंजीनियर प्रकाश चन्द्र पटेल, जूनियर इंजीनियर एसोसिएट लक्ष्मीकांत प्रसाद, इंजीनियर एसोसिएट राजेश शर्मा एवं जूनियर इंजीनियर एसोसिएट श्याम लाल को शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्य महाप्रबंधक आरएसएम टी. दस्तीदार ने पुरस्कार विजेताओं को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र, उनके जीवनसाथियों के लिए प्रशंसा-पत्र तथा मिठाई कूपन देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके समर्पण, कर्मठता और योगदान की सराहना की तथा भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक एनके खरे, आरके राजधर, अरविन्द टंडन, प्रशांत खोंड, एमके साहू, दुर्जती सिन्हा, उपमहाप्रबंधक सुनील कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

पुरस्कार प्राप्त कर्मियों ने कहा कि इस सम्मान से उनका मनोबल बढ़ा है। कार्यक्रम के आयोजन में वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री अनुराधा साहा, सहायक प्रबंधक इतवारी राम चेलक, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी जसबीर सिंह, राजेश बाबू एवं भुवन लाल साहू का उल्लेखनीय योगदान रहा। श्री दस्तीदार ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी कर्मियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण, कर्मठता एवं उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

7 स्कूलों में आरओ वाटर कूलर स्थापना हेतु 31.50 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों में 7 विकास कार्यों के लिए कुल 31.50 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग द्वारा किया जाएगा। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के पाटन विकासखंड अंतर्गत कुल 7 विद्यालयों में 250 एलपीएच के वाटर प्यूरीफिकेशन इनबिल्ट आरओ वाटर कूलर प्लांट स्थापना कार्य की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी उत्कृष्ट विद्यालय चरोदा भिलाई-3, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी उत्कृष्ट विद्यालय भिलाई 03, शा.उ.मा. शाला देवबलोदा आदि शामिल है।

तपस्वियों की अनुमोदना : कार्यक्रम में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मासक्षमण तपस्वियों की अनुमोदना एवं सम्मान में मंगलगान कार्यक्रम

दुर्ग/नवप्रदेश। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में श्रमण संघ महिला मंडल के मार्गदर्शन में मासक्षमण तपस्वियों की अनुमोदना एवं सम्मान के लिए मंगलगान कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि महाराज एवं साध्वी लक्ष्मी म.सा. के पावन सानिध्य में हुए कार्यक्रम में जय आनंद मधुकर रतन पाठशाला के बच्चों ने भावपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र महाराज ने कहा, ÷किसी के उपकार को अपना अधिकार मत समझो।÷ उन्होंने कहा कि जीवन में मिलने वाले सहयोग और उपकार के प्रति सदैव कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। उपकार को अधिकार मान लेने से अहंकार और अपेक्षा जन्म लेती है। जैन दर्शन संयम, तप, त्याग, कृतज्ञता और आत्मचिंतन का मार्ग दिखाता है। उन्होंने श्रेणिक चरित्र का क्रमशः वर्णन करते हुए कहा कि तपस्या केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि की साधना है। तप और संयम के माध्यम से मनुष्य अपने कर्मों का क्षय करते हुए आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है। कार्यक्रम में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रमण संघ की ओर से मासक्षमण की कठिन तपस्या करने वाले तपस्वियों का अभिनंदन एवं अनुमोदना की गई। जय आनंद मधुकर रतन भवन में टीकाराम पराजुली, मंजू संचेती, खुशबू बाधमार, कुमारी भूमिका पारख सहित अनेक तपस्वियों की मासक्षमण तपस्या गतिमान है। श्रावक-श्राविकाओं ने तपस्वियों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, आत्मबल एवं आध्यात्मिक उन्नति की मंगलकामना की। श्रमण संघ महिला मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जय आनंद मधुकर रतन पाठशाला के बच्चों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन रुचिका बाघमार ने किया। आयोजन के संयोजन में चंदा रुणवाल, लता छाजेड़, अंकिता संचेती, अरुणा रतनबोहरा, कविता रतनबोहरा, रोमा पारख सहित महिला मंडल की सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में मंगलगान, तपस्वियों का सम्मान एवं विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। उपस्थित श्रद्धालुओं ने तपस्वियों की कठिन साधना की अनुमोदना करते हुए उनके प्रति मंगलभाव प्रकट किया।

'मम्मी खेलने जाऊं' से 'चार्जर देना' तक...

मोबाइल ने बदल दिया बचपन

शाम के पांच बजते ही कभी मोहल्ले का मैदान बच्चों की आवाजों से गूंज उठता था- कहीं गिल्ली-डंडे की टकराहट, कहीं कंचों की खनक, कहीं पिट्ठू के लिए होने वाली नोकझोंक। कहीं कबड्डी-कबड्डी का शोर... झूलों पर कब्जे के लिए झगड़े होते थे और शाम तब खत्म होती थी, जब किसी मां की आवाज आती थी- 'अरे, घर चलो!' आज भी वही शाम है। वही मैदान है। वही झूले हैं। बस बच्चे नहीं हैं। हर घर की खिड़की से निकलती नीली रोशनी बता रही है कि बच्चे मैदान में नहीं, मोबाइल की स्क्रीन के भीतर मौजूद हैं। कभी जिस बेटे की पहली मांग होती थी- 'मम्मी, खेलने जाऊं?' आज उसकी सबसे बड़ी जरूरत है- 'मम्मी, चार्जर देना।' घर में साइकिलें जंग खा रही हैं, किताबों पर धूल जम रही है और आंखें स्क्रीन पर टिक गई हैं। मां पास बैठी है, पिता सामने हैं, थाली में खाना है, लेकिन बच्चा किसी दूसरी दुनिया में है- एक ऐसी दुनिया, जहां दोस्त ऑनलाइन हैं, खेल ऑनलाइन हैं और बचपन भी ऑनलाइन हो गया है। यह सिर्फ किसी एक बच्चे की कहानी नहीं है। अधिकांश घरों में यही हालात है। यह हर उस बचपन की कहानी है, जो हमारी आंखों के सामने मैदान से उठकर मोबाइल में कैद हो गया। नवप्रदेश की ऑनलाइन चौपाल में जब बच्चों ने अपने मन की बात कही, तो सामने सिर्फ मोबाइल की लत नहीं, बल्कि एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ... क्या स्क्रीन की नीली रोशनी हमारे बच्चों के बचपन का रंग छीन रही है?

नवप्रदेश की ऑनलाइन चौपाल में बच्चों ने खोला दिल, कहा- होमवर्क मोबाइल पर आता है तो करें क्या?

बचपन स्क्रीन पर अटकाः मोबाइल की लत में खोता मासूमपन

रायपुर/नवप्रदेश। आज का बच्चा पार्क में गिल्ली-डंडा खेलते नहीं, मोबाइल की स्क्रीन पर अंगूठा घिसते हुए दिखता है। उसका बचपन कंचे, गिट्टी और लंगड़ी टांग में नहीं, इंस्टा रील और पबजी की दुनिया में बीत रहा है। बच्चों में बढ़ती इस डिजिटल लत को लेकर राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नवप्रदेश ने एक अनोखी पहल की। नवप्रदेश ने स्कूली और कॉलेज के बच्चों को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जोड़ा, जहां बच्चे, उनके माता-पिता और एक्सपर्ट आमने-सामने हुए। इस वर्चुअल मीटिंग में बच्चों ने दिल खोलकर बताया कि वे मोबाइल से आखिर चाहते क्या हैं और क्यों नहीं छोड़ पा रहे हैं।

बातचीत की शुरुआत बच्चों के परिचय से हुई। चौथी से लेकर कॉलेज तक के बच्चों ने अपनी पढ़ाई और दिनचर्या साझा की। ज्यादातर बच्चों का एक ही जवाब था- 'सर, हमें मजबूरी में मोबाइल चलाना पड़ता है।' स्कूली बच्चों ने कहा कि स्कूल का सारा होमवर्क अब व्हाट्सएप ग्रुप पर आ रहा है। नोट्स, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट, पीडीएफ सब मोबाइल पर...। मोबाइल नहीं मिलेगा तो होमवर्क कैसे करेंगे? कॉलेज के छात्रों ने बताया कि ऑनलाइन क्लास, गूगल मीट और यूट्यूब लेक्चर के बिना पढ़ाई अधूरी है। यहीं से मोबाइल के लत की शुरुआत होती है। बच्चों ने ईमानदारी से कबूल किया कि पढ़ाई के बीच में ही नोटिफिकेशन आ जाता है और हम गेम खोल लेते हैं। एक बच्चे ने कहा 'होमवर्क सर्च करते-करते कब गेम पर चले जाते हैं पता ही नहीं चलता।' दूसरा बोला '10 मिनट के लिए रील देखता हूं, घंटा निकल जाता है।'

माता-पिता ने चिंता जताई कि मोबाइल की वजह से बच्चे परिवार से कट रहे हैं। साथ बैठकर खाना नहीं, बात नहीं, सिर्फ कमरे में अकेले स्क्रीन। एक मां ने कहा 'मेरा बेटा पहले शाम को साइकिल चलाता था, अब शाम से रात तक हेडफोन लगाकर गेम खेलता है। उसका बचपन कहीं खो गया है।' एक मां ने कहा कि बच्चा पहले शाम को खेलने निकलता था, अब तो जाता ही नहीं... बल्कि मोबाइल लेकर बैठ जाता है। टीवी स्क्रीन से भी बच्चे दूर हो रहे हैं। पहले टीवी पर कार्टून चैनल बच्चे देखते थे... अब उनसे भी दूरी बन रही है।

एआई इमेज

नियम मानोगे तो पिकनिक पर ले जाऊंगाः यशवंत धोटे

ऑनलाइन चौपाल में नवप्रदेश के प्रधान संपादक यशवंत धोटे ने भी बच्चों से सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों को एक दोस्त की तरह समझाया। उन्होंने कहा 'बच्चो, मोबाइल सिर्फ पढ़ाई के लिए इस्तेमाल करो। बेवजह गेमिंग और रील स्क्रॉल करना बंद करो। मोबाइल में पढ़ाई और ज्ञानवर्धक चीजें ही खोजें। रील्स, गेमिंग यह सब समय ही खराब करेगा। इसी बीच कुम्हारी की एक बच्ची ने कहा कि आप हमें पिकनिक पर ले जाओ...। प्रधान संपादक यशवंत धोटे ने कहा कि अगर आपने ये नियम माना तो मैं खुद आप सबको पिकनिक पर ले जाऊंगा।' ये सुनते ही ऑनलाइन जुड़े बच्चों के चेहरे खिल उठे और सबने एक साथ मोबाइल से सिर्फ पढ़ाई की हामी भरी।

मोबाइल छोड़ बच्चों के साथ बात करेंगे माता-पिता

मीटिंग के अंत में सभी अभिभावकों ने एक स्वर में कहा कि स्कूलों को होमवर्क का बोझ मोबाइल से कम करना होगा और माता-पिता को भी बच्चों के साथ रोज एक घंटा बिना मोबाइल के बिताना होगा। तभी बचपन वापस लौटेगा, वरना स्क्रीन पर अटका बचपन एक दिन बड़ी कीमत वसूल लेगा। बच्चों के साथ समय बिताना बहुत जरूरी है। उनकी बातें सुने और उन्हें सही-गलत का फर्क बताएं।

मोबाइल की लत एक राष्ट्रीय चिंताः श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार अशोक श्रीवास्तव ने नवप्रदेश के इस नवाचार की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि आज जब अखबार सिर्फ खबर छापते हैं, नवप्रदेश समाज की नब्ज पर हाथ रख रहा है। मोबाइल की लत एक राष्ट्रीय चिंता है और इस पर बच्चों से सीधी बात करना ही इसका पहला इलाज है। उन्होंने स्कूल प्रबंधकों से आग्रह किया कि बच्चों को कम से कम मोबाइल पर होमवर्क भेजा जाए। स्कूल की पढ़ाई को मोबाइल पर भेजकर वर्कलोड न बढ़ाएं। बच्चे मोबाइल लेते हैं और पढ़ाई से हटकर गेमिंग और रील्स की तरफ पहुंच जाते हैं।इससे उनकी पढ़ाई का नुकसान होता है।

क्रिकेट, फुटबाल, दौड़ सहित मैदानी खेलों से जुड़ेः चंद्रशेखर

इस गंभीर मसले पर चंद्रशेखर धोटे ने काउंसलर की भूमिका निभाते हुए बच्चों को समझाते हुए मोबाइल के दुष्प्रभावों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि मोबाइल आंखों के साथ-साथ दिमाग की एकाग्रता भी खा रहा है। लगातार स्क्रीन से चिड़चिड़ापन, नींद की कमी और अकेलापन बढ़ रहा है। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि मोबाइल को दुश्मन मत बनाओ, बल्कि इस्तेमाल को कंट्रोल करो। पढ़ाई के लिए समय तय करो, बाकी समय में खुद को फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, साइकिलिंग, दौड़ और मैदानी खेलों में झोंक दो। जब पसीना बहेगा तो मोबाइल की लत खुद भागेगी।

पुराने दिनों की यादें हो गई ताजा

ऑनलाइन चौपाल के दौरान रायपुर, दुर्ग-भिलाई, महासमुंद, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, बेमेतरा, मुंगेली और धमतरी समेत प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से बच्चे जुड़े। बच्चों से संवाद के दौरान पत्रकारों ने भी अपने बचपन की यादें साझा कीं और वह दौर फिर जीवंत हो उठा, जब खेल मोबाइल की स्क्रीन पर नहीं, मैदान और गलियों में हुआ करते थे। चर्चा में कबड्डी, खो-खो, डंडा-पिचरंगा, कंचे यानी बांटी, बिल्लस, भंवरा, झूला और टायर चलाने जैसे पारंपरिक खेलों की यादें ताजा हुईं। पत्रकारों ने स्कूल के दिनों के अनुभव सुनाते हुए बताया कि कैसे छुट्टी के बाद बच्चे सीधे मैदान की ओर भागते थे और खेलते-खेलते शाम हो जाती थी। चौपाल में पुरानी पीढ़ी की खेल संस्कृति और मौजूदा डिजिटल बचपन के बीच का फर्क खास तौर पर उभरकर सामने आया।

एक्सपर्ट की रायः मोबाइल नहीं, आदत खतरनाक है

एआई इमेज

एजुकेशन काउंसलर की मानें तो आज बच्चे मोबाइल नहीं, मोबाइल की लत के शिकार हैं। नवप्रदेश की इस ऑनलाइन मीटिंग में ये साफ हो गया कि बच्चों को मोबाइल से नफरत नहीं, बल्कि उसका सही इस्तेमाल नहीं पता। मोबाइल हमारी जिंदगी का हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं। मोबाइल से होने वाले 5 बड़े दुष्प्रभाव जो हर माता-पिता को जानना चाहिए।

1. **दिमाग पर ब्रेकः** हर 10 मिनट में रील देखने से बच्चे की एकाग्रता टूटती है। 45 मिनट लगातार पढ़ने की क्षमता अब 10 मिनट रह गई है। इसे पॉपकॉर्न ब्रेन कहते हैं।
2. **नींद की चोरीः** रात में स्क्रीन की नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन रोक देती है। बच्चा रात 2 बजे तक जागता है, सुबह स्कूल में नींद में रहता है।
3. **गुस्सा और अकेलापनः** गेम हारने पर चिड़चिड़ापन, परिवार से बात बंद। बच्चा धीरे-धीरे डिप्रेशन की तरफ जाता है।
4. **आंख और शरीरः** 12 साल की उम्र में चश्मा, गर्दन दर्द, उंगलियों में जकड़न। मैदान में खेलना बंद तो मोटापा और सुस्ती।
5. **बचपन का गायब होनाः** जो बच्चा कभी कंचे, पिट्ठू और साइकिल से बड़ा होता था, वो अब लाइक और कमेंट से बड़ा हो रहा है। उसका इमोशनल कनेक्शन खत्म हो रहा है।

बच्चों, ये जरूर करो

- मोबाइल के लिए रोज का एक ही टाइम टेबल बनाओ, जैसे 6 से 7 बजे सिर्फ होमवर्क के लिए।
- पढ़ाई के बाद मोबाइल को मां-पापा को वापस दे दो, अपने पास मत रखो।
- शाम के 1 घंटे मोबाइल नहीं, सिर्फ मैदान में। फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, दौड़ जो पसंद हो वो खेलो।
- हफ्ते में एक दिन 'नो मोबाइल डे' रखो। उस दिन किताब पढ़ो, दादी से कहानी सुनो, माता-पिता के साथ बैठों...। दोस्तों से मिलो।

यह बिल्कुल न करें

- बिस्तर पर लेटकर अंधेरे में मोबाइल कभी मत चलाओ।
- पढ़ते समय मोबाइल को साइलेंट करके दूसरे कमरे में रखो।
- अनजान लिंक, अनजान ग्रुप और ऑनलाइन दोस्ती से बिल्कुल दूर रहो।
- गेम में हारने पर फोन पटकना या गुस्सा करना तुरंत बंद करो।

एआई इमेज

माता-पिता के लिए 3 सुझाव

1. **डांटो मत, दोस्त बनोः** 'मोबाइल छोड़' कहने से बच्चा और ज्यादा चलाएगा। रोज 30 मिनट बिना मोबाइल के उसके साथ बैठो, उसकी बात सुनो।
2. **खुद उदाहरण बनोः** आप खुद दिनभर रील देखोगे तो बच्चा कैसे मानेगा? घर में एक 'मोबाइल बास्केट' रखो, खाने और सोने के समय सबका फोन उसी में रहेगा।
3. **नियम बनाओ, सजा नहींः** मोबाइल चलाने का कॉन्ट्रैक्ट बनाओ - पढ़ाई इतनी देर, खेल इतनी देर, फिर मोबाइल। सही इस्तेमाल पर शाबाशी दो।

स्कूलों के लिए 3 सुझाव

1. **होमवर्क का तरीका बदलोः** सारा होमवर्क व्हाट्सएप पर मत भेजो। हफ्ते में 2 दिन ऑफलाइन डायरी वाला होमवर्क जरूरी करो।
2. **डिजिटल डिटॉक्स पीरियडः** स्कूल में हफ्ते में एक पीरियड ऐसा हो जहां कोई गैजेट नहीं, सिर्फ कहानी, खेल और बातचीत हो।
3. **पैरेंट्स वर्कशॉपः** हर महीने 1 घंटे की क्लास सिर्फ माता-पिता के लिए- 'बच्चों को मोबाइल से कैसे बचाएं '।

आखिरी बातः मोबाइल से भागना हल नहीं है। मोबाइल का मालिक बनना सीखना है, गुलाम नहीं...। जिस दिन बच्चे ने मोबाइल को जेब में रखना सीख लिया और दिल से निकाल दिया, उसी दिन उसका बचपन लौट आएगा। पैरेंट्स अपने बच्चों को परिवार से जोड़ें।

मोबाइल लत पर कोर्ट की फटकार और गाइडलाइंस

ऑनलाइन क्लास के अलावा होमवर्क व्हाट्सएप पर न भेजें

सरकार ने DPDP Act 2023 पास किया। नियम कहता है 18 साल से कम उम्र का बच्चा सोशल मीडिया पर अकाउंट नहीं बना सकता जब तक माता-पिता OTP से वेरिफाइड इजाजत न दें। IT Rules 2021 के तहत यूट्यूब, इंस्टा, फेसबुक को बच्चों का डेटा इस्तेमाल करने से रोका गया है। स्कूलों को सलाह है - ऑनलाइन क्लास के अलावा होमवर्क व्हाट्सएप पर न भेजें। केंद्रीय मंत्रालय ने सख्त चेतावनी दी है कि गेमिंग और अश्लील कंटेंट परोसने वाले ऐप बैन होंगे।

दूरसंचार नियामक आयोग (TRAI)

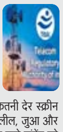

TRAI ने कहा - मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट प्रोवाइडर को बच्चों की सुरक्षा के लिए Parental Control Service देना होगा। हर सिम और वाईफाई में पेरेंट्स विंडो होनी चाहिए, जिससे पता चले बच्चा कितनी देर स्क्रीन पर है। अश्लील, जुआ और हिंसक गेम वाले कंटेंट को डिफॉल्ट ब्लॉक करना होगा। TRAI ने स्कूलों को इंटरनेट सेफ्टी का पाठ पढ़ाने और कंपनियों को हर 3 महीने में बच्चों के डेटा की ऑडिट रिपोर्ट देने का नियम प्रस्तावित किया है।

हर मोबाइल फोन वर्चुअल जुआघर बन गयाः सुको

सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में कहा - 'हर मोबाइल फोन वर्चुअल जुआघर बन गया है, गेमिंग की लत सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है '। कोर्ट ने तमिलनाडु के ऑनलाइन गेमिंग बैन कानून को सही ठहराया। दूसरी याचिका में 13 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया बैन पर सुनवाई करते हुए कहा - ये नीतिगत मामला है, सरकार 8 हफ्ते में फैसला ले। कोर्ट ने माना कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में डिप्रेशन, चिंता और आत्महत्या बढ़ी है।

ऑनलाइन गेमिंग पर राष्ट्रीय नीति बनाएं

दिल्ली हाईकोर्ट ने दो बड़े आदेश दिए। पहला - स्कूल में स्मार्टफोन पर पूरी तरह बैन नहीं कर सकते, लेकिन क्लास में जमा कराना होगा, कैमरा और रिकॉर्डिंग बैन रहेगी, सिर्फ सुरक्षा के लिए फोन की इजाजत है। दूसरा - केंद्र सरकार ऑनलाइन गेमिंग की लत पर राष्ट्रीय नीति बनाए। मद्रास हाईकोर्ट ने सबसे सख्त आदेश दिया - ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों का सोशल मीडिया अकाउंट बैन हो। जब तक कानून नहीं बनता, बाल अधिकार आयोग जागरूकता चलाए।

कोरोना ने बदली दुनियाः मोबाइल बढ़ा, मैदान और रिश्ते घटे

- ऑनलाइन पढ़ाई के लिए मिला मोबाइल अब बन रहा सिरदर्द
- खेलकूद से दूरी और परिवार से घटता संवाद चिंता का विषय

कोरोना महामारी ने बच्चों की जिंदगी में कई ऐसे बदलाव किए, जिनका असर अब भी दिखाई दे रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बच्चों के हाथों में आया मोबाइल अब सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं रह गया। धीरे-धीरे स्क्रीन बच्चों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बन गया और खेल के मैदान, दोस्तों की टोली और परिवार के साथ बितने वाला समय पीछे छूटता चला गया। कभी शाम होते ही बच्चे घर से निकलकर मैदान की ओर दौड़ पड़ते थे। कबड्डी, खो-खो, गिल्ली-डंडा, कंचे और साइकिल जैसे खेल उनकी दिनचर्या का हिस्सा थे। अब वही समय मोबाइल स्क्रीन पर बीत रहा है। इसका असर बच्चों की शारीरिक सक्रियता के साथ उनके व्यवहार और दिनचर्या पर भी दिखाई देने लगा है। अनुशासन की प्रवृत्ति में कमी और खेलकूद से बढ़ती दूरी अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है।

दादा-दादी या नाना-नानी के घर जाने की परंपरा

सबसे बड़ा बदलाव बच्चों और परिवार के रिश्तों में भी नजर आ रहा है। पहले गर्मी की छुट्टियां दादा-दादी या नाना-नानी के घर बिताने की परंपरा थी। बच्चे घंटों उनके पास बैठकर किस्से-कहानियां सुनते थे। उन कहानियों में संस्कार, अनुभव और जीवन की सीख छिपी होती थी। अब मोबाइल और डिजिटल मनोरंजन ने उस संवाद की जगह काफी हद तक ले ली है।

मोबाइल और बचपन के बीच संतुलन बनाना जरूरी

मोबाइल ने बच्चों को दुनिया से जोड़ने का रास्ता जरूर आसान किया, लेकिन सवाल यह है कि कहीं इसी स्क्रीन के कारण वे अपने आसपास की दुनिया से दूर तो नहीं हो रहे? आज जरूरत मोबाइल छीनने की नहीं, बल्कि मोबाइल और बचपन के बीच संतुलन बनाने की है। बच्चों को फिर मैदान तक ले जाना होगा, परिवार के साथ बैठाना होगा और उन्हें उन रिश्तों से जोड़ना होगा, जिनसे बचपन सिर्फ गुजरता नहीं, बल्कि बनता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि.शेड नं.74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 फोन: 0771-3526755, 6262188999